आराधना

— शंकर अभ्यंकर



महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ.

आराधना

लेखक
शंकर कृ. अभ्यंकर



महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ

प्रथमावृत्ती - ऑगस्ट १९९०.

प्रकाशक - सचिव,
महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ
नवीन प्रशासन भवन,
मुंबई - ४०० ०३२.

मुद्रक - रचना प्रिंटर्स
राऊत इंडस्ट्रीयल इस्टेट
पहिला मजला,
मोगल लेन, माहीम,
मुंबई-४०० ०१६.

किंमत : रुपये ८०/-



जिनकी चैतन्यमयी
बंदिशों से प्रेरणा पाकर
'आराधना' की
निर्मिति हुई है,
उन मेरे मानसगुरु
पं. कुमारगंधर्वजी के
चरणों में
सादर समर्पित ||

शंकर कृ. अभ्यंकर.





प्रस्तावना

मेरे स्नेही तथा सन्मित्र श्री. शंकर अभ्यंकर द्वारा रचित उनकी समस्त बंदिशों का निरीक्षण करने का तथा उन्हीं के कण्ठ द्वारा उन्हें सुनने का भी अवसर मुझे प्राप्त हुआ, जिन्हें वे 'आराधना' शीर्षक के अन्तर्गत पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर रहे हैं। उनकी बंदिशों में अधिकतर 'ख्याल' शैली का ही अनुकरण उन्होंने किया है, जिनमें कुछ विलम्बित लय के तथा अधिकांश द्रुतलय के ख्याल एवम् तरानों का समावेश है। साथ साथ, कुछ स्वनिर्मित रागों की उन्होंने रचना की है और इनका भी समावेश इस 'आराधना' में किया है।

मेरे विचार में, 'ख्याल' का सही अर्थ यदि 'कल्पना-संचार' माना जाय, तो ख्याल गायन में किसी राग का आविष्कार एवम् प्रस्तुतिकरण, उस राग में चुनी हुए बंदिशों के माध्यम से ही करना सुसंबद्ध होगा; और इसी कारणवश हमारे अनन्य रचनाकारोंने एक ही राग में भिन्न भिन्न ढाँचों के बंदिशों की रचना करते हुए इन रागों का पुष्टीकरण किया है, और आजतक यह प्रक्रिया जारी है। अतएव, एक राग में जितनी अधिक बंदिशें उतने ही वे राग परिपक्व होते रहेंगे; और इस दृष्टिकोण से श्री. शंकर अभ्यंकर का यह प्रयास स्तुत्य एवम् सराहनीय मानना होगा।

एक और बात मैं कहना चाहूँगा कि 'बंदिश' याने केवल कुछ तालबद्ध स्वरोंमें शब्दों को जकड़ना ही उसका उद्देश्य नहीं है। बंदिशों में स्वर एवम् शब्दों का लययुक्त संतुलन रखना परमावश्यक है। साथ साथ, बंदिशों में प्रयुक्त साहित्य गेय होना अत्यावश्यक है, उसमें क्लिष्टता कदापि न हो और उन बंदिशों में प्रयुक्त साहित्य द्वारा संक्षेप में किसी विषय के आशय को प्रभावी ढंग से कहने-सुनने का सफल प्रयत्न हो; कहीं पर भी स्वर एवम् साहित्य में परस्पर खींचातानी न होनी चाहिये। तभी जाकर बंदिशें आकर्षक सिद्ध हो सकती हैं। साथ साथ, यदि इन बंदिशों के माध्यम से रागों की ओर दृष्टिगोचर करते हुए एक नयी दिशा मिल जाय तो 'सोने में सुहागा'।

इसी प्रकार नव-राग-निर्मिति भी एक स्वाभाविक तथा संतुलित प्रक्रिया है। भिन्न भिन्न रागों का बेमालूम संमिश्रण चतुरता से किया गया हो तो ऐसे राग अधिक रोचक सिद्ध हो सकते हैं। ऐसे रागांगों की निर्मिति करते समय ध्येय केवल सही होना चाहिये कि विभिन्न रागांगों के के सन्तुलित संमिश्रण द्वारा उस निर्मित राग-कल्पना का स्वतंत्र व्यक्तित्व सामने आना चाहिये तथा उसकी पर्याप्त अनुभूति होनी चाहिये।

इन्हीं दिशाओं में एक सफल प्रयास श्री. अभ्यंकरने अपनी बंदिशों द्वारा किया है जो कि सराहनीय है। हाँ ! इतना अवश्य कहना होगा कि श्री. अभ्यंकर का साहित्यिक अभ्यास मर्यादित है। अतएव उनकी बंदिशों में परम्परागत उपयोग में लाया गया साहित्य ही दिखाई देता है, जिसे सामान्यरूप से समझना आसान है।

वैसे तो श्री. शंकर अभ्यंकर स्वयम् एक अच्छे गायक हैं और पं. नारायणरावजी तथा पं. शंकररावजी व्यास इन दोनों बन्धुओं के निजी मार्गदर्शन में संगीत की बुनियादी शिक्षा पर्याप्त रूप में ग्रहण की है । इनके अतिरिक्त पं. गजाननराव जोशी एवम् अन्य मान्यवर गुणिजनों के सहवास का लाभ भी उन्हें मिला है, जिसके फलस्वरूप संगीत कला के प्रति उनका दृष्टिकोण अधिक बनता गया । किन्तु, श्री. अभ्यंकर सितार-वादन में अपना लक्ष्य अधिक केंद्रितकर, एक सफल सितार वादक के रूप मे अधिक प्रसिद्ध हुओ और आज उन्हें एक सिद्ध सितार-वादक के नाते अधिकतर संगीत प्रेमी जानते-पहचानते हैं । मैंने स्वयम् उन्हें एक गायक के नाते ही सर्वप्रथम जाना और बाद में सितार-वादक की हैसियत में ।

यहाँपर एक बात कहना आवश्यक समझूँगा कि श्री. अभ्यंकर ने सितार को हाथ में लेते हुवे अपने आदर्श कलाकार पं. रविशंकरजी तथा उस्ताद विलायत खाँ साहेब को माना और इन्हीं दोनों कलाकारों की शैलियों का सुन्दर संमिश्रण अपनी वादनशैली में रखने में वे सफल हुओ । सितार वादन में निपुणता प्राप्त करते हुओ उन्होंने विभिन्न लयकारियों का भी पर्याप्त अभ्यास किया । और, इसी कारण उनकी बंदिशों में लयकारी का आनन्द पर्याप्त प्रमाण में मिलता है । गायक के नाते प्रारम्भ से ही श्री. अभ्यंकर के आदर्श गायक कलाकार पं. कुमार गंधर्वजी रहे हैं और उनकी गायन शैली का गहराई से अभ्यास वे करते रहे हैं; यहाँ तक कि उनकी रचनाओं में इसी शैली का प्रभाव प्रमुखता से जानने-सुनने मिलता है ।

पं. कुमारजी की गायन-शैली को आत्मसात् करना तथा उसे अपनाना कोई सामान्य बात नहीं है । जब तक राग-संगीत की गहराई तक न पहुँचे, इस गायकी का मर्म समझकर उससे पर्याप्त रसास्वाद लेना कठिन किंबहुना असम्भव ही है । अतएव श्री. शंकर अभ्यंकर की रचनाओं को केवल स्वरलिपि के माध्यम से सम्पादन करना सरल नहीं है । इस सम्बन्ध में मेरा एक अल्पसा सुझाव है कि इस 'आराधना' पुस्तक के साथ साथ यदि इन बंदिशों को 'केसेटों' द्वारा ध्वनिमुद्रित रूप में संगीत-जिज्ञासुओं के लाभार्थ उपलब्ध कराया जाय तो इन बंदिशों को अधिक प्रभावी ढंग से सीखा-गाया जा सकता है ।

अंत में, मैं श्री. शंकर अभ्यंकर को उनके इस उपक्रम के लिये मनःपूर्वक धन्यवाद तथा बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि उनका यह प्रयास संगीत जगत् के लिये एक अति उपयुक्त योगदान सिद्ध होगा । मैं परम कृपालू परमेश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ कि वह श्री. अभ्यंकर को स्वस्थ दीर्घायु देते हुओ भविष्य में भी इसी प्रकार उनके द्वारा अधिकाधिक संगीत सेवा सम्पन्न कराने का सामर्थ्य, मनोबल एवम् अनुकूलता प्रदान करें । यही मेरी मनोकामना है ।

- के. जी. गिण्डे

दो शब्द .....

मेरी आज तक की संगीत-साधना का छोटासा फल, यह 'आराधना' रसिकों के सामने रखते हुओ मुझे बडा आनंद होता है। बचपन से निरंतर सुना हुआ गायन-वादन और उसका मनन-चिंतन इन बंदिशों के निर्माणमें अवश्य सहायक हुआ है। किन्तु गुरुवर्य पं. कुमारगंधर्वजी की आकर्षक, चैतन्यमयी बंदिशें इन की प्रमुख प्रेरणा सिद्ध हुई हैं। इस विषयमें उन का भारी ऋण मानना और उन के ऋणमें ही रहना मेरे लिये अतीव आनंद की बात है।

इन बंदिशों की प्रशंसा करते हुओ इन्हें ग्रंथरूपमें निबद्ध करने के लिये स्वर्गीय पं. वामनरावजी देशपांडे और प्रा. स. ह. देशपांडेजी ने पुनःपुनः प्रोत्साहित किया, इसलिये इस ग्रंथनिर्मितिमें मैं प्रवृत्त हुआ। उन्हें धन्यवाद देना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ।

'महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ' के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री. सुरेन्द्रजी बारलिंगे और मंडल के भूतपूर्व सदस्य माननीय श्री विद्याधरजी गोखले का इस ग्रंथ के प्रकाशन में बहुत बडा सहयोग रहा है, इसलिये उन के प्रति मैं हार्दिक आभारी हूँ।

'महाराष्ट राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ' ने इस ग्रंथ का प्रकाशन-कार्य स्वीकार किया, इसलिये ये बंदिशें रसिकों के सामने आ सकीं। इसलिये मंडल का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

हमारी विनंती के अनुसार पं. श्री. के. जी. गिंडेजी ने मेरी बंदिशों का यथोचित मूल्यांकन करती हुई प्रस्तावना लिखी, इसलिये मैं उन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

शास्त्रीय संगीत की बंदिशों का नोटेशनसहित मुद्रण एक बहुत कठिन काम है। लेकिन 'रचना प्रिंटर्स' ने आवश्यक परिश्रम लेकर बंदिशों का अधिकांश निर्दोष और सुंदर मुद्रण किया, इसलिये उन को मैं बहुत बधाई देता हूँ।

मेरे मित्र श्री. व्ही. सिन्नरकर ने मोहक चित्रों से ग्रंथ का सौंदर्य बढाया है, लेकिन मित्रता के संबंधमें 'आभार' शब्द उचित नहीं होगा।

ग्रंथनिर्मिति के कार्य में जिन का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूपमें सहयोग मिला है, लेकिन उन का निर्देश यहाँ नहीं किया गया है, उन के प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ।

इस ग्रंथमें पारंपरिक रागों के साथ साथ कुछ ठुमरी, दादरा, झूला जैसी विविध बंदिशों का अंतर्भाव है। यदि इन बंदिशों से रसिकों को आनंद मिले और कलाकारों की महफिलें सजानेमें ये सहायक हुईं तो मेरी 'आराधना' सार्थक हुई ऐसा मैं मानता हूँ।

इसी प्रकार अन्त तक संगीत की आराधना का भाग्य मुझे मिले, यही ईश्वर के चरणोंमें प्रार्थना।



अनुक्रमणिका ।





सुबह के राग

राग - गुजरी तोडी, ताल - झुमरा, लय - विलंबित

भोर भई मैं आयो तोरे मंदर
जित सोहे लय ग्यान, सूरमें दीज्यो तेज
और मेरो मन निर्मल राखो ।
और कछु न माँगत, इत दीज्यो महादेव
देओ आशिस
तोरे पग पर सीस राखियो ॥

स्थाई

| – – –, ग॒ मंध॒निमं |
| भो रभईमैं |
| ३ |

ध॒ – निं मंध॒ –	ध॒–ध॒मं, ग॒मं ध॒, – मं –, – रे॒ – ग॒ –	रे॒ – सा –
आऽ योऽऽ	तोऽऽऽऽऽ ऽऽरे ऽऽमं ऽऽऽ	दऽरऽ
×	२	०

| ध॒निसारे॒ ग॒मं, सा –सा, – सारे॒ रे॒ग॒ ग॒मं मंध॒ ध॒नि |
| जितसोहे लयग्या ऽनऽ सूऽ रऽमेंऽदीऽ ज्योऽ |
| ३ |

मंध॒–,– – –मंध॒–	मं–ध॒नि निनि ध॒, ध॒नि –मं, ध॒	सां – सां,सां सां
तेऽऽऽ ऽऽजऽऽ	औऽरऽ ऽऽ ऽमेरो ऽमन	नि र् म ल
×	२	०

| ध॒नि,– सांरें॒– रें॒निध॒मं ग॒रे॒साग॒ मंध॒निमं |
| राऽऽऽऽ खोऽऽऽ ऽऽऽभो रभईमैं |
| ३ |



अंतरा

	– – –, –ग़ मंध़निध़	
	औ रकछुन	
	३	

सां –सां –	सां धनि–मं ध़–निरें –निध़नि	मंध़–,– –ध़–
माँ ऽ ग ऽ	त इतऽदी ज्यो ऽऽ ऽमहाऽ	देऽऽऽ ऽवऽ
×	२	०

नि,निध़,मंध़,– –नि सांरें़गं रें़सां
देऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽ वोऽ
३

सां –ध़ ध़	मगुमं ध़,निध़–मं –धनि –मं,ध़	सां –सां –ध़नि
आ ऽशि स	तोरे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽपग ऽपर	सी ऽस ऽराखि
×	२	०

सांरें,–,रेंनि धमंगरे सा–,–ग़ मंधनिमं
ऽऽऽयोऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽभो रभईमैं
३

राग - गुजरी तोडी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

शंकर हर हर महादेव तुम
कर त्रिशुल डमरु
संगीत के महाग्यानी तुम ।
शिव शिव बम् भोलेनाथ
नित करत तेरो ध्यान
प्रकट हो जाओ,
दरसन दीज्यो महादेव तुम ॥

स्थाई

सा	– रे ग रे	सा सा सा ध
शं	ऽ क र ह	र ह र म
	०	३

ध – मं रे	– ग रे सा सा	– रे ग रे	सा सा सा सा
हा ऽ ऽ दे	व तु म शं	क र ह	र ह ऽ र
×	२	०	३

सा रे ग रे ग	ग मं ध नि	निसांरेंगं – रें सां	सां सां नि रें सां,
क र ऽ त्रि शु	ल ड म रू	संऽऽऽ ऽ गी ऽ	त के ऽ म ऽ
×	२	०	३

ध – मंग – ग	ग रे सा
हा ऽ ग्या ऽऽ	नी तु म
×	२

अंतरा

ध॒	ध॒ म॑ म॑ ध॒	म॑ ध॒ सां –
शि	व शि व बं	ऽ भो ले ऽ
	०	३

सां – निध॒ – नि	म॑ ध॒ – – ग॒	रे॒ ग॒ म॑ म॑	ध॒ नि म॑ –
ना ऽ ऽऽ ऽ	ध ऽ ऽ ऽ नि	त क र त	ते रो ध्या ऽ
×	२	०	३

ध॒ सां सां सां	ध॒निसां रें॒ रें॒ नि	ध॒ ध॒नि निसां सांरें॒	रें॒गं॒ सांनि सांनि सांनि
न प्र क ट	होऽऽ ऽजाऽ	वो दऽ रऽ सऽ	नऽ दीऽ ज्योऽ मऽ
×	२	०	३

ध॒ – म॑ग॒ – –	ग॒ रे॒ सा
हा ऽ देऽऽ ऽ	व तु म
×	२

राग - गुजरी तोडी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बोलता जारे दिल खोलता जा, राजारे
जो विचार है मन काहे छिपावो ।
बोलन बिन कैसे समझे तोरा मन
आवो पास हस कर सब बतावो ॥

स्थाई

म ऽम	धृ सां सां सां	– सां नि म
बो ऽल	ता जा रे दिल्	ऽ खो ऽल ता
	०	३

धृ – – निधृ	धृम मगृ ,सां –	नि धृम धृम धृ	धृनि धृनि म धृ
जा ऽ ऽ रा ऽ	जाऽ रेऽ, जो ऽ	वि चा ऽ र	हैऽ ऽऽ म न
×	२	०	३

धृ नि रें नि	म धृ, म ऽम
का हे ऽ छि	पा वो, बो ऽल
×	२

अंतरा

धृ धृ नि म	म धृनि सां सां
बो लन् ऽ बी	न कैऽ ऽ से
०	३

धृनि निसां सांरें गेंरें	रेंसां सां सां सां	धृ धृ नि धृम	म धृनि सां सां
सऽ मऽ झेऽ ऽऽ	तोऽ रा म न	बो लन्ऽ बिऽ	न कैऽ ऽ से
×	२	०	३

सां सां नि ध़	सां सां सां –	नि मं ध़ मं ध़	धनि धनि मं ध़
स म झे ऽ	म न आ –	वो पाऽ ऽ स	हऽ सऽ क र
×	२	०	३

ध़ नि रें नि	मं ध़, मं ऽमं
स ब ऽ ब	ता वो, बो ऽल
×	२

राग - गुजरी तोडी, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

ता धान् धा धागीना धेत्तान् धातीत्, धेत्तान् धागीना धागीना धाधान्
धा धान् धात्तधान् धान् धागीना, धेत्ता धा धान् धाधान्
धात्तधा, धाधान् धात्तधा, धाधान् धात्त ।
धा धान् धा धा धा त्तदानी,
धे धे दानी धे धे दानी, धे धेत् तादानी, धे धेत् तादानी
धेत्तान् धागीना धागीना धा, धा धात्तधा, धा धात्तधा, धा धात् ।

स्थाई

– सा
ता
४

सा –	सा रे॒	ग॒ रे॒	सा सा	– ध॒	ध॒ सा
धां ऽ	धा धा	गी ना	धे त्तां	ऽ धा	तीत् ता
×	०	२	०	३	४

सा –	सा रे॒	ग॒ रे॒	सा सा	– ध॒	ध॒ –
धां ऽ	धा धा	गी ना	धे त्तान्	ऽ धा	तीत् ऽ
×	०	२	०	३	४

म॑ म॑	– ध॒	सा सा	सा सा	सा सा	सा –
धे त्तान्	ऽ धा	गी ना	धा गी	ना धा	धान् ऽ
×	०	२	०	३	४

सा सा	– सा सा	– ग॒ रे॒	– रे॒	– ग॒	म॑ ध॒
धा धा	ऽन् धा	ऽत्त धान्	ऽ धा	ऽ धा	गी ना
×	०	२	०	३	४

म॑ ध॒	सां म॑	– सां	सां –	ध॒ – ध॒	ध॒ –
धे त्तां	धा धान्	ऽ धा	धान् ऽ	धा ऽत	धा ऽ
×	०	२	०	३	४

ध॒ ध॒	– ग॒	– ग॒ ग॒	– रे॒	रे॒ –	सा – सा
धा धान्	ऽ धा	ऽ त धा	ऽ धा	धान् ऽ	धा ऽ त्
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ध॒ ध॒	– ध॒	– म॑	– ध॒	– सां	सां सां
धा धान्	ऽ धा	ऽ धा	ऽ धा	ऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सां सां	– सां	सां –	ध॒ नि	– म॑	ध॒ –
धे धेत्	ऽ दा	नी ऽ	धे धेत्	ऽ दा	नी ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	– सां	नि ध॒	म॑ ग॒	– रे॒	सा सा
धे धेत्	ऽ ता	दा नी	धे धेत्	ऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सा सा	– रे॒	ग॒ रे॒	ग॒ म॑	म॑ ध॒	– सां
धे तान्	ऽ धा	गी ना	धा गी	ना धान्	ऽ धा
×	०	२	०	३	४

– ध॒ ध॒	ध॒ –	ध॒ – ग॒	ग॒ ग॒	– रे॒	– सा सा
धा त्	धा ऽ	धा ऽ धा	त् धा	ऽ धा	ऽ धा त्
×	०	२	०	३	४

राग - तोडी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

रे करोना याद मनवा
जब करत कछु नाही सुझे मनवा ।
प्रीत दिने बीते सुखके री
अब रहियो याद मनमा
जब करत कछु नाही सुझे मनवा ॥

स्थाई

सा	रेग गरे सा	
रे	ऽ ऽ क रो ना	
	३	

सा – – –	धग – ग गमं	ग ग रे सा ग	मं ध नि ध
या ऽ ऽ ऽ	द ऽ म न ऽ	वा ऽ ऽ ऽ ज	ब क र त
×	२	०	३
मंप धप मंग –	ग रे सा रे	गमं गग रे सा	रेग ग रे सा
कऽ छुऽ ना ऽऽ	ही सु झे म	न ऽ वा ऽ ऽ रे	ऽऽ क रो ना
×	२	०	३

अंतरा

मंप	धप मंग मं ध
प्री ऽ	ऽऽ त ऽ दि न
	३

सां – – –	सां – सां रेंगं	रें सां सां सां	रेंगं रें सांनि रें सां
बी ऽ ऽ ऽ	ते ऽ सु खऽ	के ऽ री अ	ऽऽ ब र हि यो ऽ
×	२	०	३

नि ध़ – – नि	ध़ध़ मं ध़ निध़	नि नि ध़ – ग़	मं ध़ नि ध़
धा ऽ ऽ ऽ	द ऽ ऽम न ऽ	मा ऽ ऽ ऽ ज	ब क र त
×	२	०	३

मंप ध़प मंग़ –	ग़ रे़ सा रे़	ग़ मं ग़ग़ रे़ सा	रे़ ग़ ग़ रे़ सा
कऽ छुऽ नाऽऽ	ही सु झे म	न ऽ बाऽऽ रे	ऽऽ क रो ना
×	२	०	३

राग - भटियार (ख्याल), ताल - एकताल, लय - विलंबित

अे नंदलाल जागो रे, रैन गई, अब दिन आयो रे ।
तोरा मुख देखन सब मिलि आयो हैं
सबन को उठि दीज्यो दरस आज ॥

स्थाई

सा, साध–	–मप, –म
अे ऽऽऽ	ऽ नं ऽ ऽ द
४	

म –	मप–,– प	पधप, प	पग–,–प	गगरे॒,– सा	रे॒–रे॒सानि॒सा,–	–सा,म	म म
ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ल	जाऽऽऽ	ऽऽऽऽऽ	गोऽऽऽ रे	रैऽऽऽऽऽऽऽ	ऽ न ग	ई ऽ
×	०	२		०	३		४

मम मप –,–	म॑ध सां	रे॒नि–,–	ध,पध	पपम,–	मप–, पगप	ग रे॒ सा
अब ऽ ऽ ऽ	दिन ऽ	आऽऽऽ	ऽऽऽ	योऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ	रे ऽ
×	०	२		०		३

साममप,पधधनि	–ध, –प
अेऽऽऽऽऽऽऽ	ऽ नं ऽ द
४	

अंतरा

मप –म॑, ध	धनिसां,– सां
तोरा ऽमुख	देऽऽऽ ख
३	४

रें̣सां, – –	सांसां निरें̣–,–	निध पध	पपम,– मप–, पगप	गरे̣–,– सा
न ऽ ऽ ऽ	सब ऽऽऽऽ	मिलि ऽऽ	आऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ	यो ऽऽ हैं
×	०	२	०	३

–सारे̣, सानि̣सा म
ऽ स ऽ ब ऽ ऽ न
४

म मम	मप–,– म(नि) ध	सां रें̣नि	ध, पध पपम, –	मप–,पगप गगरे̣–, सा
कों उठि	ऽऽऽऽ दीज्यों	ऽ दर	स ऽऽ आऽऽऽ	ऽऽऽऽऽ जऽऽऽऽ
×	०	२	०	३

धपपमप, मपधनि– –ध–प
अेऽऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽनंऽद
४

राग - भटियार, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

दीज्यो बधाई, सब मिलि आज आप
बनरा बनी के घर आयो आज ।
सब घर आनंद बरसत
मंगल सूर सब घर आज बाजत ॥

स्थाई

— म —प, धनि,ध
ऽदी ऽज्योऽऽब

ध पम—,—	प — रे नि ध	प ध प म —, म	पग, रे सा,—म — पधनि, ध
थाऽऽऽऽ	ई ऽस ब मि	लिआ ऽ ऽ ऽ ज	आऽऽ प दी ऽज्योऽऽब
×	२	०	३
ध पम—,—	प — रे नि ध	प, प ग रे सा	म,—म —म पध—, प
धा ऽ ऽ ऽ	ई ऽ स ब मि	लिआऽ ऽ ज	बऽन ऽरा ऽ ऽ ब
×	२	०	३
प —	निध निप पध	प ध मम	पग, रे सा,—म —प, धनिध
नी ऽ	केऽ घऽ रआ	योआ ऽज	आऽऽ प दी ज्यो ऽ ऽ ब
×	२	०	३

अंतरा

	– –मं ध –मं, ध
	सब घर
	३

सां –	सां – सां	गं रें सां सां	मं,–ध –,मं – ध –
आ ऽ	नं ऽ द	ब र स त	स ब ऽ ध ऽ र ऽ
×	२	०	३

सां –	सां – सां	गं रें सां सां	सां – सां – सां
आ ऽ	नं ऽ द	ब र स त	मं ऽ ग ऽ ल
×	२	०	३

रें नि धप	निध नि प प ध	प ध – म	पग, रे सा – म – प, ध नि ध
सूर सब	घ र आऽ जबा	ऽ ज ऽ त	आऽऽ प दी ज्यो ऽ ऽ ब
×	२	०	३

राग - भटियार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य

प्रात भयो रवि के किरन आयो हैं
ऐसो लगत सब बन पीत वसन पहनायो ।
छायो किरनबिंब बही सरितापे
ऐसो लगत सजत पीत हेम
मिलन चली सागर ॥

स्थाई

– म –प म	प ध निरें निनि	ध म ध प
प्रा ऽत भ	यो र विऽ केऽ	ऽ कि र न
२	०	३

प – म –	म, म –प म	प ध नि धध	प म ध प
आऽ ऽ ऽ	यो, प्रा ऽत भ	यो र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

प – म –	मप – पग प	ग रे सा –	–, मं ध सां
आऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽऽ ऽ	यो ऽ हैं ऽ	ऽ, ऐ सो ल
×	२	०	३

सां सांनि रेंनि निध	ध प प,धध पम	ध प नि ध	साम मप पध निध
ग त ऽ सऽ बऽ	ब न पीऽऽ ऽऽ	त व स न	पे ऽ हेऽ नाऽ ऽऽ
×	२	०	३

प मप ग रे	सा, म –प म	प ध नि धध	प म ध प
ऽ ऽऽ ऽ ऽ	यो, प्रा ऽत भ	यो र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

अंतरा

म॑ ध सां सां	सां सां – सां
छा यो कि र	न बिं ऽ ब
२	०

सां सां सां सां	सांनि रें॒ सां –	गं – रें॒ – सां	सां सां रें॒ नि
ब ही स रि	ताऽ ऽ पे ऽ	ऐ ऽसो ऽ ल	ग त स ज
×	२	०	३

ध – प ध म	प – प म॑नि	धसां निरें॒ नि ध	पध पध मप मप
त ऽ पी ऽ त	हे ऽ म मिऽ	ऽऽ ऽऽ ल न	चऽ लीऽ साऽ ऽऽ
×	२	०	३

ग रे॒ सा म	– म म प	– ध नि धध	प म ध प
ऽ ग र प्रा	ऽ त भ यो	ऽ र वि केऽ	ऽ कि र न
×	२	०	३

प – ग रे॒	सा
आ ऽ ऽ ऽ	यो
×	२

राग - भटियार, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

म्हारु कंथा बिदेसा जो पतिया न आयो ।
निसदिन बाट तकत, आस जिया पिया मिलन
बिरहन सह नहि जाय ॥

स्थाई

सा सा
म्हा रु
४

ध –	– प	– प	प – ग	– रे	सा सा
कं ऽ	ऽ था	ऽ बि	दे ऽ सा	ऽ जो	म्हा रु
×	०	२	०	३	४

सा म	– प	– प	धनि धध	पध पप	म पध
प ति	ऽ या	ऽ न	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	यो ऽऽ
×	०	२	०	३	४

ध –	– प
कं ऽ	ऽ था
×	०

अंतरा

मं ध	– धनि	सां सां	सां –	सांनि रें	सां सां
नि स	ऽ दिऽ	ऽ न	बा ऽ	टऽ त	क त
×	०	२	०	३	४

सां —	सां रें	नि —	नि ध	— म	प प
आ ऽ	स जि	या ऽ	पि या	ऽ मि	ल न
×	०	२	०	३	४

रें नि	सां ध	नि प	ध म	मम पध	नि ध
लि र	ह न	स ह	न हिं	जाऽ ऽऽ	ऽ य
×	०	२	०	३	४

ध —	— प
कं ऽ	ऽ शा
×	०

राग - भटियार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कत्तान् धा धा तदानी तदानी ।
तन नित तदानी तदानी तदानी ।
तन नित तदानी तार दानी तदानी
नित दानी तदानी तदानी तदानी ॥

स्थाई

– म म प	– प ध नि ध
क त्तान् धा	ऽ धा ऽ ऽ त
०	३

ध – प –	– ध प म	– प म ध	प नि ध ध
दा ऽ नी ऽ	ऽ त दा नी	, त न नि	त त दा नी
×	२	०	३

– नि प प	– ध म म
त दा नी	ऽ त दा नी
×	२

अंतरा

म॑ ध म॑ ध	– सां सां सां
त न नि त	ऽ त दा नी
०	३

सां – सां सां सां	नि रें सां सां	रें नि सां ध	– नि ध ध
ता ऽ र दा नी	ऽ त दा नी	नि त दा नी	ऽ त दा नी
×	२	०	३

– नि प प	– ध म म
ऽ त दा नी	ऽ त दा नी
×	२

राग - अहिर भैरव, ताल - झपताल, लय - मध्य.

कैसे बताऊँ मैं तोहे
सूर देत जो आनंद मोहे मना ।
कह ना सकत, मिले जो आनंद
जो जाने वोही ले सकत ॥

स्थाई

			– – ग मध–, प
			कै से ऽ ब
			३
म –	मप,प –पग –,पम	(ग)रे॒ (ग)रे॒	सा, धपम गमगमपधनि॒सां –धप
ता ऽ	ऊँऽऽ ऽऽऽ ऽमैंऽ	तो ऽ	हे,कैऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ से ब
×	२	०	३
म –	मप,प –पग –पम	(ग)रे॒ (ग)रे॒	सा – – रे॒
ता ऽ	ऊँऽऽ ऽऽऽ मैं ऽ	तो ऽ	हे ऽ ऽ सू
×	२	०	३
सानि़॒ध़	नि़॒सा,– – सा	ग –म	प – प
र ऽ ऽ	दे ऽ ऽ त	जो ऽआ	नं ऽ द
×	२	०	३
ध,पम– –	प धध– नि॒नि॒–	सां –रें॒सां	सांनि॒,धनि॒ पग मध–प
मो ऽऽ ऽ	हे ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽमऽ	नाऽऽ ऽ ऽकै सेऽब
×	२	०	३

अंतरा

			–म धप,प मम
			क हेऽना ऽस
			३

धनि,सां –	सां – –रें	सांनि,ध –	ध निसां– –सां
कऽऽ ऽ	त ऽ ऽमि	लेऽऽ ऽ	जो ऽऽऽ ऽआ
×	२	०	३

रें रें	निरें– सां –प	सां सांध,नि	प – –प
नेऽ	ऽ ऽ द ऽजो	जा ऽऽऽ	ने ऽ ऽवो
×	२	०	३

ध,पम –	प ध नि	सां –रेंसां	सांनि धनि पग मध–प
हीऽऽ ऽ	ले ऽ ऽ	ऽ ऽसऽ	कऽ ऽऽ तकै सेऽऽब
×	२	०	३

राग - अहिर भैरव, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आजा बेगी आजा मोरा पिया
तोरे बिन चैन ना परत मैका ।
सैंया तुम मोहे ना बिसरायो
दिन दिन मेरो मन झुरन लागे ॥

स्थाई

— — — रे॒ग	मप मग रे॒सा नि़
आऽ	ऽऽ जाऽ बेऽ गि
०	३

रे॒ — — —	सा — रे॒ ग	म प — प	ध नि॒ सां —
आ ऽ ऽ ऽ	जा ऽ मो रा	पि या ऽ तो	रे बि ऽ न
×	२	०	३

धप मप म पग	— ग म पम	रे॒ — सा रे॒ग	मप मग रे॒सा नि़
चैऽ ऽऽ न नाऽ	ऽ प र तऽ	मै ऽ का आऽ	ऽऽ जाऽ बेऽ गी
×	२	०	३

अंतरा

— — — म	ध पम प म
सैं	या तुऽ ऽ म
०	३

धनि सां सां –	रेंसांसां नि नि सारें	रें – सां सां	नि ध प म
मोऽ ऽ हे ऽ	नाऽऽ ऽ बि सऽ	रा ऽ यो दि	न दि ऽ न
×	२	०	३

प ध नि सां	– ग ग पग	रे – सा रेग	मप मग रेसा नि
मे रो म न	ऽ झ र नऽ	ला ऽ गे आऽ	ऽऽ जाऽ वेऽ गी
×	२	०	३

राग - अहिर भैरव, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रे बलमवा, सुरत दिखा दे
करत तोरी याद ।
नींद न आवत, तोरे कारन
तरसाय रही मैं तो करत याद ॥

स्थाई

सां –	– धप	म म
रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
०	३	४

म –	प –	ध नि॒सां	सां –	– धप	म म
वा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

धप मग	रे॒ग मप	धनि॒ सांरे॒ं	सां –	– धप	प म
वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

म –	– पमम	ग –	गम प	म रे॒	– सा
वा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सुऽ ऽ	र त	ऽ दि
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– म	प –	ध नि॒	सां –
खा ऽ	ऽ दे	ऽ क	र ऽ	त तो	री ऽ
×	०	२	०	३	४

रें रेंसां	निसां सां	सांनि धनि	सां –	– धप	प म
या ऽऽ	ऽ ऽ द	ऽ ऽ ऽऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां –	– ध	– नि
नीं ऽ	ऽ द	ऽ न
०	३	४

रें –	– सां	– सां	ध –	धनि निसां	सांरें रेंगं
आ ऽ	ऽ व	ऽ त	तो ऽ	रेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

रें सां	– सां	– सां	सां सां	ध निप	म प
का ऽ	ऽ र	ऽ न	त र	सा ऽय	र ही
×	०	२	०	३	४

म –	– प	– प	ध –	– नि	सां –
मैं ऽ	ऽ तो	ऽ क	र ऽ	ऽ त	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

निसां निसारेंसां	– धनि	धनिसांनि –	सां –	– धप	म म
याऽ ऽऽऽऽ	ऽ दऽ	ऽऽऽऽ ऽ	रे ऽ	ऽ बऽ	ल म
×	०	२	०	३	४

राग - रामकली, ताल - झपताल, लय - मध्य

सनम काहे तुम अब तक न आयो
बलम तोरे कारन जागी सारी रैन।
जैसे खायो पान वैसे भयो नैन
सारी रैन बहत मोरे नैन ॥

स्थाई

–ध़ ध़	
स नम्	

प –	म प ग म – प प	म॑ म॑ प ध़	नि, ध़ प म॑ प – प म ग म – ग ^पम
का ऽ	हे ऽ ऽ ऽ ऽ तु म	अ ब त क	न आ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ ऽ ऽ ब लम्
×	२	०	३

रे॒ रे॒ सा	ध़ ध़ प	म ध़ नि सां	म॑, प ध़ प ध़ नि ध़,प म प ग म, ध़ ध़
तो ऽ रे	का र न	जा गी सा री	रै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ न ऽ ऽ ऽ स नम्
×	२	०	३

अंतरा

– ग म ध़ – ध़
जै से खा ऽ यो

सां सां	सां नि सां नि सां रें॒ सां	ध॒ ध॒	प, – ग म प म, रे॒ – सा
पा ऽ	न वै से भ ऽ यो ऽ	नै ऽ	न, सा ऽ री ऽ रे ऽ न
×	२	०	३

ध॒ ध॒	प – ग म नि ध॒	सां सां	म॑, प ध॒ प ध॒ नि ध॒, प म प ग म ध॒, ध॒
ब ह	त ऽ मो ऽ ऽ ऽ	ऽ रे	नै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ स नम्
×	२	०	३

राग - देवगंधार, ताल - झपताल, लय - मध्य

हम बेईमान बनियो हैं
धन और नाम चाहत हम
तप और साधन खो बैठे ।
बहिरंग पे ध्यान सब, अंतरंग भूलि गयो हैं ।
तप और साधन खो बैठे ॥

स्थाई

‒ म म प सां
ह म बै ऽ
३

नि नि ध़ ध़	प ‒ ‒ नि़	ध नि़ ध नि़	प, ध़ म म म प सां
मा ऽ	न ऽ ऽ ब	न्यो ऽ ऽ ऽ	है ऽ ऽ ह म बै ऽ
×	२	०	३

नि नि ध़ ध़	प म प नि़ प ग़	सा रे ‒ सा	रे, ‒ नि़ ‒ सा ‒ रे
मा ऽ	न ब ऽ नि ऽ यो	ऽ ऽ ऽ है	ध ऽ न ऽ औ ऽ र
×	२	०	३

ग ‒	म ‒ म प ध़ प	ग़ ग़ रे सा	प, ध़ प गं़ रें ‒ सां
ना ऽ	म ऽ चा ऽ ऽ ऽ	ह त ह म	त ऽ प ऽ औ ऽ र
×	२	०	३

सां ‒	ध़ प नि़ ध	नि़ ध नि़ ध़	प ध़ म म प सां
सा ऽ	ध न खो ऽ	बै ऽ ऽ ठे	ऽ ऽ ह म बै ऽ
×	२	०	३

अंतरा

| – म प ध़ ध़ ध़ |
| ब हि रं ग पे |
| ३ |

सां –	सां – सां	नि़ ध नि़ ध़ पम प म प ध़ नि़ सां	सां म प ध़ ध़ ध़
ध्या ऽ	न ऽ ऽ	स ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ब ब हि रं ग पे
×	२	०	३

सां –	सां सां सां	ध़ ध़	ध़ ध़सां सां
ध्या ऽ	न स ब	अं त	रं ऽ ऽ ग
×	२	०	३

सां, रें रें सां नि़	– सां – – रें सां	ध़ प	प, ध़ प गं रें – सां
भू ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ लि ऽ ग ऽ ऽ	यो है	त ऽ प ऽ औ ऽ र
×	२	०	३

सां –	ध़ प नि़ ध	नि़ ध नि़ ध़	प ध़ म म प सां
सा ऽ	ध न खो ऽ	बै ऽ ऽ ठे	ऽ ऽ ह म बै ऽ
×	२	०	३

राग - देवगंधार, ताल - एकताल, लय - द्रुत

जारे जारे काहेको सताओ ललुआ
खिलौने कित प्रकार चाहे तोहे बताओ।
चाहे जो जो ना देऊँ, लेहो जो मैं देऊँ
और न मांगो, समझदार तुम, काहेको सताओ॥

स्थाई

– म	प सां
जा	रे ऽ
३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प – ग॒	– रे	सा रे
जा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ	का ऽ हे ऽ	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प – प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प – ग॒	– रे	सा रे
जा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ	का ऽ ऽ हे	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प ध॒ प	ग॒ं रें	– सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	खि ऽ लौ	ऽ ने	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि॒ सां	रें सां ध॒	प प	म प — ग॒	— रे	सा रे
क्षि त	प्र ऽ का	ऽ र	चा ऽ हे	ऽ तो	हे व
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प — प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

म प	— ध॒	— ध॒	ध॒ सां	— सां	— सां
चा हे	ऽ जो	ऽ जो	ना ऽ	ऽ दे	ऽ ऊँ
×	०	२	०	३	४

नि॒ सां	नि॒ सां	— रें सां	ध॒ —	— प	— —
ले हो	ऽ जो	ऽ मैं ऽ	दे ऽ	ऽ ऊँ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

ग प नि॒ सां	रें गं॒ रें	सां सां	ध॒ —	प म	प सां
औ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र	ऽ न	मां ऽ	गो स	म झ
×	०	२	०	३	४

नि॒ ध	नि॒ ध॒	प ध॒	म प — ग॒	— रे	सा रे
दा ऽ	र तु	ऽ म	का ऽ ऽ हे	ऽ को	ऽ स
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प — प	प म	प सां
ता ऽ	ऽ ओ	ऽ ऽ	ल ऽ लु	आ जा	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - सालग वराळी, ताल - झपताल, लय - मध्य

सजन दरस पाऊँ मैं कैसे
दिन-रैन तोरे मिलन लागी आस, सुरत दिखा दीज्यो ।
नित तेरो ध्यान करत हूँ
आओ रे सुरत दिखा दीज्यो ॥

स्थाई

नि ध प ग प ध
स ज न द र स
३

नि –	ध प, – प ग – ग	ग ग रे, सा रे ग – सा	सा – रे सा, रे ग – – ग
पा ऽ	ऊँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मैं	कै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ से	दि ऽ न ऽ रै ऽ ऽ न
×	२	०	३

– रे ग	प प प	ग प	ध, धप ग प ध नि सां
तो रे	मि ल न	ला गी	आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

सां नि –, ध	– प – प ग – ग, – रे	– सा – सा	नि ध प ग प ध
स सु ऽ र	ऽ त ऽ ऽ ऽ ऽ दि ऽ खा	ऽ दी ऽ ज्यो	स ज न द र स
×	२	०	३

अंतरा

	ग़, – प – ध – नि़ सां –
	नि ऽ त ऽ ते ऽ री ऽ ऽ
	३

सां –	सां रें़ सां सां, नि़	प नि़ ध	– गं़ – रें़ – सां
ध्या ऽ	न क र ऽ ऽ	त ऽ हूँ	ऽ आ ऽ ओ ऽ रे
×	२	०	३

– नि़ – ध	– प प ग़ – ग़ ग़ रे़	– सा – सा	नि़ ध प ग़ प ध
सु ऽ र	ऽ त ऽ ऽ ऽ दि ऽ खा	ऽ दी ऽ ज्यो	स ज न द र स
×	२	०	३

राग - सालग वराळी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

लेता जा लेता जा लेता जा संदेसा
पथकवा पिया जो मोरा देसा ।
दिन दिन मेरो मन झरन लागे
ये है हाल, बता दीज्यो,
पथकवा, पिया जो मोरा देसा ॥

स्थाई

— — सा सा	सारे॒ रे॒ग॒ ग॒ ग॒	प — प धनि॒
ले ता	जाऽ ऽऽ ले ता	जा ऽ ले ताऽ
२	०	३

धध पप ग॒ ग॒	रे॒ सा — ग॒	प ध नि॒ —	— धप पग॒ ग॒
जाऽ ऽऽ ऽ सं	दे सा ऽ प	थ क वा ऽ	ऽ पिऽ याऽ जो
×	२	०	३

— ग॒रे॒ रे॒ सा	— सा सा सा	सा रे॒ रे॒ ग॒
ऽ मोऽ रा दे	ऽ सा ले ता	जा ऽ ऽ ऽ
×	२	०

अंतरा

ग॒	ग॒ प — ध
दि	न दि ऽ न
	३

नि॒सां सां सां सां	— नि॒ सांरें॒ रें॒	रें॒ गं॒ रें॒ रें॒ — सां गं॒	रें॒ — सां —
मे ऽ रो म न	ऽ झ रऽ न	लाऽऽऽ ऽ गे ये	है ऽ हा ऽ
×	२	०	३

सां ध प –	ग़ – ग़ ग़	प ध नि़ –	– धप पग़ ग़
ल ब ता ऽ	दी ऽ ज्यो प	थ क वा ऽ	पिऽ याऽ जो
×	२	०	३

– ग़रे़ रे़ सा	– सा सा सा	सारे़ रे़ग़
ऽ मोऽ रा दे	ऽ सा ले ता	जाऽ ऽऽ
×	२	०

राग - ललित, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सदारंग अदारंग, तनरंग मनरंग सबरंग
रचनाकार को प्रणाम ।
रचना के अलग रंग रूप
प्रेमपिया प्राणपिया गुनीदास
शोकपिया सब तुम
रचनाकार हो महान ॥

स्थाई

— — — सां	सां — ध॒ म॑ ध॒	ध॒ नि नि रें नि म॑	
स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ अ ऽ दा ऽ	
२	०	३	

ध॒ — म॑ —	म — म म	— म म —	म रे॒ ग ग म॑ —
रं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ग त	ऽ न रं ऽ	ग म ऽ न ऽ ऽ
×	२	०	३

म॑ — म॑ ध॒	म॑ — ग रे॒	सा ध॒ ध॒ ध॒	नि ध॒ ध॒ म॑ —
रं ऽ ग स	ब ऽ रं ऽ	म र च ना	ऽ का ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

ध॒ सां — नि	म॑ — ध॒ सां	सां — म॑ ध॒ म॑ ध॒	ध॒ नि नि रें नि म
र को ऽ प्र	णा ऽ म स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ अ ऽ दाऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – – ध	ध ध नि ध ध	म॑ ध सां सां
र	च ना ऽ के ऽ	ऽ अ ल ग
२	०	३

सां – – सां	सां – सां ध	– ध ध सां –	– ध नि रें
रं ऽ ऽ ग	रू ऽ प प्रे	ऽ म पि या ऽ	ऽ प्रा ण पि
×	२	०	३

रें – – रें	नि ध – ध	ध ध म॑ ग म॑ ध	– ध – म॑
या ऽ ऽ गु	नी दा ऽ स	शो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ क ऽ पि
×	२	०	३

ग – – म॑	ग रे – सा	– ध ध ध	नि ध ध म॑ –
या ऽ ऽ स	ब तु – म	ऽ र च ना	ऽ का ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

ध सां – नि	म॑ – ध सां	सां – म॑ ध म॑ ध	ध नि नि रें नि म॑
र हो ऽ म	हा ऽ न स	दा ऽ रं ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ ऽ दा ऽ
×	२	०	३

राग - आसावरी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ए मोरे आँगनमाँ
कगवा बोलन लागे आज ।
भइला सगुन आलेरी
देत खबर पिया आवन, आज ॥

स्थाई

— — — धुम	धुप निधु नि धु प
एऽ	ऽऽ ऽऽ मो रे
०	३

सां — — —	— — नि सारें, सां	धु प — नि	धु प धु म
आँ ऽ ऽ ऽ	ग न ऽ ऽ	माँ ऽ ऽ क	ग वा ऽ बो
×	२	०	३

प ग रे सा	धुपमप निसारेंगं रें सांनि--	सारें,सां धु प धुम	धुप निधु नि धु प
ल न ला गे	आऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ज ऽ एऽ	ऽऽ ऽऽ मो रे
×	२	०	३

अंतरा

— — — म	प नि धु — नि धु
भ	इ लाऽ स
०	३

सां – – –	– सां रें रें सांनि	सां – – म	प ध – ध
गु ऽ ऽ ऽ	ऽ न आऽ लेऽ	री ऽ ऽ भ	इ ला ऽस
×	२	०	३

सां –सां रेंरें सांनि	सां – मप निसां	रेंगं रें – सां	रेंरें सांनि निसां रेंसां
गु ऽ न आऽ लेऽ	री ऽ देऽ ऽऽ	ऽऽ त ऽ ख	बऽ रऽ पिऽ याऽ
×	२	०	३

ध – प प	धपमप निसारेंगं रें सांनि–	सारें,सां ध प धम	धप निध
आ ऽ व न	आऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ज ऽ एऽ	ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

राग - देसकार, ताल - रूपक, लय - मध्य.

अब तुम म. ो अरज करत मैं
पिया अब सौतन घर ना जाओ ।
रतिया अंधेरी, चमकत बिजली
जिया डर लागे अब ना जाओ ॥

स्थाई

सा धप	–ध सां
अ बऽ	ऽतु म
२	३

सां – धप–	– गप	–प ध–	पग– गरे,सा सा	सा रे	ध़ सा
मा ऽ नोऽऽ	ऽ अर	ऽज कऽ	रऽऽ तऽऽ मैं	पि या	अ ब
×	२	३	×	२	३

ध प ध	ध सां	धसां रेंगं,रें	सां – धप–	सा धप	–ध सां
सौ त न	घ र	ऽना ऽऽऽ	जा ऽ ओऽऽ	अ बऽ	ऽतु म
×	२	३	×	२	३

अंतरा

ग प	प धसां,ध
र ति	या ऽऽऽ
२	३

सां सां सां	ध सां	—सां रेंसां	सां ध सां ध प	ग प	—ध सां
अं धे री	च म	ऽक ऽत	बि ज ली	जि या	ऽड र
×	२	३	×	२	३

सां सांध— प	ग प	— धप	ग रेंसा— सा	सा धप	—ध सां
ला ऽऽऽ गे	अ ब	ऽ नाऽ	जा ऽऽऽ ओ	अ बऽ	ऽतु म
×	२	३	×	२	३

राग - देसकार, ताल - रूपक, लय - द्रुत.

जा जा तोसे नाहीं बोलुँगी सैंया
हमें ना बुलाओ, हमें ना तरसाओ
जाओ जाओ पास न आओ रे सैंया ।
मैं तो जागी सारी रैन, तोरे संग छैला
अब ना छेडो मोरी निंदिया
थाकी हूँ मैं सैंया ॥

स्थाई

सां – सां	सा –	प ध सां	ध – –	ध –	– –
जा ऽ ऽ	जा ऽ	तो से ऽ	ना ऽ ऽ	ही ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

सां ध प ग	प –	– –	प धध –	रें सां सां ध	सां प ध
बो लुँ ऽ ऽ	गी ऽ	ऽ ऽ	सैं ऽऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

प प –	प –	प ध प	ग ग रे सा	सा –	– –
ह में ऽ	ना ऽ	ऽ ऽ बु	ला ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

सा रे –	ध –	सा सा	ध – –	धपप ग	ग रेसा
ह में ऽ	ना ऽ	त र	सा ऽ ऽ	ओऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ
×	१	२	×	१	२

ग प –	ध –	ध –	सां – –	सां –	सां –
जा ओ ऽ	जा ऽ	ओ ऽ	पा ऽ ऽ	स ऽ	न ऽ
×	१	२	×	१	२

प सां ध –	ग –	प –	प – –	पपध सारेंगं	रें सां –
आ ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ	रे ऽ	सैं ऽ ऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

अंतरा

ग – प –	ध –	ध –	सां सां –	सां –	सां –
मैं तो ऽ ऽ	जा ऽ	गी ऽ	सा री ऽ	रै ऽ	न ऽ
×	१	२	×	१	२

ध सां सां रें रें गं	गं रें सां सां	ध –	रें सां –	सां –	ध –
तो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	सं ग ऽ	छै ऽ	ला ऽ
×	१	२	×	१	२

सां सां सां	प ध प	ध सां ध	ध ध –	ध –	– –
अ ब ना	छे डो ऽ	मो री ऽ	निं दि ऽ	या ऽ	ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

ध प –	ग रे सा	सा –	प – –	पपध सारेंगं	रें सां –
था की ऽ	हूँ ऽ ऽ	मैं ऽ	सैं ऽ ऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	१	२	×	१	२

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

नितदानी तारे तारेदानी, तारेदानी
नितदानी तादानी तादानी तादानी ।
दुतन तारेदानी दीम् दीम्
तारेदानी तदानी तदानी तदानी ॥

स्थाई

			सां सां प ध
			नि त दा नी
			३

सां – – –	धप – ग प	प ध सांध ध –	सां सां प ध
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रे	दाऽ ऽऽ नी ऽ	नि त दा नी
×	२	०	३

सां – – –	धप – सां सां	पसां धप गप धसां	सां सां प ध
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रे	दाऽ ऽऽ नीऽ ऽऽ	नि त दा नी
×	२	०	३

सां – – –	धप – प धसां	ग प – सां	सां प ध रें
ता ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ता रेऽ	दा नी ऽ ता	रे दा नी नि
×	२	०	३

सांसां प ध सां	सां सां ग प	प ध प ध
तऽ दा नी ता	दा नी ता दा	नी ता दा नी
×	२	०

अंतरा

प	ध प प धसां			
दृ	त न ता रेऽ			
	३			

ध – – –	ध – सां प	सां ध – सांरें	गंरें सां – धप
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ दी म्	दी म् ऽ ताऽ	रेऽ दा ऽ नीऽ
×	२	०	३

ग प ग प	प ध प ध	प सां प ध
त दा ऽ नी	त दा ऽ नी	त दा ऽ नी
×	२	०

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रूठनेवाले फेर काहे तू आयो, आयोरे
जानत हूँ तो तेरो रे झूठो राग ।
सच करत प्रीत वोही रूठ जात
जानत मैं तोरी प्रीत और राग ॥

स्थाई

	— — साग —ग	प ध सां सां	—सां प धसां ध
	रूऽ ऽठ	ने वा ले फे	ऽर का हेऽ तू
	२	०	३

सां ध — ध सांध	धप ग साग —ग	प ध सां सां	—सां प धसां ध
आ ऽ यो आऽ	योऽ रे रूऽ ऽठ	ने वा ले फे	ऽर का हेऽ तू
×	२	०	३

ध — ध —	— — धसां धसां	प ध सां रें	— गरें सांसां ध
आ ऽ यो ऽ	ऽ ऽ जाऽ ऽऽ	न त हूँ तो	ऽ तेंऽ रोऽ रे
×	२	०	३

— सां सां पसां	धप ग साग —ग	प ध सां सां	—सां प धसां ध
ऽ झू ठो राऽ	ऽऽ ग रूऽ ऽठ	ने वा ले फे	ऽ र का हेऽ तू
×	२	०	३

अंतरा

	— — ग प	ध सां ध सां	— सां सारें सांसां
	स च	क र त प्री	ऽ त वोऽ हीऽ
	२	०	३
— प ध सांध	— ध सारें गंरें	सां सां ^{सां}ध —	सां सां पध प
ऽ रू ठ जाऽ	ऽ त जाऽ ऽऽ	न त मैं ऽ	तो री प्रीऽ ऽ
x	२	०	३
ध सां सां पसां	धप ग साग —ग	प ध सां सां	—सां प धसां ध
त औ र राऽ	ऽऽ ग रूऽ ऽठ	ने वा ले फे	ऽ र का हेऽ तू
x	२	०	३

राग - देसकार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जाने दे जाने देरे बलमा
राखो ना मनमा कल जो बतिया ।
धरो ना अब राग पिया रे
करत अरज बोलो ना रे
राखो ना मनमा कल जो बतिया ॥

स्थाई

			सा | ध प ध सां
			जा | ने दे जा ने
			३
सां — — —	धपप ग प धसां	सांध पप ग सा	ध प ध सां
दे ऽ ऽ ऽ	रेऽऽ ऽ ब लऽ	माऽ ऽऽ ऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३
सां — — धपप	— ग प गरे	सा सा ध़ सा	— ध प ध
दे ऽ ऽ रेऽऽ	ऽ ब ल माऽ	ऽ रा खो ना	ऽ म न मा
×	२	०	३
— सां ध सां	— ग प पध	पधसांध — पग सा	ध प ध सां
ऽ क ल जो	ऽ ब ति याऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३

अंतरा

सा	ग प धसां ध	
ध	रो ना अऽ ब	
	३	

सां – – –	^सां^ध – सां रें	गंरें सांसां – सां	ध सां – ध
रा ऽ ऽ ऽ	ग ऽ पि या	रेऽ ऽ ऽ ऽ क	र त ऽ अ
×	२	०	३
प ध – ग	प ग गरे सा सा	– सा ध़ सा	– ध प ध
र ज ऽ बो	लोऽ नाऽ ऽ रे	ऽ रा खो ना	ऽ म न मा
×	२	०	३
– सां ध सां	– ग प पध	पधसांध – पग सा	ध प ध सां
ऽ क ल जो	ऽ ब ति याऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ जा	ने दे जा ने
×	२	०	३

राग - देसकार, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

कुहू कुहू कूक करत कोयलिया
बेचैन मन मोरा घर नाही रसिया ।
करो ना पुकार अरी ओ कोयलिया
कूक सुन कलेजवा अकुलाय, घर नाही रसिया ॥

स्थाई

सा ध	प ध	सां –
कु हू	ऽ कु	हू ऽ
०	३	४

सांध पप	धसां सांध	पप ग	सा ग	– प	–ध सां
कूऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ क	कु हू	ऽ कु	हू ऽ
×	०	२	०	३	४

ध –	– ध	– –	सां सां	– ध	सांध पप
कू ऽ	ऽ क	ऽ ऽ	क र	ऽ त	ऽऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प ध	प गरे	ग रेसा	सा रे	– ध़	सा सा
को य	लि याऽ	ऽ ऽऽ	बे ऽ	ऽ चै	ऽ न
×	०	२	०	३	४

प –ध	– ग	– प	सां सां	– ध	सांसां धप
म ऽन	ऽ मो	ऽ रा	घ र	ऽ ना	हीऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प –ध	सांध सांध	पग –	प –ध	सां प	–ध सां
र ऽसि	ऽऽ याऽ	ऽऽ ऽ	कु ऽहू	ऽ कु	हू ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग प	– प	धसां ध	सां –	– सां	– –
क रो	ऽ ना	ऽऽ पु	का ऽ	ऽ र	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	– पसां	ध सां	प ध	ग प	– –
अ री	ऽ ओऽ	ऽ ऽ	को य	लि या	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

ध –	प ध	– प	ग ग	पग गरे	सा –
कू ऽ	क सु	ऽ न	क ले	जऽ वाऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सा ग	– प	ध ध	सां सां	– ध	सांसां धप
अ कु	ऽ ला	ऽ य	घ र	ऽ ना	हीऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प –ध	सांध सांध	पग –	प –ध	सां प	–ध सां
र ऽसि	ऽ ऽ याऽ	ऽऽ ऽ	कु ऽहू	ऽ कु	ऽहू ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - देशी, ताल - रूपक, लय - मध्य.

तोपे वारू तन मन
आज जो सुनायो, मेरे नैन भर आयो ।
लय सूर मेल अजब सुनायो
सुध राग रूप सुन, मेरे नैन भर आयो ॥

स्थाई

	— रेम
	तोपे
	३

परे	—ग॒	सा	रे,—नि॒	—सा	—सा,	मम	प —	—ध॒	मप	ग॒रे	—	पसांनि॒सां
वाऽ	ऽरू	ऽ	तऽन	ऽम	ऽन,	आज	जोऽ	ऽसु	नाऽ	योऽ	ऽ	मेऽरेऽ
×			२		३		×		२		३	

नि॒सां,—	पध॒	प	मप	—ग॒	रे रे	रेम
नैऽऽ	ऽन	ऽ	भर	ऽआ	ऽयो	तोपे
×			२		३	

अंतरा

— म,—म	—ध॒	—प
लऽय	ऽसू	ऽर
२	३	

सां – सां	निनि सारेंमंगं	रेंगं रेंसां,–	निसां,– –प	सां –सां	–सां –प
मे ऽ ल	अज बऽऽऽ	ऽऽ सुऽऽ	नाऽऽ ऽयो	सु ऽध	ऽ रा ऽग
×	२	३	×	२	३

सां –प –	ध पम,म	– पसांनिसां	निसां,– पध प	मप –ग	रेंरें रेंम
रू ऽप ऽ	सु ऽऽन	ऽ मेऽरेऽ	नैऽ ऽ ऽन ऽ	भर ऽआ	ऽयो तोपे
×	२	३	×	२	३

राग - देशी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

दारा दीम् दारा दीम् दरानी
दीम् दारा दीम् दारा दारा दीम् दारा दीम् ।
दारा दीम् दारा दीम् दरानी
दीम् दारा दीम् दारा दारा दीम् दारा दीम् ॥

स्थाई

रे	ग॒ रे –ग॒ सा	रे नि॒ –सा प
दा	रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् द
	०	३

ग॒ – रे ग॒	सारे – सा , सा	रे नि॒ –सा रेम	मप पसां पध
रा ऽऽऽ	नीऽ ऽ ऽ , दा	रा दी ऽम् दाऽ	राऽ दीऽ ऽम द
×	२	०	३

ग॒ – रे ग॒	सारे – सा , ध	–ध प प ध॒	–ध॒ प प प
रा ऽऽऽ	नीऽ ऽ ऽ , दी	ऽम् दा रा दी	ऽम् दा रा दा
×	२	०	३

सां सां –प म	प –ग॒ रे सा
रा दी ऽम् दा	रा ऽदी म् दा
×	२

अंतरा

म	म प –प ध	ध प –प सां	
दा	रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् द	
	०	३	

सां – – प	ध़ ध़ प , गं़	–गं़ रें सां सां	–सां प प प
रा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ , दी	ऽम् दा रा दी	ऽ म् दा रा दा
×	२	०	३

सां प –ध म	प रे –ग़ सा
रा दी ऽम् दा	रा दी ऽम् दा
×	२

राग - बिलावल, ताल - झपताल, लय - मध्य

आज बना बन ब्याहन आयो
घर नौबत बाजे रे ।
सीस सेरा बिराजत
और नयन कजरा
सजत सज आयो रे ॥

स्थाई

		साग– गप–	पधध,प –ग मप,म
		आ ऽ	ऽ ज ऽऽब
		०	३

ग –	गरे– गनि– सा	साग– गरे	गप– – प
ना ऽ	ब ऽ न	ब्या ऽ ऽऽ	ह ऽ न
×	२	०	३

पधध, प –	प,–प ग,–म रेग,–	पग पग	प – प
आऽऽऽ ऽ	यो ऽ ऽ ऽ रे ऽ	घ र	नौ ऽ ब
×	२	०	३

पपधनि सां,–नि	धप गम रेग–	साग– गप–
तऽऽऽ ऽऽऽ	बाऽ जेऽ रेऽ	आऽऽ ऽऽऽ
×	२	०

अंतरा

पधधप –गम	रेग,प –धनि सांनि
सीऽऽऽ ऽसऽ	ऽऽसे ऽराऽ ऽबि
०	३

सां सां	सां निसां– सां	ध नि	सां गरें– सां
रा ऽ	ज ऽ त	औ र	न यऽन
×	२	०	३

सारेंसांसां –	निध निधप	सा गरे	ग प प
कऽजऽ ऽ	रा ऽऽ	स जऽ	त स ज
×	२	०	३

पपधनि सां,–नि	धप गम रेग–	साग– गप–
आऽऽऽ ऽ ऽ ऽ	योऽ ऽऽ रेऽ	आऽऽ ऽऽऽ
×	२	०

राग - बिलावल, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सावरिया नींद न आवत, सावरिया
गरज गरजत अत जोर बरसत
सावनकी बदरिया ।
एक तो डर लागे रैन अंधेरी
दूजे बिजली चमकत
और बैरी बिरहा मारे कटरिया ॥

स्थाई

	— — प सांसां	धप मग रेग गप	— पध निसां नि
	सा व ऽ	रिऽ याऽ ऽऽ नींऽ	ऽ दऽ ऽऽ न
	२	०	३

सां — निध निध	प प प धप	गग रेग — सा	ग रे ग प
आ ऽ ऽ ऽ	व त सा वऽ	रिऽ याऽ ऽ ग	र ज ग र
×	२	०	३

प प पनि धनि	निसां — सां ध	नि ध प पनि	धनि प म ग
ज त अऽ तऽ	जोऽ ऽ र ब	र स त साऽ	ऽऽ व न की
×	२	०	३

रे ग प प	पध पध पध निध	धप मग रेग ग	प पध निसां नि
ऽ ब द री	याऽ ऽऽ साऽ ऽऽ	वऽ रिऽ याऽ नीं	ऽ दऽ ऽऽ न
×	२	०	३

अंतरा

— — — सा	धध पप गप धप	गम —रे ग ग	प पध निसां नि
ए	कऽ लोऽ डऽ रऽ	लाऽ गे ऽ रै	ऽ नऽ ऽ ऽ अं
×	२	०	३

सां — सां —	ध नि सारें गंरें	सां — ध नि	ध प सांग —
थे ऽ री ऽ	दू जे बिऽ जऽ	ली ऽ च म	क त औऽ ऽ
×	२	०	३

रे ग प नि	ध नि सांनि ध	प पनि धनि प	म ग रे ग
र बै ऽ री	ऽ बि र ऽ हा	ऽ माऽ ऽऽ ऽ	ऽ रे ऽ क
×	२	०	३

प प रे गप	ग पध प सांनि	धप मग रेग ग	प पध निसां नि
ट रि या ऽऽ	ऽ ऽऽ सा व ऽ	रिऽ याऽ ऽऽ नीं	द ऽऽ ऽऽ न
×	२	०	३

राग - बिलावल, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

संदेसा कैसे भेजूँ मैं,
सैंया जो बिदेसा
कागा रूठे, भौरा रूठे
रूठ बैठे पथकवा भी ।
अरज करत सबनकी
कहते हैं तकत बाट हम हमरे प्रीतमकी ॥

स्थाई

ग ग	प नि ध	— नि
सं दे	सा कै	ऽ से
०	३	४

सां सां	ध॒नि॒ ध॒नि॒	पध पध	ध ध	नि॒ ध	— प
भे ऽ	जूँऽ ऽऽ	मैंऽ ऽऽ	सैं या	ऽ जो	ऽ बि
×	०	२	०	३	४

ध ग	— म	रेग —	साग गम	गम रे	गप प
दे ऽ	ऽ ऽ	सा ऽ	काऽ गाऽ	ऽऽ ऽ	रूऽ ठे
×	०	२	०	३	४

पध धनि॒	धनि॒ प	म ग	पनि नि	ध नि	सां सां
भौऽ राऽ	ऽऽ ऽ	रू ठे	रूऽ ऽ	ठ बै	ऽ ठे
×	०	२	०	३	४

सां सां	सांनि धनि॒	धनि॒ प
प थ	क ऽ वाऽ	ऽ ऽ भी
×	०	२

अंतरा

पध निध	धप मग	रेग प
अऽ रऽ	जऽ कऽ	रऽ त
०	३	४

ध नि	सांनि रें	सां —	निसां गंरें	सां —	ध प
स ब	न ऽ की	ऽ ऽ	कऽ हऽ	ते ऽ	हैं ऽ
×	०	२	०	३	४

सां सां	सांनि ध	नि प	पध ध	ध प	म ग
त क	तऽ बा	ऽ ट	हऽ म	ह म	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

पसां निसां	धनि धनि	पध पध
प्रीऽ ऽ ऽ	तऽ मऽ	कीऽ ऽऽ
×	०	२

राग - देवगिरी बिलावल, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जाने दे लंगरवा मैका
बिनती करत हूँ, छांड दे मोहे ।
पनिया भरन मैं चली जात
अब न करो हमसंग बरजोरी
पाँव परू मैं, छांड दे मोहे ॥

स्थाई

सा –रे ग रे	सा – ध़ प़
जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
०	३

ग – – –	– – ग रे	ग ग प प	ध नि सां –
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मै का	बि न ती क	र त हूँ ऽ
×	२	०	३

सां – धप मम,ग	– रेग – रे	सा –रे ग रे	सा – ध़ प़
छां ऽ डऽ देऽऽ	ऽ मोऽ ऽ हे	जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
×	२	०	३

अंतरा

ग प – नि	ध नि सां सां
प नि ऽ या	ऽ भ र न
०	३

नि –रें गं रें	सांनि ध – प	ध नि सां रें	सां – ध प
मैं ऽऽ ऽ च	लीऽ जा ऽ त	अ ब न क	रो ऽ ह म
×	२	०	३

रें ग पग म	ग रेंसा सा –	– ग प प	धनि सां सां –
सं ग बऽ र	जो ऽऽ री ऽ	ऽ पाँ व प	रूऽ ऽ में ऽ
×	२	०	३

सां – धप ममग	– रेग – रे	सा –रें ग रें	सा – ध़ प़
छां ऽ ड़ऽ देऽऽ	ऽ मोऽ ऽ हे	जा ऽने ऽ दे	लं ऽ ग र
×	०	२	३





दोपहर और सांज के राग

राग - गौडसारंग, ताल - रूपक, लय - मध्य.

सैंया कैसे आऊँ, आऊँ तोरे मिलन
घन गरजत और बरसत ।
डर लागे सैंया, घर मोहे रे
जिया तरसत मेहा बरसत ॥

स्थाई

ग मप, रे	—सा रे सा
सैं ऽऽ या	ऽ कै ऽ से
२	३

ग — ग	सागरेम गपधप	मग,—रे —सा	ग — ग	ग रे म ग	प,पनि धनि,प
आ ऽ ऊँ	सैंऽऽऽ ऽऽऽऽ	याऽऽकै ऽ से	आ ऽ ऊँ	आऽ ऊँऽ	ऽतोऽ रेऽऽ
×	२	३	×	२	३

—पध पप,म ग	सा रेसा	—ग रेम	ग — ग	प धनिधपप	—पध पप—
ऽमिऽ लऽन ऽ	घ नऽ	ऽग रऽ	ज ऽ त	औ रऽऽऽऽ	ऽबऽ रऽऽ
×	२	३	×	२	३

म ग ग	सागरेम गपधप	मग,—रे —सा
स ऽ त	सैंऽऽऽ ऽऽऽऽ	याऽऽकै ऽ से
×	२	३

अंतरा

गरे मग	—पध पप—
डऽ रऽ	ऽलाऽ गेऽऽ
२	३

सां – सां	सां रेंसां	–सां गंरेंमंगं	पं रें – सां	सां –धप	–म ग
सैं ऽ या	घ र ऽ	ऽमो ऽऽऽऽ	हे ऽ रे	जि ऽयाऽ	ऽत र
×	२	३	×	२	३

ग रे म ग	प धनिधपप	–पध पप–	म ग ग
सऽ ऽ त	मे हाऽऽऽऽ	ऽबऽ रऽऽ	स ऽ त
×	२	३	×

राग - गौडसारंग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बदरा जा जाऽज्योरे
गरजत तू जा पियाके देसवा ।
पियासे बता छाँड परदेसा
तरसत जिया मोरा, बेगि आवो घरवा ॥

स्थाई

ग रे सा –
ब द रा ऽ
३

ग – – –	ग मप रे –	सा – पध पप	ग रे सा –
जा ऽ ऽ ऽ	जा ऽऽ ज्यो ऽ	रे ऽ आऽ जऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

ग – – –	ग मप रे –	सा – ग रे	म ग पध पप
जा ऽ ऽ ऽ	जा ऽऽ ज्यो ऽ	रे ऽ ग र	ज त तूऽ ऽऽ
×	२	०	३

सां रें सांनि धप	– सां – धप	– म ग मप	ग रे सा –
जा ऽ पिऽ याऽ	ऽ के ऽ देऽ	ऽ स वा ऽऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

पध पप प सां
पिऽ याऽ से ब
३

सां — — प	— नि सां रें	सां — धप —	पध पप प सां
ता ऽ ऽ छाँ	ऽ ड प र	दे ऽ साऽ ऽ	पिऽ याऽ सें ब
×	२	०	३

सां — प —	नि सां रें सां	— धप ग रें	म ग पध पप
ता ऽ छाँ ऽ	ड प र दे	ऽ साऽ त र	स त जिऽ याऽ
×	२	०	३

सां रें सां —	प सां — प	— ग ग मप	ग रे सा —
मो रा बे ऽ	गि आ ऽ वो	ऽ घ र वाऽ	ब द रा ऽ
×	२	०	३

राग - मदमाद सारंग, ताल - झपताल, लय - मध्य.

कहेलादे जारे भवरा रे,
पिया मोरा जो देसा, कहियो सँदेसा ।
पूछे जो पिया तोहे रे
बता देओ, काहे छांड गयो परदेसा ॥

स्थाई

			—म पनि़नि़प —रे
			ऽक हेऽलाऽ ऽदे
			३

म —	म प प	नि़,नि़प पम,म	मम पनि़नि़प —रे
जा ऽ	रे भ व	राऽऽ ऽऽऽ	रेक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३

म —	म प प	नि़पप,म —	मरे— सानि़सारे —सा
जा ऽ	रे भ व	राऽऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ रे
×	२	०	३

नि़ सा	रेम,म — म	मम म,पनि़	मम पनि़— प
पि या	मोऽऽ ऽ रा	जोऽ ऽऽऽ	देऽ ऽऽऽ सा
×	२	०	३

म प	पनि़— नि़सां— —म	प पनि़पप	मम पनि़नि़प —रे
क हि	योऽऽ ऽऽऽ ऽसँ	दे साऽऽऽ	ऽक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३

अंतरा

म म	पनिपप मम– निप	सां सां	सांनि– सारें– सां
पू छे	जोऽऽऽ ऽऽऽ पिया	तो ऽ	हेऽ ऽ ऽऽऽ रे
×	२	०	३

प रेंसां	सारें,रें –,सांनि सां	म पनि,प	प मरे– म
ब ताऽ	देऽऽ ऽ ऽ ऽ ओ	का हेऽऽ	छां ऽऽऽ ड
×	२	०	३

म प	^{सां}नि सां सां	^{सां}म पनिपप	मम पनिनिप –रे
ग यो	प ऽ र	दे साऽऽऽ	ऽक हेऽलाऽ ऽदे
×	२	०	३

राग - मदमाद सारंग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

लागेना पिहरुवा मोरा रे मनवा ।
कछु ना सूझत पियारे
आरे आ तोरे बिन भयो रे
उदास मोरा रे मनवा ॥

स्थाई

मम पसां निनि पप	निपपम – पनि प
लाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
०	३

प म – –	– म प म	प – – म	पनि नि सां –
ना ऽ ऽ ऽ	ऽ पि ह रु	वा ऽ ऽ मो	राऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

निप – – रे	म मप मपनिप –	मम पसां निनि पप	निपपम – पनि प
रेऽ ऽ ऽ म	न वाऽ ऽऽऽऽ ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
×	२	०	३

अंतरा

म म – म	पनि नि नि –
क छु ऽ ना	ऽऽ सू झ ऽ
०	३

सां – – –	निप नि सां सां	नि सा – रे	म म प म
त ऽ ऽ ऽ	ऽऽ पि या रे	आ रे ऽ आ	ऽ तो रे बि
×	२	०	३

प — निनि पम	पनि सां — रें	रेंसां निसां — प	म प नि सां
न ऽ भऽ योऽ	रेऽ ऽ ऽ उ	दाऽ ऽ ऽ ऽ स	ऽ मो रा ऽ
×	२	०	३

निप — — रे	म मप मपनिप —	म म पसां निनि पप	निपपम — पनि प
रेऽ ऽ ऽ म	न वाऽ ऽऽऽऽ ऽ	लाऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽऽ गे
×	२	०	३

राग - मधुवंती, ताल - झपताल, लय - मध्य.

चलोना पिया रंगमेहेला
टेर करत तोसे ।
पिया तोपे मैं तनमन
वारूँ, चेरी रहूँगी जनमकी ॥

स्थाई

– – गु म
चलो
३

प प	धपप,म पनि,ध ध प	मगु गु	सारे– रे सा गु म
ना ऽ	ऽऽऽऽ पिऽऽ याऽ	रं ग	मेऽऽ हेला चलो
×	२	०	३
प प	धपप,म पनि,ध ध प	रे,रेसा निसा–	म,मगु सागु– म
ना ऽ	ऽऽऽऽ पिऽऽ याऽ	टेऽऽ ऽ ऽ ऽ	रऽऽ ऽऽऽ क
×	२	०	३
पनि,सां धप	धपमप –,गुसा गु म		
र ऽ ऽ तऽ	तोऽऽऽ ऽसेऽ चलो		
×	२		

अंतरा

– – गु म
पिया
३

पनि– –	सां – सां	नि नि	सां गं रेंसां
तोऽऽ ऽ	पे ऽ मैं	त न	म ऽ नऽ
×	२	०	३

रेंसांनिसां –	निधपमं ग –	रे,रेसा निसा–	मं,मंग साग– मं
वाऽऽऽ ऽ	रूँऽऽऽ ऽ ऽ	चेऽऽ ऽऽऽ	रीऽऽ ऽऽऽ र
×	२	०	३

पनि– सां	ध ध प	मं ग	रे सा गमं
हूँऽऽ ऽ	गी ऽ ऽ	ज न	म की चलो
×	२	०	३

राग - मधुवंती, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

नैना जल बरसन लागी
पिया कित छिपाऊं याद तोरी मनमाँ ।
पिया ये मैं दुख कासे कहूं
बिरह मन दिन बीत जात ॥

स्थाई

— — ग॒म॑ पध	प — ग॒ ग॒ (म॑)	नि॒ सा ग॒ म॑
नैऽ ऽऽ	ना ऽ ज ल	ब र स न
२	०	३

प — म॑ प	ग॒ सा ग॒ म॑	प प निसां ध	— पम॑ प नि॒ध
ला ऽ ऽ ऽ	गी ऽ पि या	कि त छिऽ पा	ऽ ऊंऽ या ऽऽ
×	२	०	३

धप म॑ प ग॒	ग॒ म॑ ग॒म॑ पध	प —
दऽ तो री म	न माँ नैऽ ऽऽ	ना
×	२	०

अंतरा

ग॒ म॑ — प	— धध पम॑ प
पि या ऽ ये	ऽ मैंऽ दुऽ ख
०	३

सां — नि सां	ग॒ंरें रेंसां सां —	नि ध ध पम॑	ग॒ ग॒म॑ पध ध
का ऽ ऽ से	ऽऽ कऽ हूं ऽ	बि र ह मऽ	न दिऽ ऽऽ न
×	२	०	३

ऩिध	–ध	प	मं	प	ग	गमं	पध	प	–	मंग	ग
बीऽ	ऽत्त	ऽ	जा	ऽ	त	नैऽ	ऽऽ	ना	ऽ	ज	ल
×				२				०			

राग - भीपमलासी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

अब ना घर आयो शाम
जिया डर मोहे लागे
सांझ भई बावरी मैं तो ।
धेनू सब आये, पाछे न आये शाम
सखी कैसे कहूँ मैं तो
सूझे ना कछु काम ॥

स्थाई

	ग मप–	पसांनिसां पनि सां
	अ बऽऽ	नाऽऽऽ ऽघ र
	०	३

सां सां	नि पध– प	नि धप,म	–म मपधध प
आ यो	शा ऽऽऽ म	जि याऽऽ	ऽड रऽऽऽ ऽ
×	२	०	३
$^{\text{म}}$ग$^{\text{म}}$ ग	सारे– – सा	साम– –	मग मप– प
मो हे	लाऽऽ ऽ गे	सांऽऽ ऽ	झऽ भऽऽ ई
×	२	०	३
$^{\text{नि}}$प $^{\text{सां}}$नि	$^{\text{नि}}$सां $^{\text{सां}}$नि धप,म	ग मप–	
बा व	री मैं तोऽऽ	अ बऽऽ	
×	२	०	

अंतरा

नि॒	धपमप	धप–म	ग॒म–	प	सां नि॒
धे	नूऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽ	स	ब
०		३			

सां	सां	सां नि॒	सां नि॒	सारें–	सां	नि॒ प	सां नि॒	रें सां	सां ग॒	रेंसांरें
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ये	पा	छे	न	आ	येऽऽ
×		२				०		३		

नि॒ सां	सां	सां नि॒	पध–	प	नि॒	धप,म	–,मप	ध	प
शा	ऽ	म	ऽऽऽ	ऽ	स	खीऽऽ	ऽकै	ऽ	से
×		२			०		३		

म ग॒	म ग॒	सारें–	–	सा	सा	म	मप,मपधप	–म	ग॒म–
क	हूँ	मैंऽऽ	ऽ	तो	सू	झे	नाऽऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽऽ
×		२			०		३		

नि॒ प	नि॒सां	सां नि॒	पध–	प	ग॒	मप–
क	छू	का	ऽऽऽ	म	अ	बऽऽ
×		२			०	

राग - भीमपलासी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

कहियो जा कहियो जा
जा रे भँवरा जा जा
मोरा पियाको कहियो जा मोरा संदेसा ।
पिया मोरा जबसे गये परदेस
उन बिन मोरा जिया तरसे
बेगि बेगि कहियो जा मोरा संदेसा ॥

स्थाई

– – – नि	सा (म)ग म नि
क	हियो जा क हियो
०	३

ध प – ग	– सा गम धप	ग – (रे)सा ग	म प धध पम
जा ऽ ऽ जा	ऽ रे भँव राऽ	जा ऽ जा मो	रा पि याऽ कोऽ
×	२	०	३

प सांनि सांनि धप	प ध म प	धप मग म नि	सा (म)ग –म नि
कहि योऽ जाऽ ऽऽ	मो रा सं दे	साऽ ऽऽ ऽ क	हियो जा ऽक हियो
×	२	०	३

अंतरा

– – – नि	धप म प (सां)नि
पि	याऽ ऽ मो रा
०	३

सां सां सां –	प नि सां गं	रेंसांनिसां निसारें– सां प	नि सां मंगं गं
ज ब से ऽ	ग ये प र	देऽऽऽ ऽऽऽऽ स उ	न बि ऽ न
×	२	०	३

रेंसांसां सांनि – सारेंरेंसां –	पसां नि ध प	म पध प ग	म प धध पम
मो ऽ ऽ ऽ ऽ राऽऽऽ	जिऽ या त र	से ऽऽ ऽ बे	गि बे ऽऽ गिऽ
×		०	३

प सांनि सांनि धप	प ध म प	धप मग म नि	सा मग म नि
कहि योऽ जाऽ ऽऽ	मो रा सं दे	साऽ ऽऽ ऽ क	हियो जा क हियो
×	२	०	३

राग - भीमपलासी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बलमा जा जा जा, काहे घर रहियो
काहे तुम हम संग नित करत बरज ।
कैसे कैसे कहुँ आज मैं
कौन उपाय समझाऊँ मैं, तोहे रे ॥

स्थाई

–	–	नि॒नि॒	सा	साग॒	–	म प	–
		बल	मा	जाऽ	ऽ	जाऽ	ऽ
०				३			

प	धधप	म	–	म ग॒	ग॒ रे	रेसा	सारे	नि॒	सा	ग॒	म	प	नि॒ध	धप	म
जा	ऽऽऽ	ऽ	ऽ	काऽ	हेऽ	घऽ	रऽ	रहि	यो	का	हे	तु	मऽ	हऽ	म
×				२				०				३			

मप	धप	ग॒	म	पम	मग॒	मग॒	ग॒रे	रेसा	सा	नि॒नि॒	सा	साग॒	–	मप	–
संऽ	गऽ	नि	त	कऽ	रऽ	तऽ	बऽ	रऽ	ज	बल	मा	जाऽ	ऽ	जाऽ	ऽ
×				२				०				३			

अंतरा

नि॒	–धप	म	प	–	म	^(ग॒)प	^(सां)नि॒
कै	ऽसेऽ	ऽ	कै	ऽ	से	क	हुँ
०				३			

सां	–	–	प	सांनि॒	नि॒ध	प	–	नि॒	–	धप	म	प	नि॒	धप	धप
आ	ऽ	ऽ	ज	ऽऽ	मैंऽ	ऽ	ऽ	कौ	ऽ	नऽ	उ	पा	ऽ	यऽ	सऽ
×				२				०				३			

प	ग॒	—	सा	प	—	ग॒	मग॒	रे	सा	नि॒नि॒	सा
म	झा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	तो	हेऽ	रे	ऽ	बल	मा
×				२				०			

राग - भीमपलासी, ताल - एकताल, लय - द्रुत - तराणा

तदियन रे तदियन रे तदियन रे तन
दीम् तनन दीम् तनन दीम् तनन ।
दिर दिर तानों तन देरेना
तन देरेना देरेना
तदियन रे तन दीम् तनन दीम् तनन दीम् तनन ॥

स्थाई

नि सा
त दि
४

ग रे	सा ग	म प	धध पम	प सां नि	सां नि
य न	रे त	दि य	नऽ रेऽ	त दि	य न
×	०	२	०	३	४

सां नि	ध प	प नि	—नि धप	म म	म प
रे ऽ	त न	दी ऽ	ऽम् तऽ	न न	दी ऽ
×	०	२	०	३	४

म धप	ग म	म ग	— ग रे	सा सा	नि सा
म् तऽ	न न	दी ऽ	ऽम् त	न न	त दि
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ममपप	
दिरदिर	
४	

नि –	धप म	प सां नि	सां नि	सां –	नि सां
ता ऽ	नोऽ ओम्	त न	दे रे	ना ऽ	त न
×	०	२	०	३	४

ग रे	सां –	नि सांनि	ध प	प नि	सां नि
दे रे	ना ऽ	दे रे ऽ	ना ऽ	त दि	य न
×	०	२	०	३	४

सां नि	ध प	प नि	–नि धप	म म	म प
रे ऽ	त न	दी ऽ	ऽम् तऽ	न न	दी ऽ
×	०	२	०	३	४

–म प	ग म	म ग	–ग रे	सा सा	नि सा
ऽम् त	न न	दी ऽ	ऽम् त	न न	त दि
×	०	२	०	३	४

ग रे	सा
य न	रे
×	०

राग - शामकल्याण, ताल - झपताल, लय - मध्य.

सो जारे राजा तोसे गाऊं गीत
हौले हौले पलना झुलावत ।
गोरे गालोंपे कजरा की बिंदिया
लगाई हूँ मैं, किसी की नजरिया ना लागे ॥

स्थाई

	– –सा रे म॑ म॑ प
	सो जाऽरेऽ
	३

ग –	म॑रे,– सा रे म॑	म॑ प म॑,पध–	प,गम– रे सा रे म॑ म॑ प
रा ऽ	ऽऽऽ जा तोसे	गाऊं गीऽऽऽ	ऽऽऽऽ त सो जाऽरेऽ
×	२	०	३

ग –	म॑रे,– सा –	रे म॑ म॑ प निध,प	प,गम रे रे ग म॑ प
रा ऽ	ऽऽऽ जा ऽ	तोऽसेऽ गाऽऊं	गीऽऽ त हौऽलेऽ
×	२	०	३

पनि–,– –धप	प –ध म॑ प	म॑ प ग ग	म रे सासा रे म॑ म॑ प
हौऽऽऽ ऽऽऽ	ले ऽप लना	ऽझु लाऽ	ऽव त सो जाऽरेऽ
×	२	०	३

अंतरा

	रे म॑ म॑ प
	गोऽरेऽ

पनि–,– नि	सां – सां	निध पमं	प ग म रे –सा
गाऽऽऽ ऽ	लों ऽ पे	कज राऽ	की बिं दिया ऽल
×	२	०	३

म,मरे सारे,–	प,पमं मं –	प –	प – – रें
गाऽऽ ऽऽऽ	ईऽऽ ऽ ऽ	हूँ ऽ	मैं ऽ ऽकि
×	२	०	३

सां –	निध–,– पध पध	मंप गग	म रे सासा रेमंमंप
सी ऽ	कीऽऽऽ ऽन जरि	याऽ नाऽ	ऽला गे सो जाऽरेऽ
×	२	०	३

राग - शामकल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे जारे सजन मैं तोसे ना बोलूं
कछु न कहियो मोसे, रूठी हूँ मैं तोसे
अब कछु सह नहीं जाय ।
काहे रे उत्तर बनावत
बन न जाऊँ मैं तो, काहे मोहे समझाय ॥

स्थाई

— — सा सा	रे मं —मं प प	ग म रे सा सा
जा रे	जाऽ ऽरे ऽ स	जन मैं तो से
२	०	३

रे मं — पध,प —	गम रे सा सा	— रे मं —मं मं	प पमं गम रे
नाऽ ऽ ऽऽऽ ऽ	बोऽ लूं जा रे	ऽ कछु ऽन क	हि योऽ मोऽ से
×	२	०	३

— निसा —ग मरे	सारे मं प प	— रे मं —प नि	नि ध मंप ग
ऽ रूठी ऽहूं ऽऽ	ऽऽ मैं तो से	ऽ अब ऽक छु	स ह नऽ हीं
×	२	०	३

रे — मं पध,प	गम रे सा सा
जा ऽ ऽ ऽऽऽ	यऽ ऽ जा रे
×	२

अंतरा

	– – सां धनि	मंप गम रे रे	मं पनि – नि
	का हेऽ	रेऽ ऽऽ ऽ उ	त रऽ ऽ ब
	२	०	३

सां – – –	सां सां निसां मंरे	सां नि ध मं	प सांनि धनि मं
ना ऽ व त	तु म ब ऽ नऽ	न जा ऊँ मैं	तो काऽ हेऽ मो
×	२	०	३

प ग म रे	– सा सा सा
हे स म झा	ऽ य जा रे
×	२

राग - हंसकिंकिणी, ताल - रूपक, लय - मध्य.

झरत मेरे नैन आज
साच और सुंदर, तेरो रे सुनकर गान ।
सुरीले हो रसीले गायक तुम
नायक महान ॥

स्थाई

साग गम धप,ग	गुरे –सा
झऽरऽ तऽमे	रेनै ऽन
२	३

ग म नि –ध	प,धप मग,ग	मधपग –रेसा	रेसासानि – सा	ग–म धप,ग	–रे –सा
आ जझ ऽर	ऽतऽ ऽऽमे	रेऽऽनै ऽनऽ	साऽऽऽ ऽ च	औऽर ऽऽसुं	ऽद ऽ र
×	२	३	×	२	३

प प प	धपप,म मध,प	पनि– धप	धपमग – ग	साग गम धप,ग	गुरे – सा
ते रो रे	सुऽऽऽ नऽऽ	कऽऽ रऽ	गाऽऽऽ ऽ न	झऽरऽ तऽमे	रेनै ऽ न
×	२	३	×	२	३

अंतरा

– गम	–प निनि
सुरी	ऽले ऽहो
२	३

सां सां सां	पनि– सांगं–	रें सां	रेंसांसां,नि ध प	धपप,म मध,प	नि ध प प
र सि ले	गाऽऽ ऽऽऽ	य क	तुऽऽऽ ऽ म	नाऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ य कम
×	२	३	×	२	३

धपमग — ग	सागगम धप,गु	गुरे —सा
हाऽऽऽ ऽ न	झऽरऽ तऽभे	रेनै ऽ न
×	२	३

राग - मुलतानी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

सांझ भई, आलेरिया, न आये लंगर घर
न जाने कित जाय बसेरा ।
सखी जाओ जाओ ले आओ शाम
उन बिन परत नहि चैन ॥

स्थाई

			— मंग —मं पनि,सां
			ऽ सां ऽझ भऽई
			३

सां —	रेंसांसां,नि —सारेंसां निध,—	प मंप,ग	—ग —मं पनि,सां
आ ऽ	लेऽऽऽ ऽऽऽऽ रिऽऽ	ऽ ऽऽया	ऽसां ऽझ भऽई
×	२	०	३

सां —	रेंसांसां,नि सारेंध प,पध	मंप— मंग—	रेसा— — —सा
आ ऽ	लेऽऽऽ ऽ री ऽनऽ	आऽऽ ऽऽऽ	येऽऽ ऽ ऽलं
×	२	०	३

मं ग	मंप— मंग,रे सासा	प मंप	मंग — गमंमंप
ग ऽ	ऽऽऽ रऽघ र न	जा ऽऽ	ने ऽ किऽतऽ
×	२	०	३

पनि— —	सां — —गं	रेंसां रेंसांनि,धपप	ग ग —मं पनि,सां
जाऽऽ ऽ	य ऽ ऽब	सेऽ राऽऽऽऽऽ	ऽसां ऽझ भऽई
×	२	०	३

अंतरा

			—ग़ मं, प नि — नि
			ऽस खी जा ऽ ऽओ
			३

सां —	सां — सां	नि —	सां — — ग़ं
जा ऽ	ओ ऽ ऽ	ले ऽ	आ ऽ ऽओ
×	२	०	३

रें सा— निसां—	निध़— प पध़पप	मंग़— —	रेंसा— — —सा
श्राऽऽ ऽऽऽ	मऽऽ ऽ उऽनऽ	बिऽऽ ऽ	नऽऽ ऽ ऽप
×	२	०	३

मं ग़	मं प नि	सां रेंसांनि,ध़पप	ग़ ग़ —मं पनि,सां
र ऽ	त न हि	चै नऽऽऽऽऽ	ऽसां ऽझ भऽई
×	२	०	३

राग - श्री, ताल - झपताल, लय - मध्य.

लगत सांझ उदास
पिहरुवा, घर मोहे तोरे बिन ।
कह गयो आवत तू तो
अब तक काहे ना आयो ॥

स्थाई

			– – ग रेसा
			ऽल गत
			३

प –	धपप,रे –रे –रे	रेप – मं–पध	मंग रेग रेसा
सां –	झऽऽऽ ऽऽ ऽउ	दाऽऽ ऽऽऽ	सऽ ऽपि हरु
×	२	०	३
रे –	रे–रे पप निसां–निसांरें	रेंप– मंप–मंपध	धरे,– –ग रेसा
वा ऽ	घऽर मोहे तोऽ ऽऽऽ	रेऽऽ बिऽऽऽऽ	नऽऽ ऽल गत
×	२	०	३

अंतरा

			– –मंमं –पनिसां
			– कह ऽगऽयो
			३

सां –	सां – सां	रेंसांसांनि,नि सांरेंनिध	निध प,पप –पधपप
आ ऽ	व ऽ त	तूऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	तोऽ ऽअब ऽतऽकऽ
×	२	०	३

रें —	रेंप— निसां—निसांरें	रेंप— मंप—मंपध	ध रें— — ग रेंसा
का ऽ	हेऽऽ ना ऽ ऽऽऽ	आऽ ऽऽऽऽऽ	योऽऽ ऽल गत
×	२	०	३

राग - श्री, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

सांझ परी आयो,
परी ना आयो पिहरुवा मोरा ।
आवो रे आवो
धीर ना रहत अब पिहरुवा मोरा ॥

स्थाई

ग –	– रे	सा सा
सां ऽ	ऽ झ	प री
०	३	४

प –	– –	– रे	प प	– मंप	मंपधु –
आ ऽ	ऽ ऽ	ऽ यो	प री	ऽ नाऽ	ऽऽऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

धुरे –	– रे	– रे	रे –	रे रे	– रे
आऽ ऽ	ऽ यो	ऽ पि	ह –	रु वा	ऽ मो
×	०	२	०	३	४

प –	– धुपप	रे –	ग –	– रे	सा सा
रा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सां ऽ	ऽ झ	प री
×	०	२	०	३	४

अंतरा

मं –	– पनि	सांरें रें
आ ऽ	ऽ वोऽ	ऽऽ रे
०	३	४

र्ऐ —	— सां	— —	र्ऐ नि	— ध	प प
आ ऽ	ऽ वो	ऽ ऽ	धी र	ऽ ना	ऽ र
×	०	२	०	३	४

प —	प प	— प	प प	प धपप	रे रे
छ ऽ	त अ	ऽ ब	पि ह	रु वाऽऽ	ऽ मो
×	०	२	०	३	४

प —	— धपप	रे —	ग —	— रे	सा सा
गा ऽ	ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	सां ऽ	ऽ झ	प री
×	०	२	०	३	४

राग - मारवा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

घर न आयो शाम जिया डर लागे
उन बिन चैन ना मोहे ।
होवन लागी सांझ ग्वाल सब आये
बाल सब आये, संग ना आयो शाम
उन बिन चैन ना मोहे ॥

स्थाई

म॑	धध म॑ग रे॒सा सा
घ	रऽ नऽ आऽ यो
	३

सा – सा ऩिरे॒	ऩि ध़ ध़ ऩिरे॒	रे॒ – रे॒ , सा	सा सा ध ध
शा ऽ म जिऽ	या ऽ ड रऽ	ला ऽ गे , उ	न बि ऽ न
×	२	०	३

धम॑ गरे॒ रे॒ग म॑ध	– म॑ – ग	– रे॒ सा , म॑	धध म॑ग रे॒सा सा
चैऽ ऽऽ नऽ ऽऽ	ऽ ना ऽ मो	ऽ हे ऽ , घ	रऽ नऽ आऽ यो
×	२	०	३

अंतरा

रें॒ रें॒	निरें॒ निध म॑ ध
होऽ	वऽ नऽ लागी
	३

सां – सां ध	निरें रें रें रें	रें रें निनि ध ; ध	मं ध मं ग
सां ऽ झ ग्वा	ऽऽ ल स ब	आऽ ऽऽ ये , या	ऽ ल स ब
×	२	०	३

रे – रे ग	मं ध मं ग	रे – सा सा	सा सा साध ध
आ ऽ ये सं	ग ना आ यो	शा ऽ म उ	न बि ऽ ऽ न
×	२	०	३

धमं ग रे रेग मंध	– मं – ग	– रे सा मं	धध मंग रेसा सा
चैऽ ऽऽ नऽ ऽऽ	ऽ ना ऽ मो	ऽ हे ऽ घ	रऽ नऽ आऽ यो
×	२	०	३

राग - मारवा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सब मिल आओ रे गाओ आज
नयो राग नयो ताल सुंदर अंग सुनाओ रे ।
चहुँ ओर सूर नाद गूंजत
नयो राग नयो ताल
आनंद देत मना ॥

स्थाई

रेग –ग म म ध	ध ध निरें निध
सऽ ऽब ऽ मिऽ	ल आ ओऽ रेऽ
०	३

ध – म –	ग – रेसा सा	सा सा – ध	– ध ध निरें
गा ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ आऽ ज	न यो ऽ रा	ऽ ग न योऽ
×	२	०	३

नि ध – ध	सां – – सां	– सां नि –	रें नि ध ध
ऽ ता ऽ ल	सुं ऽ ऽ द	ऽ र अं ऽ	ऽ ग ऽ सु
×	२	०	३

ध – म –	ग – रेसा –
ना ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ रेऽ ऽ
×	२

अंतरा

ग ग – मध	– ध ध निरें			
च हुँ ऽ ओऽ	ऽ र सू रऽ			
०	३			

रें – नि ध	सां – सां सां	रें नि – ध	– ध रें नि
ना ऽ ऽ द	गूं ऽ ज त	न यो ऽ रा	ऽ ग न यो
x	२	०	३
– ध – ध	सां – – सां	– सां नि –	रें नि – ध
ऽ ता ऽ ल	आ ऽ ऽ ने	ऽ द दे ऽ	ऽ त ऽ म
x	२	०	३

रेंनि धम धनि रें	– निध मग रेंसा
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
x	२

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - विलंबित.

बता देवो कैसे मैं कैसे समझाऊं
समझत नाही मोसे, पिया रे ।
तुम बिन कासे नाहीं प्रीत
राखोना संदेहा मन, पिया रे ॥

स्थाई

मंधनिसां	नि धपपमं,ध	–धनिसां–	निनिध,पप	
बतादेवो	कै सेऽऽऽमैं	ऽकैसेऽऽ	ऽसऽऽम	
	३			

प	–मंप	ग	रेमंगपमंध,ग	प	मं,पध	ध	–,मंप,ग
झा	ऽऽऽ	ऊं	सऽमऽझऽत	ना	ऽऽऽ	ही	ऽमोऽसे
×				२			

रेमंगपमंधप–	मंग,–रेग,–	रेसा	मंधनिसां
पिऽयाऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ	ऽरे	बतादेवो
०			

अंतरा

पप	मंध–,–	मंप,ग	–,मंध	–सां,सां
तुम	बिऽऽऽ	ऽऽन	ऽकासे	ऽनाहीं
	३			

रें सां	–,–निसां	सां	–नि,ध	|	नि,–ध	–ध,निसांनि–	नि,धप	पप	|
प्री	SSSS	त	Sराखो	|	नाSS	S सं दे S S	हाSS	मन	|
×					२				

प,धनिध–	प,मंप–	ग	मंधनिसां	|
पियाSSS	S S S	रे	बतादेवो	|
०				

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

पिहरुवा आजा रे
बेगि बेगि आओ मोरे मंदरवा ।
आजा रे आजा तू आवन जा
तोरे दरस बिन मेरो मन तरफत
बेगि बेगि आओ मोरे मंदरवा ॥

स्थाई

— — — ग	मं ध नि —
पि	ह रु वा ऽ
०	३

नि — धनि ध	धपप मं ध नि	निध पमं ग , मं	प मं — ग
आ ऽ ऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ आ जा	रेऽ ऽऽ ऽ , बे	गि बे ऽ गि
×	२	०	३
मं मं ग रे ग ग	रे मं गमं मंध धनि	— सांनि धप , ग	मं ध नि —
आऽ ओऽ मो रे	मंऽ ऽऽ दऽ रऽ	ऽ वाऽ ऽऽ , पि	ह रु वा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — मं	ध निध पमं ध
आ	जा रेऽ ऽऽ आ
०	३

सां – सां –	ध निरें नि ध	सांनि – ध प म॑	ध नि नि नि
जा ऽ तू ऽ	आ ऽऽ व न	जाऽ ऽऽऽ ऽ तो	रे द र स
×	२	०	३

ध निसांनि– प धनिध–	म॑ प म॑ ग	म॑म॑ गरे ग म॑	प म॑ – ग
लि नऽऽऽ मे रोऽऽऽ	म न त र	फऽ ऽऽ त वे	गि वे ऽ गि
×	२	०	३

म॑म॑ गरे ग ग	रेम॑ गम॑ म॑ध धनि	– सांनि धप , ग	म॑ ध नि –
आऽ ओऽ मो रे	मंऽ ऽऽ दऽ रऽ	ऽ वाऽ ऽऽ , पि	ह रु वा ऽ
×	२	०	३

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मोरा रे मंदरवा आज
करत बरस गुनीजन सूर-ताल ।
मंदर चहुँ ओर गूंज उठत सूर
भेदाभेद करत गुनी सूर-ताल ॥

स्थाई

		ग –मंनि ध धपपमं	– ध नि ध
		मो ऽराऽ ऽ रेऽऽऽ	ऽ मं द र
		०	३
नि – – –	– निध पमं ग	प –धनि ध धपपमं	– ध नि ध
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ आऽ ऽऽ ज	मो ऽराऽ ऽ रेऽऽऽ	ऽ मं द र
×	२	०	३
नि – धनि सांनि	निध पमं ग मं	मंग –रे सा नि	ध –मं – रे
वा ऽ आऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ज क	र ऽत ऽ ब	र ऽस ऽ गु
×	२	०	३
ग मं ध ध	निसांनि– –निध प प	ग –मंनि ध धपपमं	
नी ज न सू	रऽऽऽ ऽताऽ ऽ ल	मो रा ऽ ऽ रेऽऽऽ	
×	२	०	

अंतरा

ग ग ग मे	ध धनि सां सां
मं द र च	हुँ ओंऽ ऽ र
०	३

सां — सां सां	नि रें सां सां	नि —रें गं गंरें	सांनि ध निध पमे
गूं ऽ ज उ	ठ त सू र	भे ऽदा ऽ भेऽ	ऽ ऽ द कऽ रऽ
×	२	०	३

रेंग मे ध ध	निसांनि- — निध प प	ग —मेनि ध धपपमे	— ध नि ध
तऽ गु नी सू	र ऽ ऽ ऽ ताऽ ऽल	मो ऽ रा ऽ ऽरेऽऽऽ	ऽ मं द र
×	२	०	३

राग - पूरिया कल्याण, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

अंधियारा कर दो उजाला गुरुजी
दीज्यो ग्यान आयो तोरे द्वार ।
कैसे पाऊं तुम बिन ग्यान
अन्जान मैं आयो तोरे द्वार ॥

स्थाई

— — सां सांनि	धनि —,धपप मं ध	निसां,नि निध,प — प
अं थिऽ	याऽ ऽराऽऽ ऽ क	र ऽ ऽ दोऽऽ ऽ उ
२	०	३

प — प निध	मं नि सां सांनि	धनि —,धपप मं ध	निसां,नि निध,प — प
जा ऽ ला गुऽ	रु जी अं थिऽ	याऽ ऽराऽऽ ऽ क	र ऽ ऽ दोऽऽ ऽ उ
×	२	०	३

प — प —	— — मं — ध	नि मं — मं	ध नि सां नि
जा ऽ ला ऽ	ऽ ऽ दी ऽज्यो	ऽ ग्या ऽ न	आ यो तो रे
×	२	०	३

प —,धनि ध पप	मं ध
द्वा ऽऽऽ ऽ ऽ	ऽ र
×	२

अंतरा

— — नि धनि	मं — मं — ध	मं धनि सारें सां
कै सेऽ	पा ऽऊं ऽ तु	म बिऽ ऽऽ न
२	०	३

सां – – –	सां – , नि धनि	मं – मं – ध	मं धनि सारें सां
ग्या ऽ ऽ ऽ	न ऽ , कै सेऽ	पा ऽऊं ऽ तु	म बिऽ ऽऽ न
×	२	०	३

सां – मं –	मं ध नि रेंनि	निध मं – ध	ध निरें नि नि
ग्या ऽ न ऽ	अं ऽ जा ऽऽ	नऽ मैं ऽ आ	यो ऽऽ तो रे
×	२	०	३

प –धनि ध पप	मं ध सां सांनि
द्वा ऽऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ र अं घिऽ
×	२



रात्रि के राग

राग - यमन, ताल - रुपक, लय - मध्य.

रे कैसे जानूं मनवा मैं तोरा
बोलोना, बोलोना, पिहरुवा मोरा ।
बोलन बिन कैसे जानूं मैं पियारे
जो है सो बोलो, पिहरुवा मोरा ॥

स्थाई

ऩिग,रे –	–ऩि रे
रेऽऽ ऽ	ऽकै से
२	३

ग – ग	ग मंनि–	प –रे	मंग–रे ऩिरे– सा	सा ऩि ध़	–ऩिरे –रे
जा ऽ नू	म नऽऽ	वा ऽमैं	तोऽऽ ऽऽऽ रा	बो लोऽ	ना ऽ ऽबो
×	२	३	×	२	३

ग मं ध प –मं– ग रे	सां –निध	–मं –रे	मंग–रे ऩिरे– सा
लोऽऽऽ ऽ नाऽ	पि ऽहऽ	रु ऽवा	मोऽऽ ऽऽऽ रा
×	२	३	×

अंतरा

– मं ग	–मं सां ध
बोलन	ऽबि न
२	३

सां – सां	– धनि	–रें –गं	गंरेंसांसां –निध पमं,ग	ग –	–ग मंध,पप
कै ऽ से	ऽ जानूं	ऽमैं ऽपि	याऽऽऽ ऽरेऽ ऽऽऽ	जो ऽ	ऽहै ऽऽसोऽ
×	२	३	×	२	३

रे गमं–ग रे	सां –निध	–मं –रे	मंग–रे निरे– सा
बो ऽऽऽऽ लो	पि ऽहऽ	ऽरु ऽवा	मोऽऽऽ ऽऽऽ रा
×	२	३	×

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रंगरेजुवा रंगा दे चिरा
आज मैं तो सासन घर चली जायो रे ।
ऐसो रंग दीजो सोहे मोहे अंग
पिया मिलन चली जायो, सासन घर ॥

स्थाई

| – – प मे | रे गमे ग रे नि़ | रे ग – मे |
| रं ग | रे जुऽ वाऽ रं | गा दे ऽ चि |
२ ० ३

| ग – – – रे | नि़ ^ग रे – प मे | रे गमे ग रे नि़ | रे ग – मे |
| रा ऽ ऽ ऽऽ | ऽ ऽ ऽ रं ग | रे जुऽ वाऽ रं | गा दे ऽ चि |
× २ ० ३

| ग – – – | पध पमे गरे रे | नि – प प | रे रे ग मेध |
| रा ऽ ऽ ऽ | आऽ जऽ मैंऽ तो | सा ऽ स न | घ र च लीऽ |
× २ ० ३

| प –मे गरे – | सा – प मे |
| जा ऽऽ योऽ ऽ | रे ऽ, रं ग |
× २

अंतरा

| मे धमे ध नि | निध पमे ग मे | – ध नि ध |
| ऐ सोऽ रं ग | दीऽ ऽऽ जो सो | ऽ हे मो हे |
२ ० ३

सां – – सां	नि रें – गं रें	सांनि ध निरें नि ध	मं – ग रे रे
अं ऽ ऽ ग	पि या ऽ मिऽ	लऽ न चऽ लीऽ	जा ऽ योऽ ऽ
×	२	०	३

प –मं मंग– ग रे	सा सा प मं
सा ऽऽ स ऽ नऽ	घ र रं ग
×	२

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे जा लेता जा संदेसा मोरा
पिहरुवा जो देसा भँवरा रे।
मिले जो पिया तोहे रे
हलिया बता दीजो भँवरा रे॥

स्थाई

			– – प मं
			जा रे
			३

ग – पध पमं	रे – रे गमं,ग	– गमं,ग –रे नि़	रे – ध ध
जा ऽ लेऽ ताऽ	जा ऽ सं देऽऽ	ऽ साऽऽ ऽऽ मो	रा ऽ पि ह
×	२	०	३
ध नि़रे – रे	– प मं रे ग	– निध प –	रे ग प मं
रु वाऽ ऽ जो	ऽ दे ऽ साऽ	ऽ भँव रा ऽ	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

अंतरा

			– निध पमं ध
			मिऽ लेऽ जो
			३

सां — — —	नि़ध — नि रें	गंरें सांसां — —	— नि़ध सां सां
पि ऽ ऽ ऽ	याऽ ऽ तो हे	रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ह लि
×	२	०	३

नि़ध पम॑ रे रे	— ग रे ग	— नि़ध प —	रे ग प म॑
याऽ ऽऽ ब ता	ऽ दी ऽ जो	ऽ भँव रा ऽ	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

राग - यमन, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा)

देर्ना तदारे दानी, तारे दानी
दानी दानी, देरेना देरेना तारे दानी
तन तादानी, तन तादानी, तन तादानी ।
तदरे दानी तारे दानी
तदरे दानी तारेदानी, दानी दानी
देरेना देरेना तारे दानी
तन तादानी, तन तादानी, तन तादानी ॥

स्थाई

ऩिग रे सा सा	ऩि रे – रे
देऽ ऽ र्नां ऽ	त दा ऽ रे
०	३

ग – ग –	प म॑ रे रे	म॑ग – ग रेसा	– सा ऩि ध़
दा ऽ नी ऽ	ता रे दा नी	दाऽ ऽ नी दाऽ	ऽ नी दे रे
×	२	०	३

– ऩि रे –	रे रे – ग	– पध पम॑ रे	– रे म॑ ध
ऽ ना ऽ ऽ	दे रे ऽ ना	ऽ ताऽ रेऽ दा	ऽ नी त न
×	२	०	३

सांरें सांनि निध म॑	– म॑ – रे	ग म॑ध पम॑ म॑ग	– रे – रे
ताऽ ऽऽ ऽऽ दा	ऽ नी ऽ त	न ताऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२	०	३

ऩि रे गम॑ ग	रे सा – सा
त न ताऽ ऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२

अंतरा

– निध पम॑ ध
ताऽ दऽ रे
३

सां – – –	नि ध नि रें	गं रें सांसां –नि धप	– निध पम॑ ध
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ता रे	दाऽ ऽ ऽ ऽऽ नीऽ	ऽ तऽ दऽ रे
×	२	०	३

सां – सां –	ध नि रें रें	गं –रें – सां	– सां सां –ध
दा ऽ नी ऽ	ता रे दा नी	दा ऽनी ऽ दा	ऽ नी दे ऽरे
×	२	०	३

नि प – –	रे रे – ग	– पध पम॑ रे	– रे म॑ ध
ऽ ना ऽ ऽ	दे रे ऽ ना	ऽ ताऽ रेऽ दा	ऽ नी त न
×	२	०	३

सारें सांनि निध म॑	– म॑ – रे	ग म॑ध पम॑ म॑ग	– रे – रे
ताऽ ऽऽ ऽऽ दा	ऽ नी ऽ त	न ताऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२	०	३

ऩि रे गम॑ ग	रे सा – सा
त ऽ ताऽ ऽ	ऽ दा ऽ नी
×	२

राग - बिहाग, ताल - झपताल, लय - मध्य.

दरस कैसे पाऊँ, तोरे.
महादेव, आदिदेव,
ध्यान करूँ कैसे ।
मुंडमालधारी कर शूलधारी
समझत नाहीं, ध्यान करूँ कैसे ॥

स्थाई

सां	नि धप–	धनिध,प मंग,म प म
द	र ऽऽऽ	सऽऽऽ ऽऽऽ कैसे
	०	३

ग ग	रेसा,– सा,मग पसां	नि धप–	धनिध,प मंग,म प म
पा ऽ	ऽऽऽ ऊँतोऽ रे द	र ऽऽऽ	सऽऽऽ ऽऽऽ कैसे
×	२	०	३

ग ग	रेसा– सा साम	ग रेसा–	प मंग– ग
पा ऽ	ऽऽऽ ऊँ ऽम	हा ऽऽऽ	दे ऽऽऽ व
×	२	०	३

गमगमपध ग,मपम	ग रेसा– सा	सागमप मंध,गमग	प – –निसारेंसां
आऽऽऽऽऽ ऽऽऽदि	दे ऽऽऽ व	ध्याऽऽऽ ऽऽऽऽऽ	न ऽ ऽकऽऽऽ
×	२	०	३

नि धपप,ग	गमपम,ग रेसा–मग पसां	नि
रूँ ऽऽऽऽ	कैऽऽऽसे ऽऽतोऽ रे द	र
×	२	०

अंतरा

—ग म,पनि —नि
ऽमुं डमाऽ ऽल
३

सां सां	सां निध सरिंसांसां	नि धप—	पग म,धपप —म	
धा ऽ	री कर शूऽलऽ	धा ऽऽऽ	रीस मझऽऽ ऽत	
×	२	०	३	

ग —	रेसा,— सा —	सामगप मंध,गमग	प — —,निसारिंसां	
ना ऽ	ऽऽऽ हीं ऽ	ध्याऽऽऽ ऽऽऽऽऽ	न ऽ ऽकऽऽऽ	
×	२	०	३	

नि धपप,ग	गमपम,ग रेसा—,मग पसां	नि
रूँ ऽऽऽऽ	कैऽऽऽसे ऽऽऽतोऽ रे द	र
×	२	०

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

पिया मोरा मनवा लरजे
मिलन कैसे आऊँ अब घन गरजे ।
चहुँ ओर करे शोर कोयलिया
जियरा घबरावे, अब घन गरजे ॥

स्थाई

– – प पम॑	गमग –गरे सा सा	ग म प नि
पि याऽ	मोऽऽ ऽराऽ ऽ म	न वा ल र
२	०	३

सां – नि –	धप – साम गप	म॑ध ग मग प	– प निध प
जे ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ मिऽ लऽ	नऽ कै सेऽ आ	ऽ ऊँ आऽ ब
×	२	०	३

– ग म ग	गरे सा प पम॑
ऽ घ न ग	रऽ जे पि याऽ
×	२

अंतरा

– – पनि धनि	प – प ग	म पनि नि नि
चऽ हुँऽ	ओ ऽ र क	रे शोऽ ऽ र
२	०	३

सां – सां गं रें	सां – साम गप	मंध ग मग प	– प निध प
को ऽ य लिऽ	या ऽ जिऽ यऽ	राऽ घ बऽ रा	ऽ वे अऽ ब
×	२	०	३

– ग म ग	गरे सा प पमं
ऽ घ न ग	रऽ जे पि याऽ
×	२

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मेरो लाल घर आजा रे तुम
दीजो दरस परत नहीं चैन ।
रैन दिन याद आवत, पियारे
तोरे मिलन तरसे जियरा ॥

स्थाई

— — प नि
मे रो
३

सां — — नि	धप — पनि धनि	पध पप — ग	— म गरे सा
ला ऽ ऽ ल	ऽऽ घऽ रऽ	आऽ ऽऽ ऽ जा	ऽ रे तुऽ म
×	२	०	३
सा — ग — म	प प पनि सारें	सांसां पध प प ग	— म प नि
दी ऽजो ऽ द	र स पऽ रऽ	त ऽ नऽ हिऽ चै	ऽ न मे रो
×	२	०	३

अंतरा

— — — रेंसां	निध पप गम पनि
रैऽ	ऽऽ नऽ दिऽ नऽ
०	३

सां – – –	प – प नि	सांगं रें सां निध	प –मं गम ग
या ऽ ऽ ऽ	द ऽ आ व	तऽ ऽ ऽ पिऽ	या ऽऽ रेऽ ऽ
×	२	०	३

सा –ग – म	प प पनि सांरें	सां – पध पप	ग म प नि
तो ऽरे ऽ मि	ल न तऽ रऽ	से ऽ जिऽ यऽ	रा ऽ मे रो
×	२	०	३

राग - बिहाग, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

अब कारी करूं
तोरे बिन जिया घबरावे ।
बेगी आवो रे आवो
बैठी हूँ अकेली,
तोरे बिन जिया तरसाए ॥

स्थाई

म॑ प
अ ब
४

ध ग	— प	— म	ग —	रेसा —	सा ऩि
का ऽ	ऽ री	ऽ क	रू —	ऽऽ ऽ	तो रे
×	०	२	०	३	४

सा म	ग प	म॑ प	प म॑	म ग	म॑ प
बि न	जि या	घ ब	रा ऽ	ऽ वे	अ ब
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग म
बे गी
४

प नि –	– सां	– नि	ध नि	प ग	– म
आऽ ऽ	ऽ वो	ऽ रे	आ ऽ	वो बै	ऽ ठी
×	०	२	०	३	४

धप पम	म ग	– –	सा –	– –	सा म
ढूँऽ ऽऽ	अ के	ऽ ऽ	ली ऽ	ऽ ऽ	तो रे
×	०	२	०	३	४

ग प	प नि	नि सां	प मं	म ग	मं प
बि न	जि या	त र	सा ऽ	ऽ ये	अ ब
×	०	२	०	३	४

राग - बिहाग, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

तानों तारे दानी
तदरे तदरे दानी, दानी ।
रे तदरे दानी तारे दानी
तदरे तदरे दानी, दानी ॥

स्थाई

				– – – ग	म निध प –		
				ता	ऽ ऽऽ नों ऽ		
				०	३		
प – – –	– – प मे	ग मे ग – प	मे ग – प				
ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	दाऽ नी ऽ त	द रे ऽ त				
×	२	०	३				
म ग – सा	– सा निसां निसां	धनि प – ग	म निध प –				
द रे ऽ दा	ऽ नी दाऽ ऽऽ	ऽऽ नी ऽ ता	ऽ ऽऽ नों ऽ				
×	२	०	३				

अंतरा

– – – निमे	प ग म प
रेऽ	ऽ त द रे
०	३

नि — — —	सां — सांरें सांसां	नि ध प प	सां नि — मं
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ताऽ रे ऽ	दा ऽ नी त	द रे ऽ त
×	२	०	३

ध प — ग	म ग निसां निसां	धनि प — ग	म निध प —
द रे ऽ दा	ऽ नी दाऽ ऽ ऽ	ऽऽ नी ऽ ता	ऽ ऽऽ नों ऽ
×	२	०	३

राग - शंकरा (ख्याल), ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

दरसन दीजो आज महादेव
चरनकमल पर सीर तेरो ।
आयो तोरे मंदर, लेत तेरो नाम
सुनलो पुकार
पूरन करो मन की आस ॥

स्थाई

– – – पनि	सां, सांगरें– रेंसांसां,– निधपपग– प–सारें, सांसां,–
दर	सऽऽऽऽ नऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ ऽऽदीऽ जोऽऽ
०	३

नि – निसांनि–,– धप–,–	– पधपप ग,–प रेग–,–
आ ऽ जऽ ऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽ मऽहाऽ ऽऽऽ देऽऽऽ
×	२

–,–रेसा सा सा सापगप	साप –,–पग – –,गप
ऽ ऽऽऽ व ऽ चऽरऽ	न ऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽकऽ
०	३

पनि,नि –ध निसांनि –,– धप–,–	–,गप पनि,नि –,–धप सां
म ऽऽ ऽऽ लऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽपऽ रऽऽ ऽऽऽऽ सी
×	२

धपपग,– गग पधपगगग –,–रेसा	साग– गप,– सां,–निधपपग प– सारें, सांसां,–
रऽऽऽऽ तेऽ ऽऽऽरोऽऽ ऽऽऽऽ	दऽऽ रऽऽ सऽऽनऽऽऽ ऽऽ दीऽ जोऽऽ
०	३

अंतरा

| – –,रेंसांनिध पपग–,प –नि,नि |
| ऽआऽऽऽ ऽऽऽऽयो ऽतोरे |
| ३ |

सां – निसां–,सां सां	– निध –सारें,सांसां– नि
मं ऽ ऽऽऽद र	ऽ लेत ऽतेऽरोऽऽ ना
×	२

धप–,– प पग–,– –	गग गपपनिनिसांसांगं –रेंसांसांनि धपपग,गप
ऽऽऽऽ म ऽऽ ऽ ऽ	सुन लोऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽपुऽ
०	३

रेग,– रेसा–,– सा सापगम	साप –,–पग –,गप पनिनि, धप
काऽऽ ऽऽऽऽ र पूऽरऽ	नऽ ऽऽऽऽ ऽकऽ रोऽऽऽऽ
×	२

| गप सां धपपग,–प रेग–,रेसा– |
| मन की आऽऽऽऽऽ सऽऽऽऽऽ |
| ० |

| धपपगरे,सा– निधपपगरे,सा– सां,निधपपग प–सारें,सांसां |
| दऽऽऽऽऽऽ रऽऽऽऽऽऽऽ सऽऽनऽऽऽ ऽऽदीऽजोऽ |
| ३ |

राग - शंकरा, ताल - रुपक, लय - मध्य.

डम डमत डमरू बाजे
हाथ सूल साजे
सीस गंगा बिराजे ।
शीतल भालचंद्र
नररूंड गले माल
शंकर हरदानी, पशुपत साजे ॥

स्थाई

— —प | —प गग |
डम् | ऽड मत |
२ | ३

प प प | धपप,ग ^प रेग,ग | गग पधपप | रेग,— रेसा,— सा | ^प ग पनि | —सां —गरें |
ड म रू | वाऽऽऽ जेऽहा | ऽथ सूऽलऽ | साऽऽ ऽ ऽ जे | सी सगं | ऽगा ऽबिऽ |
× | २ | ३ | × | २ | ३

सां सां निसांनिधा रिंसां | निधपप,ग ग प | —प गग |
रा ऽ ऽऽऽऽऽऽऽ | ऽऽऽऽऽ जे,डम् | ड मत |
× | २ | ३

अंतरा

| निधपप गप | पनि —नि |
| शीऽऽऽ ऽत | लभा ऽल |
२ | ३

सां – सां	नि ध	–नि –सां	–रें सांनि धप.प	–ग	गग पधपप	
चं ऽ द्र	न र	ऽरू ऽड	ऽग लेमा ऽऽल	ऽशं	कर हऽरऽ	
×	२	३	×	२	३	

रेग– रेसा– सा	– गप	–नि –नि	सां सां निसांनिधनिरेंसांनि
दाऽऽ ऽऽऽ नी	ऽ पशु	ऽप ऽत	सा ऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽ
×	२	३	×

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रिझाऊँ कैसे रिझाऊँ
सूर ना लगत सुनाऊँ कैसो अब ।
सभा देख डर लागे
ग्यानी और गुनीजन बैठे
सूर ना लगत सुनाऊँ कैसो अब ॥

स्थाई

नि सां रें सां नि ध प प	ग प नि नि
रि ऽ ऽ ऽ झा ऽ ऽ ऽ	ऊँ कै से रि
०	३

सां – – नि	नि नि सां रें सां	सां – नि ध प प	ग प नि नि
झा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऊँ	रि झा ऽ ऽ ऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

सां – नि ध पप	ग रे सानि सा सा	नि –सा – – प	ग – प – नि
झा ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऊँ सू	र ऽ ना ल	ग त ऽ सु
×	२	०	३

धनि – सां रें सां	– नि ध पप ग	निसां रेंसां निध पप	ग प नि नि
ना ऊँ ऽ कै	ऽ सो ऽ अऽ ब	रिऽ ऽ ऽ झाऽ ऽऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

अंतरा

प धध ग प	– प नि नि
स भाऽ ऽ दे	ऽ ख ड र
०	३

सां – – नि	धनि – सां –	प ध ध ग प	– प नि नि
ला ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ गे ऽ	स भा ऽ ऽ दे	ऽ ख ड र
×	२	०	३
सां – सां –	पनि सांगं गंरें सां	– रेंसां निध पप	–प सां निध
ला ऽ गे ऽ	ग्याऽ ऽऽ नीऽ ऽ	ऽ औऽ ऽऽ रऽ	गु नी जऽ
×	२	०	३
प गप रेग –	सा – – सा	ऩि –सा – –प	ग –प – नि
ऽ नऽ बैऽ ऽ	ठे ऽ ऽ सू	र ऽना ऽ ऽल	ग ऽत सु
×	२	०	३
धनि –सां रें सां	– निध पप ग	सां – निध पप	ग प नि नि
नाऽ ऽऊँ ऽ कै	ऽ सोऽ अऽ ब	रि ऽ झाऽ ऽऽ	ऊँ कै से रि
×	२	०	३

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

आन परी मैं तो चरनपर तेरो
कीज्यो कृपा तुम मोपे परमेश ।
सब गुनसागर तुम
माँगत मैं गुन दीज्यो परमेश ॥

स्थाई

– – – सां रें	सांनि धप गरे सा		
आऽ	ऽऽ नऽ पऽ री		
०	३		

प – ग सा	ग प नि सां	सां – नि धप निध	पप ग – गप
मैं ऽ तो च	र न प र ते	ऽ ऽ रो ऽ की ऽ	ऽऽ ज्योऽ कृऽ
×	२	०	३
रेग – सा ग	ग प निसां गरें	सां –नि धप सारें	सांनि धप गरे सा
पा ऽ तु म	मो पे पऽ रऽ	मे ऽ श ऽ आऽ	ऽऽ नऽ पऽ री
×	२	०	३

अंतरा

– – – ग	प नि – नि
स	ब गु ऽ न
०	३

सां — निध पप	ग — प नि	सां — सां निध	पप ग — प
सा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ग र	तु ऽ म माँऽ	ऽऽ ग ऽ त
×	२	०	३

रेग — सा ग	ग प निसां गरें	सां —नि धप सांरें	सांनि धप गरे सा
मैंऽ ऽ गु न	दी ज्यो प ऽ रऽ	मे ऽऽ शऽ आऽ	ऽ ऽ नऽ पऽ री
×	२	०	३

राग - शंकरा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बलमुवा मैं कैसे आऊँ
भई बैरन पायलिया
कैसे समझाऊँ ।
झनकार करो ना तू पायल
करत अरज कित समझाऊँ
कैसे समझाऊँ बलमुवा ॥

स्थाई

— — नि सां	निध निप — नि	ध सांनि —,निध प
ब ल	मुऽ ऽवा ऽ मैं	ऽ कैऽ ऽसेऽ ऽ
२	०	३

प — — —	प — नि नि	नि सारें सां सां	— निध पप गग
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ ब ल	मु ऽऽ वा मैं	ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ
×	२	०	३

प — — —	प — प ध	ग प — ग	ग ग पध पप
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ ब ल	मु वा ऽ भ	ई बै रऽ नऽ
×	२	०	३

ग — — —	रेंसा — साप गप	ग प — पनि	नि नि सांगं रेंगं
पा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ यऽ लिऽ	या ऽ ऽ कैऽ	ऽ से स ऽ मऽ
×	२	०	३

सां — निध पप	ग — नि नि	सांगं रेंसां — सां	— निध पप गग
झाऽ ऊँऽ ऽऽ	ऽऽ ब ल	मुऽ ऽवा ऽ मैं	ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — पनि सारें	रेंसां निध पप ग	प नि — नि
झऽ नऽ	काऽ ऽऽ रऽ क	रो ना ऽ तू
२	०	३

सां — — —	सां — पनि सारें	रेंसां निध पप सां	निध पप ग प
पा ऽ ऽ ऽ	यल ऽ झऽ नऽ	काऽ ऽऽ रऽ क	रोऽ नाऽ ऽ तू
×	२	०	३

सां — — —	सां — प नि	ध — सारें सां सां	नि — ग ग
पा ऽ ऽ ऽ	यल ऽ क र	त ऽ अऽ र ऽ	ज ऽ कि त
×	२	०	३

ग गप रेग —	— — रेसा —	— पनि नि नि	सांगं रेंगं सां —
स मऽ झाऽऽ	ऽ ऽऊं ऽ ऽ	ऽ कै ऽ ऽ से	सऽ मऽ झाऽ
×	२	०	३

— रेंसां निध पप	ग — नि नि	सांगं रें सां — सां	— निध पप गग
ऽ ऊंऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ब ल	मुऽ ऽ वा ऽ मैं	ऽ कैऽ ऽऽ सेऽ
×	२	०	३

राग - शंकरा, ताल - एकताल, लय - द्रुत. (तराणा).

देरेना देरेना देरेना तादानी दीम् तानोम्
तदरे दानी तादानी, तारे दानी ।
तानों देरेना रे, तादानी दीम्
तन देरेना दानी, दानी, दानी ॥

स्थाई

पप गरे	सा निध	पप ग	रेंसां निध	पप प	नि नि
देऽ रेऽ	ना देऽ	रेऽ ना	देऽ रेऽ	नाऽ ता	दा नी
×	०	२	०	३	४

सां –	– –	– –	नि नि	सांनि निध	प –
दी ऽ	ऽ ऽ	ऽ म्	ता ऽ	ऽऽ नोऽ	म् ऽ
×	०	२	०	३	४

साग गप	पध ग	– प	रेग –	– सा	– सा
तऽ दऽ	रेऽ दा	ऽ नी	ताऽ ऽ	दा	नी
×	०	२	०	३	४

नि –सां	रें प	–नि सां	ग –प	नि निध	पप ग
ता ऽऽ	ऽ रे	ऽऽ ऽ	दा ऽ ऽ	ऽ नीऽ	ऽऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां –	– निध	पप ग	प नि	– सां	रें –
ता ऽ	ऽ नोऽ	ऽऽ म्	दे रे	ऽ ना	रे ऽ
×	०	२	०	३	४

सां	—	—	रें	सां	—	गं	—	सां	रें	—	सां
ता	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	दी	ऽ	म्
×		०		२		०		३		४	

प	नि	सां	गं	—	गं	गंरें	सांनि	रेंसां	निध	पप	ग
त	न	दे	रे	ऽ	ना	दाऽ	ऽऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

—	रेंसां	निध	पप	ग	—	—	निध	पप	गरे	सा	—
	दाऽ	ऽऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	दाऽ	ऽऽ	नीऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

राग - केदार, ताल - झुमरा, (ख्याल) लय - विलंबित.

करम करतार, जगत भरतार
तू ही आधार, तूही दातार ।
ऐसो तेरो रूप निर्गुन निराकार
मिलन लागी आस हो जाऊं त्वदाकार ॥

स्थाई

| — — सां निध–, धनिधपप मंप,धनिधपप
क रऽऽ मऽऽऽऽ ऽकरऽऽऽऽऽ
३

म –,मप– – | प –मं पमं,प –पध,पप– | म –सारे – |
ता ऽऽऽऽ ऽ | र ज गऽत ऽभऽरऽऽ | ता ऽऽऽ ऽ |
× २ ०

सा – सा सारे–,सा –,धपपमं |
रऽतू ऽऽऽ ही ऽ आ ऽऽऽऽ |
३

म –मंप – | प – पप पसां,– | रेंसांसांनि –ध –नि |
धा ऽऽऽ ऽ | र तू ही ऽऽऽ | दाऽऽऽ ऽता ऽऽ |
× २ ०

पध–,– पसां निध,धनिधपप मंप,ध–पम |
ऽऽऽऽ रक रऽमऽऽऽऽ ऽक रऽऽ |
३

अंतरा

— म, म —,पधपप
ऐ सो ऽ तेऽरोऽ

सां — सां सां | धध—नि सांरें सां निध,— | निम,— —प — |
रू ऽ प ऽ | निरऽगु ननि रा काऽऽ | ऽऽऽ ऽर ऽ |
× २ ०

मम मप — —, प ध प प |
मिल नऽ ऽ ऽ लाऽगीऽ |
३

म —सारे सा | म पपनिसां, मरें सांनिधप ममप |
आ ऽऽऽ स | हो जाऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऊंत्व |
× २

सां —रेंसांसांनि ध,—नि | पध—,— पसां निध पममप,ध—पम |
दा ऽकाऽऽऽ ऽऽऽ | ऽऽऽ ऽ रक रम ऽऽऽकरऽऽ |
० ३

राग - केदार, ताल - रूपक, लय - मध्य

सब गुनि आयो मोरे मंदरवा
लय सूर की महिमा गाए ।
सब महफिलमें रंग बरसत है
नाद सूर सुन आनंद भयो मैं ॥

स्थाई

पधपप म	–प प–
सऽबऽ ऽ	ऽगु निऽ
२	३

सां – सां	प सांनिरेंसां	सां नि	नि नि ध ध प	धपप म म	–,पध पमप
आ ऽ यो	मो रेऽऽऽ	मं ऽ	द र वा	ल य	ऽ,सूऽ रऽऽ
×	२	३	×	२	३

म मरे सा	सा मग	प पसांनिरें	सां – निधप
की ऽ ऽ	म हिऽ	मा ऽऽऽऽ	गा ऽ एऽ
×	२	३	×

अंतरा

सारेंसांसां –	धपप –
सऽबऽ ऽ	मैऽ ऽ
२	३

सां सां सां	प सां	सांमरें– सां	सांसांध ध प	धपपम –म	–,पध पप
फि ल में	रं ग	ऽऽबऽ र	स त है	नाऽऽऽ –द	–सूऽ रऽ
×	२	३	×	२	३

म ^म^रे सा	सा मग	प पसांनिरें	सां – ^नि^धप– –
सु ऽ न	आ नंऽ	द भऽऽऽ	यो ऽ मैंऽऽऽ
×	२	३	×

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मत बनावो बन न जाऊँ सैंया मैं तो
काहे घर आयो देर, जानत हूँ तो ।
कौन घर जात, करत बहु बात
पीकर आए तुम, जानत हूँ तो ॥

स्थाई

सां	सांनि	निध	धर्म	धप	मम	म	मग	प	प
म	तऽ	बऽ	नाऽ	वोऽ	बऽ	न	नऽ	जा	ऊँ
		०				३			

सां	–	सांनि	निध	पर्म	प	पर्म	पर्म	पर्म	पर्म	पर्म	सांम	–	प	–	प
सैंऽ	या	ऽ	मैं ऽ	ऽऽ	तो	काऽ	हेऽ	घऽ	रऽ	आऽ	योऽ	ऽ	दे	ऽ	र
×				२				०				३			

रेंसांसां	नि	ध	सां नि	ध	प
जाऽऽ	ऽ	न	त	हूँ	तो
×				२	

अंतरा

म	–	म	प	प	सां	–	सां	पनि	निसां
कौ	ऽ	न	घ	र	जा	ऽ	त	कऽ	रऽ
		०				३			

सांमं रें– सां ध	– प सांम –	– म म प	प सां – सां
तऽ बऽ हु बा	ऽ त पीऽ ऽ	ऽ क र आ	ये तु ऽ म
×	२	०	३

रेंसांसां नि ^सां^ध नि	ध प
जाऽऽ ऽ न त	हूँ तो
×	२

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

बिराजत गंगा सिर तेरो
नाम गंगाधर अत साजे ।
कानन कुंडल कर धरे सूल
व्हियल गले माला अत साजे ॥

स्थाई

— — — म	म प — प
बि	रा ज ऽ तं
०	३

सां — निध —	पप मं पसां सारें	सां — (ध)प पध	पप मं पध पप
गं ऽ ऽऽ ऽ	गाऽ ऽ सिऽ रऽ	तें ऽ रो नाऽ	ऽऽ म गंऽ ऽऽ
×	२	०	३

म — रे सा	साम गप पसां सारें	रेंसां निध पप म
गा ऽ ध र	अऽ तऽ साऽ ऽऽ	जेऽ ऽऽ ऽऽ बि
×	२	०

अंतरा

सारें	सांसां — ध प
काऽ	ऽ ऽ ऽ न न
	३

सां – सां सां	प सां सांमं मरें	सां – धप पध	पप मं पध पप
कुं ऽ ड ल	क र धऽ रेऽ	सू ऽ लऽ ब्हिऽ	यऽ ल गऽ लेऽ
×	२	०	३

म – रे सा	साम गप पसां सारें	रेंसां निध पप म
मा ऽ ला ऽ	अऽ तऽ साऽ ऽऽ	जेऽ ऽऽ ऽऽ बि
×	२	०

राग - केदार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

तनत देरेना दानी तदानी तादानी
देर्ना देर्ना देर्ना, दीम्
दीम् तनत दीम् तनत दीम् ।
तानों तानों तदरे तारे दानी
तादानी तादानी देर्ना देर्ना देर्ना देर्ना
दीम् तनत दीम् तनत दीम् ॥

स्थाई

			– म पध पप
			त नऽ तऽ
			३

सां – – नि	निध पप – म	धनिध पपम – म	म म पध पप
दे ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	नाऽऽ ऽऽऽ ऽ दा	नी त दाऽ नीऽ
×	२	०	३

म – रे सा	म –म प प	– प ध –	ध नि म सां
ता ऽ दा नी	दे ऽर् ना दे	ऽ र्नां दे ऽ	र्नां दी म् दी
×	२	०	३

–सां ध ध ध	नि –प प प	प धनिध – पम	–
म् त न त	दीं ऽऽ त न	त दीऽऽ ऽ ऽम्	ऽ
×	२	०	३

अंतरा

	– म प –
	ला नों –
	३

सां – सां प	नि सां रें सां	नि ध प मं	म मं रें सां
ता ऽ नों त	द रे ता रे	दा ऽ ऽ ऽ	नी ता दा नी
×	२	०	३

म – रे सा	म – –म प	– –प ध –	ध नि –प प
ला ऽ दा नी	दे ऽ ऽर्ना दे	ऽ ऽर्ना दे ऽ	र्ना दे ऽर् ना
×	२	०	३

– सां – नि	ध ध नि –	प प प धनिध	पम
दीं ऽ त	न त दीं ऽ	त न त दीऽऽ	ऽम्
×	२	०	३

राग - हमीर, ताल - रूपक, लय - मध्य.

पार न लागे, यह सूरसागर
भरियो अपार ।
जो चाहे रूप और रंग लेहो
यह सूरसागर, भरियो अपार ॥

स्थाई

धपप,ग मध–	नि सां
पाऽऽऽ ऽऽ	र न
२	३

(नि)ध (नि)ध प	धपप,ग मध–	नि सां	(नि)ध (नि)ध पप	सां –धपप,ग	म रे ग
ला ऽ गे	पाऽऽऽ ऽऽऽ	र न	ला ऽ गेये	सू ऽरऽऽऽ	ऽऽ सा
×	२	३	×	२	३

मपगम रे सा	रे ग	म (नि)ध– –नि	सांनिरेंसां निधनि धपप–	धनिध धपप,ग
ऽऽऽऽ ग र	भ री	यो ऽऽ अ	पाऽऽऽ ऽऽऽ रऽऽ	ऽऽऽ पाऽऽऽ
×	२	३	×	२

मध– निसां
ऽऽऽ र न
३

अंतरा

धपप,ग मनिध–	–नि ध
जोऽऽऽ ऽऽऽ	ऽचा हे
२	३

सां सां सां	ध नि	सां रें	गंमंरें सां धप–	धपप,ग मरे–	–सा सा
रू ऽ प	औ र	रं ग	ऽऽऽ ले हो ऽ	येऽऽऽ ऽऽऽ	सू र
×	२	३	×	२	३

रें ग मप–	– गम	नि–ध –नि	रेंसां–सां नि–निध –धप–	धनिध– धपप, ग	मध– निसां
सा ग र ऽ	ऽ भरी	ऽयो ऽअ	पाऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ	र ऽ ऽ पाऽऽऽ	ऽऽ रन
×	२	३	×	२	३

राग - हमीर, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

ये घन गरजन लागे आज
मिलन कैसे आ जाउँ पिया रे ।
रे डर लागे घर मोहे
बिजली चमकत मेहा बरसे ॥

स्थाई

— —ग	म सां
— ये	ऽ ध
३	४

नि ध	— निध	पप धनि	निध प प	ग म	ध सां
न ऽ	ऽ गऽ	रऽ जऽ	नऽ लाऽ	गे आ	ज ध
×	०	२	०	३	४

ध नि	ध— धनि	सां सां	निध पप	— ग म	रे —
मि ल	न कैऽ	ऽ से	आऽ ऽऽ	ऽ जाऽ	उँ ऽ
×	०	२	०	३	४

गम धनि	सां— सारे	गम प	रेंसां निध	पप गम	रे सां
पिऽ ऽऽ	ऽ याऽ	ऽऽ ऽ	रेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽ ध
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग— मध	ध— नि—
रेऽ ऽ	डऽ रऽ
३	४

धनि सां–	– नि	ध नि	मं प	रां –	नि ध
लाऽ ऽ	ऽ गे	घ र	मो हे	बि ऽ	ज ली
×	०	२	०	३	४

निध प–	– ग	म रे	– प	गम रे–	सा –
चऽ मऽ	ऽ क	ऽ त	ऽ मे	हाऽ ऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

गम धनि	सां– सारे	गम प	रेंसां निध	पप गम	रे सां
बऽ ऽऽ	ऽ रऽ	ऽऽ ऽ	सेऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽ घ
×	०	२	०	३	४

राग - हमीर, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत (तराणा).

दानी दानी तानों तदरे दानी
तारे दानी, तन नित दानी ।
दानी दानी तानों तदरे दानी
तारे दानी, तारे दानी, तन दानी दानी ॥

स्थाई

	सां सांनि	धनि पप पप गम	रे ग म सां
	दा नीऽ	दाऽ नीऽ ताऽ नोंऽ	ऽम् त द रे
		०	३

निध – नि –	सां – सां सांनि	धनि पप पप गम	रे ग म सां
दाऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ दा नीऽ	दाऽ नीऽ ताऽ नोंऽ	म् त द रे
×	२	०	३

पप धनि ग –	– – म रे	– सा – सा	रे ग म ध
ताऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ रे	ऽ दा ऽ नी	त न नि त
×	२	०	३

नि – – सारेंसांऽ	नि ध सां सांनि
दा ऽ ऽ ऽऽऽऽ	नी ऽ दा नीऽ
×	२

अंतरा

म	रे ग म नि	ध नि सां रें
दा	नी दा नी त	नोम् त द रे
	०	३

सां – नि –	ध – प गम	रे ग म नि	ध नी सां रें
दा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी दाऽ	नी दा नी ता	नोम् त द रे
×	२	०	३

सां नि ध –	प रें सां नि	ध – प मं	रेंसां – धप
दा ऽ ऽ ऽ	नी ता रे दा	ऽ ऽ नी ता	रेदा ऽ नीऽ
×	२	०	३

ग मध ध निध	नि सां सां सांनि
त नऽ दा नीऽ	दा नी दा नीऽ
×	२

राग - शुद्ध कल्याण, ताल - रूपक, लय - मध्य.

दरसन दीज्यो तुम आज महादेव
छांड सब जगत-मोह आयो तोरे द्वार ।
परत नाहीं चैन दरस बिन मोहे
दिखा दीज्यो रूप बिलम सहे न जाये ॥

स्थाई

रे रे	–ग –प
द र	ऽस ऽन
२	३

गग,रे रेग सा	सासा रे,–सा	–,–ध़ –,प़	प पग,–प गग,रे	रे ग रे	ग,पध पपगप
दीऽऽ ऽऽ ज्यो	तु म आऽज	ऽऽम ऽहा	दे ऽऽऽऽ वऽऽ	छां डस	बजऽ गऽतऽ
×	२	३	×	२	३

गग,रे – सा	प ग प	–ध सां	सांनि,ध पर्म,गप गग,रे	रे रे	–ग –प
मोऽऽ ऽ ह	आ यो	ऽतो रे	द्वाऽऽ ऽऽऽऽ रऽऽ	द र	ऽस ऽन
×	२	३	×	२	३

अंतरा

ग,–प गग,रे	गप,ध सां
पऽऽ रऽऽ	तऽना ही
२	३

सां – सां	ध सां	रें रें गं,–पं	गंगं,रें – सां	रें सां	–,धपप ग
चै ऽ न	द र	सबि नऽऽ	मोऽऽ ऽ हे	दि खा	ऽदीऽऽ ज्यो
×	२	३	×	२	३

गग,रे – सा	ग प	पध सांसां	सांनि,ध पमंगप गग,रे	रे रे	–ग –प
रूSS S प	बि ल	मस हे न	जाSS SSSS यSS	द र	Sस Sन
×	२	३	×	२	३

राग - नंद, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

याद मैं कैसे बुझाऊं, बता देओ सैंया ।
पूछत मैं तोसे रे अब
बोलत नाहीं का रे सैंया ॥

स्थाई

| – –,धप –रे–सा |
| याऽ ऽदऽमैं |
३

| ग – | म,–ग प –प | प पनिध– | धनि,नि –धप –प |
| कै ऽ | सेऽऽ ऽ बु | झा ऽऽऽऽ | ऊंऽऽ ऽऽऽ ब |
× २ ० ३

| पनिध,– निध–पर्म– | मं पधप,– गपसा,– | साग,– गम–ग | मप–पध पधनिध,प |
| ताऽऽ ऽऽऽऽ | दे ऽऽऽऽ बोऽऽऽ | सैंऽऽ ऽऽऽ | ऽऽयाऽ ऽऽऽऽया |
× २ ० ३

–रे–सा |
ऽदऽमैं |

अंतरा

| –प रेनि धप–, प |
| पू छत ऽऽऽ मैं |
३

सां	–	सां	–	सां	धपपगम,गमपध	निनिधप	प,प	रेंनि	धप–प	
तो	ऽ	से	ऽ	रे	अऽऽऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ब,पू	छत	ऽऽ मैं	
×		२			०		३			

सां	–	सां	–	सां	सां	सां	सांसां	रेंगंरें,नि	धप–	
तो	ऽ	से	ऽ	रे	बो	ऽ	लऽ	ऽऽऽत	ऽऽऽ	
×		२			०		३			

प निध,–	पमं,मं	मं	पध,प,–	गप,सा,–	ाग,–	गम–;–ग	मप–;–पध
ना ऽऽ	ऽऽहीं	का	ऽऽऽ	रेऽ ऽ	सैंऽऽ	ऽऽ ऽ	ऽऽ याऽ
×		२			०		३

पधनिध–,प	–रे–सा
ऽऽऽऽया	ऽदऽमैं

राग - नंद, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आवो रे आवो गावो रे
पिहरवा मोरा घर आईला ।
बहुत दिन बीते आयो घर सैंया
आनंद मनावो सब मिल आज ॥

स्थाई

| — ग म प |
| आ वो रे |
३

धनि — — — | धपं — पध निध | धप म॑प — गप | सा ग मम प |
आऽ ऽ ऽ ऽ | वोऽ गाऽ ऽऽ | वोऽ ऽऽ ऽ रे | ऽ पि हर वा |
× २ ० ३

धनि — प सां | — सां रें नि | — प पध निध | पम॑ |
मोऽ ऽ रा घ | ऽ र आ ई | ऽ ऽ लाऽ ऽऽ | ऽऽ |
× २ ० ३

अंतरा

ग | म प प सां |
ब | हु त दि न |
३

सां — सां गं | — सां सरें गरें | नि धप प ध | प — रे — सा |
बी ऽ ते आ | ऽ यो घऽ रऽ | सैं ऽऽ या आ | नंऽ द ऽ म |
× २ ० ३

ग	—	म	—	पसां	निरें	नि	धप	पध	निध	धप	म॑प	ग
ना	ऽ	वो	—	सऽ	बऽ	मि	लऽ	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ज
×				२				०				३

राग - नंद, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रे जावो जावो सैंया, रे जावो जावो
करो ना मोसे परस ।
हँस हँस तू बनावत, बन नहीं जाऊँ मैं तो ।
करो ना मोसे परस ॥

स्थाई

ध प	प रे	— सा
रे ऽ	ऽ जा	ऽ वो
०	३	४

ग —	म —	प प	पध निध	पप, रे	— सा
जा ऽ	वो ऽ	सैं या	रेऽ ऽऽ	ऽऽ जा	ऽ वो
×	०	२	०	३	४

ग ग	ग म	— म	प —	पसां निरें	नि धप
जा ऽ	ऽ वो	ऽ क	रो ऽ	नाऽ ऽऽ	ऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

प —धनि	ध धप	मंप ग
मो ऽसेऽ	ऽ पऽ	रऽ स
×	०	२

अंतरा

ग म	प ध	नि प
हँ स	हँ स	तू ब
०	३	४

सां –	सां सां	– सां	रें नि	धप ध	नि धप
ना ऽ	ऽ व	ऽ त	ब न	ऽऽ न	हीं ऽऽ
×	०	२	०	३	४

ध पमं	– प	–प ग	सा ग	म प	ध –
जा ऊऽ	ऽ मैं	ऽऽ तो	क से	ना मो	से ऽ
×	०	२	०	३	४

नि प	– पध	पध निध
प र	ऽ सऽ	ऽऽ ऽऽ
×	०	२

राग - भूप, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

निसदिन ध्यान धरत तेरो
भगवान दीज्यो दरस आज ।
आज आयो मैं तोरे द्वार
पूरन करो आस मनकी आज ॥

स्थाई

— — — ध़	पधप प —ग रे
नि	सऽऽ ऽ ऽदि न
०	३

प — पग —	ग ग रे रे	गगरे सारेग— गरेसा— ग	ग प प प
ध्याऽ ऽऽ ऽ	न ध र त	तेऽऽ ऽऽऽ रोऽऽ भ	ग वा ऽ न
×	२	०	३

ग प ध धपप, ग —	— ग रे रे	ग ग रे सारेग— गरेसा— सा
दीऽ ऽ ज्योऽऽऽ ऽ	ऽ द र स	आऽऽ ऽऽऽऽ जऽऽऽ नि
×	२	०

अंतरा

— — — ग	प सांध सांप सांध
आ	ज आऽ ऽऽ योऽ
०	३

सां — — ध	सां रें — —	गं,गंरें सारेंग रें सां सां	ध प —ग र
मैं ऽ ऽ तो	रे ऽ ऽ ऽ	द्वाऽऽ ऽऽऽ र पू	र न ऽक रो
×	२	०	३

प — धग —	ग म रे रे	ग ग रे सारे,ग गरेसा— सा
आ ऽ ऽऽ ऽ	स म न की	आऽऽ ऽऽऽ जऽऽ नि
×	२	०

राग - भूप, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

मोरे मंदरवा
ग्यानी और गुनीजन आयो ।
धन धन भाग मेरो आज
ग्यान गुनन के सागर मिलि आयो ॥

स्थाई

सा रे
मो रे
४

प –	– ग	– ग	ग रे सासा	रेग गरे	सासा रे
मं ऽ	ऽ द	ऽ र	वाऽ ऽ ऽ	ऽऽ मोऽ	ऽ ऽ रे
×	०	२	०	३	४

प –	– ग	– ग	ग रे	प ग	ध ग
मं –	– द	ऽ र	ग्या ऽ	नी ऽ	औ र
×	०	२	०	३	४

प ^सां^ध	– सां	– सां	पध पध	सांध पप	गरे सारे
गु नी	ऽ ज	ऽ न	आऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ	मोऽ रेऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग ग	प ध	सां ध	सां प	सां –	सां सां
ध न	ध न	भा ऽ	ग मे	रो ऽ	आ ज
×	०	२	०	३	४

सां सांध	पध गं	गं रें सारें	गं गं रें	सांसां ध	धसां रेंगं
ग्या ऽऽ	ऽऽ न	ऽऽ ऽऽ	ऽ गुऽ	न ऽ न	केऽ ऽऽ
×	०	२	०	३	४

सां —	ध प	प ध	प ध पध	सांध प प	ग रे सारे
सा ऽ	ग र	मि लि	आऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ	मोऽ रेऽ
×	०	२	०	३	४

राग - बागेश्री, ताल - रूपक, लय - मध्य.

अब घर आओ पिया मोरा रे
तुम बिन कौन मोरा दुख जाने ।
काहे ऐसो निठुर भयो बता देओ
दरस बिन तरस रहूँ मैं तो आज ॥

स्थाई

	सा सां	−ध प
	अ ब	ऽध र
	२	३

ध −नि पध−	−,धप ग	रे म ग
आ ऽऽ ओऽऽ	ऽपिऽ या	ऽमो रा
×	२	३

सारे− − सा	−सारे सासा−	− नि ध
ऽऽऽ ऽ रे	ऽतुऽ मऽऽ	ऽ बि न
×	२	३

धध,− −नि पध−	म निध	सांनि सां
कौऽऽ ऽऽ नऽऽ	मो रा	दु ख
×	२	३

मग रेग रेसा	सा सां	−ध प
जा ऽऽ ने	अ ब	ऽध र
×	२	३

अंतरा

नि	ध,पमम	गम ध
का	हेऽऽऽ	ऽऐ सो
	२	३

सांनि सां सां	सांनि सांनि	– सां मंगं
नि ठु र	भ यो	ऽ ब ता
×	२	३

रेंसांनिसां निसां,रें सां	धप धप	ध,सारें सां सां
देऽऽऽ ऽऽऽ ओ	दऽ रऽ	सबिऽ न ऽ
×	२	३

सांनि ध म	म गिध	नि सां	मग रेग रेसा	सा सां	– ध प
त र स	र हूँ	मैं तो	आ ऽऽ ज	अ ब	ऽ घ र
×	२	३	×	२	३

राग - बागेश्री, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

बता दे सैंया आज कैसे घर जाऊँ
बरसन लागे अत जोर सावनकी बदरिया ।
पियारे डर लागे घर पर मोहे
मिलन बिन जियरा तरसत मोरा ॥

स्थाई

— — — ^म^ग़	म नि़ध —नि़ सां	
ब	ता देऽ सैं या	
०	३	

सां — धप ध	प ध सारें सांसां	नि़ध — प म ग़	म नि़ध —नि़ सां
आ ऽ जऽ कै	ऽ से घऽ र ऽ	आऽ ऽऊँ ब	ता देऽ सैं या
×	२	०	३
रेंसांसां सांनि़ध पमग़ रे सा	^म^ग़ ^म^ग़ रे सा	रें — सां सारें	सां सां ^सां^नि़ ध ध
आऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ज ऽ	ब र स न	ला ऽ गे अऽ	त ऽ जो ऽ र
×	२	०	३
पध ध नि़ सां	सां प ध सां	सां,सांनि़ नि़ध,ध — ग़	म नि़ ध
साऽ ऽ व न	की ब द री	या ऽ ऽ ऽऽऽ ऽ ब	ता दे ऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — नि़	सां रेंसां —ध पध
पि	या रे ऽ ऽऽ रऽ
०	३

नि – नि नि	ध – नि सां	रेंसां निसां – नि	सां रेंसां –ध पध
ला ऽ ऽ ऽ	गे ऽ ला गे	रेंऽ ऽ ऽ ऽ पि	या रे ऽ ड रऽ
×	२	०	३

नि – ध पम	मप धम ग रेग	सा सा म ग	रे सा सा सां रें
ला ऽ गे ऽऽ	घऽ रऽ प रऽ	मो हे मि ल	न बि न जिऽ
×	२	०	३

सां सां नि ध म	पम प ध नि	सां,सांनि निध,ध – ग	म निध – नि सां
य ऽ रा ऽ त	रऽ स त मो	रा ऽ ऽ ऽऽऽ ऽ ब	ता देऽ ऽ सैं या
×	२	०	३

राग - मिया मल्हार, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

कारे बोलत नाही, पपीहा
कारी घटा नभ छायो है
और करत बौछार मेहा ।
इत मोर बोलें, उत कोयल सूर
काहे रूठे तुम मोरे पपीहा ॥

स्थाई

			–रे प,नि॒ध –निसां
			का रे बो ऽ ल त
			३

नि –	नि॒ नि॒ प	पनि॒धनि॒धसां निसांधनि॒,प	– रे प,नि॒ध –नि,सां
ना ऽ	ही प पी	हाऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३
नि –	नि प,नि॒ध सां	सांनिधनि॒ प प	–,नि॒नि॒पम पधपध,निसां,– –नि॒प
ना ऽ	ही पपीऽ ऽ	हाऽऽऽ ऽका	ऽरीऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ ऽघऽ
×	२	०	३
ग॒ ग॒	–मप म म, रे –	सा –	सा ग॒ –ग॒ म रे
टा ऽ	ऽनऽ भऽछा ऽ	यो ऽ	हैऔ ऽर ऽक
×	२	०	३
प– पनि॒	ध नि –नि पसांसांनि	धनि–,पसां सांनि॒धनि॒	प रे प,नि॒ध –निसां
रऽ तबौं	ऽछा ऽ र मेऽऽऽ	ऽ ऽहाऽ ऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३

अंतरा

			रे–,–प –,–नि ––नि–
			इऽऽत ऽऽमो ऽऽरऽ
			३

सां –	सां निनि सांनि	सांध निप	–,पनि निप,ग म रे
बो ऽ	ले उ त कोंय	लसू ऽर	ऽक्याऽ हेऽरू ऽठे
×	२	०	३

प पनि	धनि –नि पसांसांनि	धनि–,पसां सांनि,–धनि	प रे प,निध –निसां
तु ममो	ऽरे ऽप पीऽऽऽ	ऽऽहाऽ ऽऽऽऽ	ऽका रेबोऽ ल त
×	२	०	३

राग - मिया मल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सैंया डर लागे आज, चहुँ ओर
सावनकी बदरिया, गरज गरज रही ।
आजा रे तू आजा रसिया
देखत बाट तोपे लागे नैन
कल ना परत नहि नींद रतिया
तरस तरस रही ॥

स्थाई

	– – निनि पम	पध निसां सां नि	प मग म रे
	सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या, ड	र लाऽ गे
	२	०	३

प – नि ध	नि – निनि पम	पध निसां सां पनि	निप ग म रे
आ ऽ ऽ ऽ	ज ऽ सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या डऽ	रऽ ला ऽ गे
×	२	०	३

प ऽ नि ध	नि – सांरे सांसां	– मनि निप ग	म रे प –
आ ऽ ऽ ऽ	ज ऽ सैंऽ याऽ	ऽ चऽ हुँऽ ओ	ऽ र सा ऽ
×	२	०	३

नि ध नि –	नि सांनि रेंसांसां नि	निध सां नि सां	नि सांनि धनि प
व न की ऽ	ब दऽ रीऽऽ या	ऽऽ ग र ज	ऽ गऽ रऽ ज
×	२	०	३

– प नि ध	सां – निनि पम	पध निसां सां नि	प मग म रे
ऽ र ही ऽ	ऽ ऽ सैंऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ या, ड	र लाऽ गे
×	२	०	३

अंतरा

– – धनि सांरें	रें सां – धनि	मप म प निध नि
आऽ ऽऽ	जा ऽ ऽ रेऽ	ऽऽ ऽतू ऽऽ आ
२	०	३

सां – नि सां	सां नि – – ध	प नि ध नि	सां सां निसां रेंमं
जा ऽ र सि	या ऽ ऽ ऽ	दे ख त बा	ऽ ट तोऽ पेऽ
×	२	०	३

रें – सां ध	नी प – पनि	निप ग म रे	प प नि ध
ला ऽ गे नै	ऽ न ऽ कऽ	लऽ ना ऽ प	र त न हि
×	२	०	३

नि – नि नि	सां नि ध सां	नि सां नि सांनि	धनि प – प
नीं ऽ द र	ति या ऽ त	र स ऽ तऽ	रऽ स ऽ र
×	२	०	३

नि ध सां –	– – निनि पम
ही ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सैंऽ ऽऽ
×	२

राग - मिया मल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सननननननन मेहा,-परत बूंद छुम् छनन
बहत पवन अत जोर सूं सूं सूं ।
चाहे आज जित बरसो तुम
है बाहोंमें मोरे प्रीतम
आनंद-तरंग उठत अंग अंग, झूम झूम झूम ॥

स्थाई

– म रे प	प नि॒ ध नि
स न न	न न न न
०	३

सां नि सां नि	ध नि॒ म प	– म रे प	प नि॒ ध नि
मे ऽ ऽ ऽ	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ स न न	न न न न
×	२	०	३

रेंसां सांनि – सांनि॒	नि॒ – म प	रे म रे प	– प ^म^ग॒ –
मेऽ ऽ ऽ ऽ हाऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	प र त बूं	ऽ द छु ऽ
×	२	०	३

–म रे सा सा	ग॒ म रे प	प प नि॒ –	ध नि – नि
ऽम छ न न	ब ह त प	व न अ ऽ	त जो ऽ र
×	२	०	३

पसां – – सांध	– नि॒ मप –	– म रे प	प नि॒ ध नि
सूंऽ ऽ ऽ सूं	ऽ ऽ सूंऽ ऽ	ऽ स न न	न न न न
×	२	०	३

अंतरा

रें रें — प	— प नि॒ ध	नि नि सां —	— सां — सां
या है ऽ आ	ऽ ज जि त	ब र सो ऽ	ऽ तु ऽ म
×	२	०	३

सां नि॒ — सां नि॒ —	नि — सां —	रें —सां — सां	— ध नि॒ प
है ऽ बा ऽ	हों ऽ मैं ऽ	मो ऽ रे ऽ प्री	ऽ त ऽ म
×	२	०	३

रे म रे प	प प नि॒ ध	नि सां — रें	सां नि सां सां
आ नं द त	रं ग उ ठ	त अं ऽ ग	अं ऽ ग झू
×	२	०	३

— सां ध —	—नि॒ म —प —प	— म रे प	प नि॒ ध नि
ऽ ग झू ऽ	ऽम झू ऽम ऽऽ	सन न न	न न न न
×	२	०	३

राग - गौडमल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

घन गरजन लागे सैंया
तोरे मिलन कैसे आ जाऊँ मैं तो ।
चहुँ ओर चमके बिजलिया
मेहा बरसत जिया डर लागे ॥

स्थाई

			– रे रे प	प पनि धनि प
			घ न ग	र जऽ ऽऽ न
			०	३
	प – – धप	म – मप मम	– म प प	धनि सां धप म
	ला ऽ ऽ ऽऽ	गे ऽ सैंऽ याऽ	ऽ तो रे मि	लऽ न कैऽ से
	×	२	०	३
	धप मम पध निरें	सांसां – धप मप	मम रें रें प	प पनि धनि प
	आऽ ऽऽ जाऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऊँऽ मैंऽ	तोऽ घ न ग	र जऽ ऽऽ न
	×	२	०	३

अंतरा

		रे प – पनि	धनि प प प
		च हुँ ऽ ओऽ	ऽऽ र च म
		०	३
प – नि ध	नि नि सां –	म – प –	निसां निनि प प
के ऽ बि ऽ	ज लि या ऽ	मे ऽ हा ऽ	ब ऽ र ऽ स त
×	२	०	३

म	म	प	ध	धप	—ध	मप	मम	—	रे	रे	प	प	पनि	धनि	प
जि	या	ड	र	लाऽ	ऽऽ	गेऽ	ऽऽ	ऽ	घ	न	ग	र	जऽ	ऽऽ	न
x				२				०				३			

राग - गौडमल्हार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सच लय सच सूर को जानो तुम
सच गुरु ग्यानी को मानो ।
जो जो सच बात परख लीज्यो
यही अमर रहियो जाय यह मानो ॥

स्थाई

– – – – म	म रे रे प	प नि॒ ध नि
स	च ल य स	च सू र को
२	०	३

सां – सांध नि॒	प गप मम म	म रे रे प	प नि॒ ध नि
जा ऽ ऽऽ ऽ	नो तुऽ मऽ स	च ल य स	च सू र को
×	२	०	३

सां – सांध नि॒	प गप मम म	म प प ध	– – नि॒रें सां
जा ऽ ऽऽ ऽ	नो तुऽ मऽ स	च गु रु ग्या	ऽ ऽ ऽऽ नी
×	२	०	३

नि सां नि ध	नि॒ प ध म	म रे रे प	प नि॒ ध नि
ऽ को ऽ मा	ऽ नो ऽ स	च ल य स	च सू र को
×	२	०	३

अंतरा

– – धनि सारें	– सां – सां	सांनि ध नि॒ प
जोऽ ऽऽ	ऽ जो ऽ स	च ऽ बा ऽ त
२	०	३

प नि॒ ध नि	सां सां, म म	– म प प	नि॒ ध नि –
प र ख ली	ऽ ज्यो, य ही	ऽ अ म र	र हो जा ऽ
×	२	०	३

सां सां नि ध	नि॒ प ध
य ये ऽ मा	ऽ नो ऽ
×	२

राग - देस, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

करो बतिया सहेलिया
नयो घर जाऊँ कल, संग रसिया ।
दुख डर आनंद उठत मनमाँ
छाँड सब सखियन, जाऊँ ससरिया ॥

स्थाई

— मम, रे म प
कऽरो ब ति
३

नि — सां —	सांप म प ध प	म —ग रे ग सा	रे रे— म प
या ऽ ऽ ऽ	ऽ स हे लिऽ	या ऽऽ ऽऽ ऽ	न यो घ र
×	२	०	३

निसां निनि धप ध	प मप —नि सां	धपमम पनिसारें, रेंसांनिध पमगरे
जाऽ ऊँऽ कऽ ल	ऽ संग ऽ र सि	याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ
×	२	०

सा मम, रे म प
ऽ कऽरो ब ति
३

अंतरा

— रे रे —म प
दुख ऽड र
३

नि सां सां प	नि नि –नि सां	धपपम – पसांनिनि धप	– पनि –नि नि
आ नं द उ	ठ त ऽम न	मौंऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽऽ	छाँड स ब
×	२	०	३

– निसां –नि सां	– रे म –प प	धपमम पनिसांरें, रेंसांनिध पमगरे
सखि य न	जाऊँ ऽस स	रिऽऽऽ ऽऽऽऽ याऽऽऽ ऽऽऽऽ
×	२	०

सा मम,रे म प
ऽ कऽरो ब ति
३

राग - देस, ताल - एकताल, लय - द्रुत (तराणा).

देर्नां दानी तदानी, तारे दानी,
तार्दानी, देरेना देरेना देरेना ।
तन देरेना तदानी तदानी,
दानी तारे दानी तादानी, देरेना, देरेना, देरेना ॥

स्थाई

— म	— प
दे	ऽ र्नी
३	४

नि —	— सां	— धप	म ग	रे म	—प धप
दा ऽ	ऽ नीं	ऽ तऽ	दा ऽ	नी, ता	रे ऽऽ
×	०	२	०	३	४

म —	— ग	रे —	म ग	म ग रे	ग सा
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	ता ऽ	र् दाऽ	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

मप मम	— ग	रे —	निसां निनि	— ध	प —
देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ	देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	— निसारें	गंरेंसां सांसांनि	— —	— म	— प
दे रे	ऽ ना	ऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ	ऽ दे	ऽ र्नी
×	०	२	०	३	४

अंतरा

रे म	प ध	म प
त न	दे रे	ना त
०	३	४

नि –	नि सां	नि सां	पनि सारें	रेंसां निध	पमप
दा ऽ	नी त	दा नी	तऽ नऽ	देऽ रेऽ	नाऽ त
×	०	२	०	३	४

नि –	नि सां	नि सां	निध –ध	प म	–प धप
दा ऽ	नी त	दा नी	दाऽ ऽनी	ऽ ता	रे ऽऽ
×	०	२	०	३	४

म –	– ग	रे –	म ग	म रे	ग सा
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	ता ऽ	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

मप मम	– ग	रे –	निसां निनि	– ध	प –
देऽ रेऽ	ऽ ना	ऽ ऽ	दे ऽ रे ऽ	ऽ ना	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	– निसारें	गंरेंसां सांसांनिऽ	– –	– म	– प
दे रे	ऽ नाऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽ ऽ	ऽ दे	ऽ नीं
×	०	२	०	३	४

राग - तिलक कामोद, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

तन मन मानत कछु नाही आज मोरा
तोरे मिलन जलत जिया मोरा ।
सह नहीं जात ये बिरहन
तोरे बिन अकुलाय मन मोरा ॥

स्थाई

रेम पसां	सां,पध म,गरे –मप
तन मन	माऽऽ नतऽ ऽकछु
०	३

सां सांप,प	रेम–मप–पध मग रेसा,सा	रेम पसां
ना ऽऽही	आऽ ऽऽ ऽऽ जमो ऽऽरा	तन मन
×	२	०

धपममपनिसांरें गंरेंसांसांधपमग रेम,प
माऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽनऽतऽ ऽकछु
३

सां सांप,प	रेम–मप–पध म ग रेसा,सा	–रेग सारे,–	प प प
ना ऽऽही	आऽऽऽऽऽ जमो ऽऽरा	तो ऽ रेऽऽ	मि ल न
×	२	०	३

सां,–सां प,निध	–म गरे,ग सासा	रेम पसां
जऽल ऽतऽ	ऽजि याऽऽ मोरा	तन मन
×	२	०

अंतरा

| – –धम –प,निनि |
| सहे नऽहीं |
३

सां – | सां – पनिसारिं,– | – रेंगं | निसां –धम –प,निनि |
जा ऽ | त ऽ येऽऽऽऽ | ऽ बिर | ह न ऽसहे ऽनऽहीं |
× २ ० ३

सां – | सां – पनिसारिं,– | रेंगं निसां | सांसां,– सांप –प |
जा ऽ | त ऽ येऽऽऽऽ | बिर ह न | तो ऽ रे ऽबि ऽन |
× २ ० ३

रेंम,पनिसां पनि | धप,ध म,गरेग निसा | रेम पसां |
अकुलाऽऽ ऽऽ | यऽऽ मनऽऽ मोरा | तन मन |
× २ ०

राग - तिलक कामोद, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

जारे भवरा जा पिया के देसा जा
ले आवो मोरा सैंया का संदेसा ।
बता दे मोरा पिया को
नित तोरी याद तोरे बिन न चैन
बिरह दुख मोरा मनमा ॥

स्थाई

रे	म	प	धप	मप
जा	रे	भव	राऽ	ऽऽ
	३			

सां	–	–	रे	म	प	पध	धप	म	म	ग	रेसा,	प़	नि़	सा	रे	ग
जा	ऽ	ऽ	पि	या	के	देऽ	साऽ	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ले	आ	वो	मो	रा
×				२				०				३			

गरे	सारे	प	–	धपप	म	निसारें	गंरें	सांसांध	पमग	रेसा	रे
सैंऽ	याऽ	का	ऽ	संऽऽ	ऽ	देऽऽ	ऽऽ	साऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	जा
×				२				०			

अंतरा

रे	म	पध	पम	प
ब	ता	देऽ	ऽऽ	मो
	३			

सां – – –	निसां– प पनि सारिं	सां – प प	नि सां रें –
रा ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ पि या	को ऽ ऽ नि	त तो री ऽ
×	२	०	३

सां – प रे	म प नि धप	मग रेग सा प़	नि़ सा रे ग
या ऽ द तो	रे बि न नऽ	चैऽ ऽऽ न बि	र ह दु ख
×	२	०	३

ग रे सारे प –	प सां निसांरें गंरेंसां	सांधप मगरे सा रे
मोऽ ऽऽ रा	म न माऽऽ ऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ ना
×	२	०

राग - बिहागडा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

कौन देसा माई कंथा
गईलो सखी री,
उन बिन, कैसे रहूँ अब घरपर ।
निसदिन याद जियरा सताये
सखी री, तुम बिन
कासे कहूँ मोरा दुखवा ॥

स्थाई

पधध,प —गम	ग मप
रीऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ माई
२	३

सां — सां	प नि पध—,मप—	गम—,ग मप	सां — —	सां —	—सारिं सांसां,—
कं ऽ था	सखी री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ माई	कं ऽ ऽ	था ऽ	गऽ ई ऽ
×	२	३	×	२	३

नि — —	धप— —	—प प	प ध पध	निसांनि ध	प —
लो ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	ऽऽ स	खी ऽ ऽऽ	ऽऽऽ री	ऽ ऽ
×	२	३	×	२	३

पग— — ग	ग मपमप	—ग रेसा,सा	सा —ग म	प प,धध	पम,ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ	उ नऽऽऽ	ऽबि ऽऽन	कै ऽसे र	हूँ अऽऽ	ऽऽऽ ब
×	२	३	×	२	३

प पसां —नि	धप —प	—पनि —पध	—मप —ग —म	पधध,प —गम	ग मप
घ रऽ ऽऽ	ऽऽ प	र ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ कौ न	देऽऽऽ ऽसाऽ	ऽ माई
×	२	३	×	२	३

अंतरा

— ग म	—प निनि
निस	ऽदि ऽन
२	३

सां — —	सां ग म	—प निनि	सां सां सां	सां सां	सांगं रेंसां
या ऽ ऽ	द निस	दि ऽन	या ऽ द	जि य	राऽ ऽऽ
×	२	३	×	२	३

रेंसां,नि धप— प	प प	ध निसांनि	धप पग— —	ग मपमप	—ग रेसा, सा
सऽता ऽ ऽ ये	स खी	ऽ ऽऽऽ	रीऽ ऽऽऽ ऽ	तु मऽऽऽ	बि ऽऽ न
×	२	३	×	२	३

सा —ग —ग	प पधधपम	ग म	पप पसां —नि	धप —प	—पनि —पध
का ऽसे ऽक	हूँ मोऽऽऽऽ	ऽ रा	दुख ऽऽ ऽऽ	ऽ वा	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	३	×	२	३

मप —ग —म	पधध,प —गम	ग मप
ऽऽ ऽकौ ऽन	देऽऽऽ ऽसाऽ	ऽ माई
×	२	३

राग - बिहागडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सजन डर लागे जिया मोहे
घूम कर काली घटा आई ।
गरजन सुन छतिया धरकाए
उन बिन जिया तरसाये ॥

स्थाई

पध	|	पप	गम	पध	पप
सऽ	|	जऽ	नऽ	डऽ	रऽ
		३			

सां — — —	धप — प ध	निसांनि ध प ग	— ग मप मप
ला ऽ ऽ ऽ	गेऽ ऽ जि या	ऽऽऽ मो हे घू	ऽ म कऽ रऽ
×	२	०	३
ग — सा सा	गम पम पध पध	निसांनि ध प पध	पप गम पध पप
का ऽ ली घ	टाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	आऽऽ ई ऽ सऽ	जऽ नऽ डऽ रऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — ग	म प ध प
ग	र ज ऽ न
	३

सां — सां प	नि सां सां गंरें	गं रेंसां सां ग	ग मप म प
सु ऽ न छ	ति या ध रऽ	का ऽऽ ए तु	म किऽ ऽ न
×	२	०	३

ग ग सा सा	गम पम पध पध	निसांनि ध प पध	पप गम पध पप
जि या त र	साऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽऽ ये ऽ सऽ	जऽ नऽ ङऽ रऽ
×	२	०	३

राग - बिहागडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आओ रिझाओ
सब मिल गाओ बजाओ ।
घर आज आये सैंया मोरे
सब मिलि आनंद मनावो ॥

स्थाई

— — प नि निध	पप गम पम पध	पध निसां ध प
आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ ऽ ओ रि
२	०	३

प — — —	प — गम प	— मप मप ग	रेसा सा — पप
झा ऽ ऽ ऽ	ओ ऽ सऽ ऽ	ऽ बऽ ऽऽ मि	ऽऽ ल ऽ गाऽ
×	२	०	३

निनि ध प धध प म	पप ग
ऽ ऽ ओऽ बऽ जाऽ	ऽऽ ओ
×	२

अंतरा

ग	म पनि — सां
घ	र आऽ ऽ ज
	३

नि — — —	धप प ध —	निसांनि ध प —	— गम ग —
आ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ये सैं ऽ	ऽऽऽ या ऽ ऽ	ऽ मोऽ रे ऽ
×	२	०	३

साग मप – गम	पनि – सां –	– सां – रें	नि – प प	
स ऽ ऽऽ ऽ वऽ	ऽऽ ऽ मि ऽ	ऽ लि ऽ आ	नं ऽ द म	
×	२	०	३	

निनि धप धध पम	पप ग
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ वो
×	२

राग - बहार, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आई रूत आई नई आज
सब बनमें नई कलियाँ मुसकाई ।
भँवर सब मिलिया गूंजत है
नयो रस लेत फिरत बनमें ॥

स्थाई

	– – – मप	मपनिप गम –नि ध
	आऽ	ऽऽऽऽ ईऽ ऽरू त
	२	३

सां – – –	नि ध नि सां	निपप– –ग॒म गम– सा	सा म म म
आ ऽ ऽ ऽ	ई ऽ न ई	आऽऽऽ ऽ जऽ स	ब ब न में
×	२	०	३
मप निप ग म	मनि धनि नि सां	निपप– –ग॒म गम– म प	मपनिप गम – –
नऽ योऽ क लि	याँऽ ऽऽ मु स	काऽऽ ऽ ई ऽ आऽ	ऽऽऽऽ ईऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – – निनि	पम गम नि ध
भँऽ	वऽ रऽ स ब
०	३

सां सां सां –	– नि सां सां	सांमं गंमं रेंसां निनि	पम गम नि ध
मि लि या ऽ	ऽ गूं ज त	हैऽ ऽऽ ऽऽ भऽ	वऽ रऽ स ब
×	२	०	३

सां सां सां –	– नि सां सां	नि॒नि॒ पग प सा	प – ग॒ म
मि लि या ऽ	ऽ गूं ज त	हैऽ ऽऽ ऽ न	यो ऽ र स
×	२	०	३

मनि॒ धनि निसां नि॒ प	प पनि॒ म प	नि॒पप– –म ग॒म– म प
लेऽ ऽऽ त ऽ फिऽ	र लऽ ब न	मेंऽऽऽ ऽ ऽ ऽ आऽ
×	२	०

राग - हंसध्वनी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

मोहे आज दीज्यो दरसन
महादेव नीलकंठ, गले रुंडमाल साजे
सिर गंगा बिराजे ।
नित धरत ध्यान तेरो
दरस देओ एक बार
कीज्यो कृपा छाँव, आद महादेव ॥

स्थाई

– – प नि
मोहे
३

सां –	सांप– पग– रे	गरे गपप,ग	रेसा– –सा पनि
आ ऽ	ज ऽ दीऽऽ ज्यो	दऽ रऽऽऽ	सऽऽ ऽन मोहे
×	२	०	३

सां –	सांप– पग– गरे–	ग रे गपप,गरे	सा – सा
आ ऽ	जऽऽ दीऽऽ ज्योऽ	दऽ रऽऽऽऽ	स ऽ न
×	२	०	३

प़ रे	रे – रे	गप निप–	ग रेसा– सा
म हा	दे ऽ व	नीऽ लऽऽ	कं ऽऽऽ ठ
×	२	०	३

पग पग	प – प	पग– –सा	रे – रे
ग ले	रुं ऽ ड	माऽऽ ऽल	सा ऽ जे
×	२	०	३

$^{\text{प}}$ग $^{\text{प}}$ग	प पसां सां	$^{\text{सां}}$प पपनिसांरेंगं	गंरेंसांनिपप गरेसा,– पनि
सि र	गं ऽऽ गा	बि राऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽजेऽ मोहे
×	२	०	३

अंतरा

$^{\text{प}}$ग प	सां सां सां	प नि	सांरें,गं रें रें
नि त	थ र त	ध्या न	तेऽऽ ऽ रो
×	२	०	३

गं रें	सां सांरेंगंरें सां	प गं रें	सां – सां
द र	स देऽऽऽ ओ	ए कऽ	बा ऽ र
×	२	०	३

सां –	सांप– – प	पग– रेसाऽ	रे – रे
की ऽ	जो ऽ ऽ कृ	पा ऽ ऽऽऽ	छाँ ऽ व
×	२	०	३

ग $^{\text{प}}$ग	प पसां– सां	$^{\text{सां}}$प पपनि,सरिंगं	गंरेंसां,सांपप, गरेसा– पनि
आ ऽ	द ऽऽऽ म	हा देऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽवऽ मोहे
×	२	०	३

राग - हंसध्वनी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

साई आज कैसे करूँ ध्यान
एकरूप कैसे करूँ मेरो मन ।
कर लियो माल मुँह में तेरो नाम
मनवा फिरे चहुँ दिस ॥

स्थाई

ग प	प सां निसां प सां	– प प ग रे सा
सा ई	आऽ ऽ ऽ ज कै	ऽ सेऽ कऽ रूँ
	०	३

रे – ग –	सा – ग प	पनि सांरें गं रें सांरें	सांनि पप ग रे सा
ध्या ऽ ऽ ऽ	न ऽ सा ई	आऽ ऽऽ जऽ कैऽ	ऽ ऽ सेऽ कऽ रूँ
×	२	०	३

रे – ग –	सा – सा ग	रे – रे ग	प नि प प
ध्या ऽ ऽ –	न ऽ ए क	रू ऽ प कै	ऽ से ऽ क
×	२	०	३

सां नि रें सांनि पप	गरे सारे ग प	पसां निसां प
रूँ ऽ मे ऽ रोऽ	मऽ नऽ सा ई	आऽ ऽ ऽ ज
×	२	०

अंतरा

– – – ग	प निनि प –
क	र लिऽ यो ऽ
०	३

सां – सां (सां)प	– नि सां रैं गं	रैं – रैं सां	गं रैं – प
मा ऽ ल मुँ	ह मैं ते रोऽ	ना ऽ म म	न वा ऽ फि
×	२	०	३

सांनि रें सांनि पप	ग रे सारे ग प	प सां निसां प सां
रे ऽ ऽ च ऽ हुँऽ	दिऽ सऽ सा ई	आऽ ऽ ऽ ज कै
×	२	०

राग - हंसध्वनी, ताल - एकताल, लय - द्रुत. (तराणा)

तानों तानों तदरे दानी
तदरे दानी तन नित तानों,
तन नित तानों, तन नित ।
तना तना तदरे दानी
तारे दानी तन तदानी
तन नित दानी तानों तानों ॥

स्थाई

– ग
ऽ ता
४

रे रे	सा सा	सा प़	सा सा	– सा	रे प
नों ऽ	ता नों	ऽ त	द रे	ऽ दा	नी त
×	०	२	०	३	४

रे ग	प –	प प	नि सां	रें गं	रें –रें
द रे	दा ऽ	नी त	न नि	त ता	नो ऽम्
×	०	२	०	३	४

सां सां	प रें	सां सां	– प	ग रे	रे ग
त न	नि त	ता नों	ऽ त	न नि	त ता
×	०	२	०	३	४

अंतरा

— रें
त
४

सां —	प सां	— प	नि सां	— गं	रें गं
ना ऽ	त ना	ऽ त	द रे	ऽ दा	नी ता
×	०	२	०	३	४

— रें	नि —	प प	ग रे	रे ग	— ग
ऽ रे	दा ऽ	नी त	न त	दा नी	ऽ त
×	०	२	०	३	४

रे ग	प नि	सां गं	रें —रें	नि प	—प ग
न नि	त दा	नी ता	नों ऽ	ता नो	म् ता
×	०	२	०	३	४

राग - छायानट, ताल - रूपक, लय - मध्य.

बंधन राग ताल, पालन करो रे
ताल के जैसे खंड,
वैसी लयकारी करो रे ।
संतुलन राखो लय और सूर
सूर ऊँच लय नीच, यह मत मानोरे ॥

स्थाई

–रे गग	मनि,ध –प
बं धन	ऽऽरा ऽग
२	३

प – प	–सां धप	–ध –प	पधपप रेग मरे,सा	–रे गग	मनि,ध –प
ता ऽ ल	पा ऽऽ	ल ऽन	कऽरो ऽऽ ऽऽरे	बं धन	ऽऽरा ऽग
×	२	३	×	२	३

रेग रेग –म	प –प	–ध –प	सांध –प –ध	प – प	रे –ग
ताऽ ऽल ऽके	जै से	खं ऽऽ	वैऽ ऽसी ऽल	य ऽका	ऽ ऽरी
×	२	३	×	२	३

–म रेनि रेसा	–रे गग
क रोऽ ऽरे	बं धन
×	२

अंतरा

– रे ग	–म प
संतु	ल न
२	३

सां – सां	रें सां	–ध प	पनिसारिं – सां	रेंसां –ध	–प रेंसां
रा ऽ खो	ल य	औ र	सूऽऽऽ ऽ र	सूर ऽऊँ	ऽच लय
×	२	३	×	२	३

–ध –प सां	– धपप – रे	ग म रे	–नि –रे –सा	–रे गग	मनि,ध –प
ऽनी ऽच ये	ऽ मऽऽ ऽ त	मा ऽऽ	ऽनो ऽ रे	बं धन	ऽऽरा ऽग
×	२	३	×	२	३

राग - छायानट, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

करत अरज तिहारी सैंया
समझाऊँ कैसे मैं तो हारी ।
छेडो ना मोरी नींद मेहेरबान
करो ना बरज मोरे सैंया ॥

स्थाई

	सा	सा – रे – रे	ग ग मप म
	क	र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति
		०	३

ग – रे –	सा सासा धप सा	सा – रे – रे	ग ग मप म
हा ऽ ऽ ऽ	री सैं ऽ याऽ क	र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति
×	२	०	३
ग – रे –	सा – रे ग	म प – पनि	सरें सां – धपप
हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ स म	झा ऊँ ऽ कैऽ	ऽऽ से ऽ मैंऽऽ
×	२	०	३
रे रे रेग मप	गम रे सा सा	सा – रे – रे	ग ग मप म
ऽ तो हाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ री क	र ऽत ऽ अ	र ज ऽऽ ति
×	२	०	३

अंतरा

– – – रे	ग म प सां
छे	डो ना मो री
	३

सां – सां पसां	सांरें रें गं गंमं रें	सां – धप रें	सां –ध प ध
नीं ऽ द मेऽ	हेऽ ऽऽ ऽऽ र	बा ऽ नऽ क	रो ऽना ऽ ब
×	२	०	३

प – रे – ग म	रे सासा ध़प़ सा
र ऽज ऽ मोऽ	रे सै ऽ याऽ क
×	२

राग - कलावती, ताल - झपताल, लय - विलंबित.

काहे न भेजो पतिया
निठुर काहे भयो सैंया ।
लिख लिख पाती भेजूँ तोहे
हार गई मैं तो सैंया ॥

स्थाई

——ग पध
का हेन
३

सांनि़— —धनि़	धप— — प प	नि़, नि़ध पध—	—नि़धप ग प धग
भे ऽ ऽ	जोऽ ऽ पति	या ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽऽ ऽनि ठुर
×	२	०	३

प —	पध— — नि़ध	सां —	पध,पधनि़ध —ग पध
काऽ	हेऽऽ ऽ भयो	सैं ऽ	याऽऽऽऽऽ ऽका हेन
×	२	०	३

अंतरा

— —,ग ग, —प, ध
लिख लिख
३

सां —	सां — —	गंसां— नि़,धनि़	पध—प —नि़ध —प,ग
पा ऽ	ती ऽ ऽ	भेऽऽ जूँऽऽ	तोऽऽहे हाऽ र ग
×	२	०	३

प	—	ध	—	नि̱ध	सां	—	सांसांनि̱नि̱,धधपप	ग	ग	पध	
ई		ऽ	ऽ	मैंतो	सैं	ऽ	याऽऽऽऽऽऽऽ	ऽका	हेन		
×		२			०		३				

राग - कलावती, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सैंया फेरावो मुख तोरा रे
काहे करत मोपे राग बता दे ।
कैसे जानूं तोरे मन
कौनसी बात करत राग बता दे ॥

स्थाई

– साग गप पध
सैंऽ याऽ फेऽ
३

धनि – – धनि	पध – प प	प –धनि ध धप	ग सा ग प
राऽ ऽ ऽ ऽऽ	वो ऽ मु ख	तो ऽराऽ ऽ रेऽ	ऽ का हे क
×	२	०	३

निध –ध पप ग	प ध ध नि	निध धप पध पधनिध	–ग साग गप पध
रऽ ऽत ऽऽ मो	पे रा ऽ ग	बऽ ताऽ देऽ ऽऽऽऽ	ऽऽ सैंऽ याऽ फेऽ
×	२	०	३

अंतरा

– – – ग	– प ध निध
कौ	ऽ से जा नूंऽ
०	३

सां – – –	सां – सांनि धप	गप पध ध गं	सां नि – ध
तो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ मऽ ऽऽ	नऽ ऽऽ ऽ कौ	ऽ न ऽ सी
×	२	०	३

प – प निध	धप ग प –प	साग गप पध पधनिध	– साग गप पध
बा ऽ त कऽ	रऽ त रा ऽग	बऽ ताऽ देऽ ऽऽऽऽ	ऽ सैंऽ याऽ फेऽ
×	२	०	३

राग - कलावती, ताल - द्रुत एकताल (तराणा)

उदनी तदानी तानों तदरे दानी, दानी दानी
दानी दानी, दानी दानी, दानी दानी ।
तादानी तादानी, उदनी तदानी तानों तानों तानों
दानी, दानी, दानी दानी, दानी दानी ॥

स्थाई

सा सा	ग ग	प प	नि॒ध धप	—ग ग	प नि॒
उ द	नी त	दा नी	ताऽ नोऽ	ऽम् त	द रे
×	०	२	०	३	४

ध —	— पप	ग —	ग —सा	— नि॒	ध सा
दा ऽ	ऽ नीऽ	ऽ ऽ	दा ऽनी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

सा सा	ग ग	प प	नि॒ध धप	—ग ग	प नि॒
उ द	नी त	दा नी	ताऽ नोऽ	ऽम् त	द रे
×	०	२	०	३	४

ध —	— प	— —	सांनि॒ धप	गप धनि॒	सां —
दा ऽ	ऽ नी	ऽ ऽ	दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	नी ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि॒ धप	गप धनि॒	ध —	ध गं	— गंसांसां	नि॒ ध
दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	नी ऽ	दा ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि॒नि॒ ध	— धपप	ग —	ग —सा	— नि॒	ध सा
दाऽऽ ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ	दा ऽनी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

अंतरा

सां —	— नि॒नि॒	ध पग	प —	— ध	नि॒सां सां
ता ऽ	ऽ दाऽ	ऽ नीऽ	ता ऽ	ऽ दा	ऽऽ नी
×	०	२	०	३	४

सां ध	नि॒ प	ध ग	ध प	— ग	— सा
उ द	नी त	दा नी	ता नोम्	ऽ ता	ऽ नोम्
×	०	२	०	३	४

सा —	— सा	— —	साग साग	पप गप	धनि॒ ध
ता ऽ	ऽ नोम्	ऽ ऽ	दा ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ नी
×	०	२	०	३	४

गप गप	धध मध	नि॒सां सां	सां —सां	गं गंसांसां	नि॒ ध
दाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ नी	दा ऽऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

सांनि॒नि॒ ध	— धपप	ग —	ग सा	— नि॒	ध सा
दाऽऽ ऽ	ऽ नीऽऽ	ऽ ऽ	दा नी	ऽ दा	ऽ नी
×	०	२	०	३	४

राग - नायकी कानडा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

रे जारे जा काहे घर आयो
सारी रैन कहाँ जाय बसे तुम ।
तरसत तोरे कारन, सगरी रतियाँ
कहाँ जाय बसे तुम ॥

स्थाई

ग॒	– म नि॒ –
रे	ऽ जा रे ऽ
	३

प – – –	ᵐग॒ – ग॒ म	रे रे – सा	नि॒सा रेम रे म पनि॒
जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ का हे	घ रा ऽ यो	रे ऽ ऽऽ जाऽ रेऽ
×	२	०	३

नि॒ प – –	ग॒ –ग॒ – म	प प प प	नि॒ नि॒प मप –म
जा ऽ ऽ ऽ	सा री ऽ रे	ऽ न क हाँ	जा ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

ग॒म –ग॒ मप –	ग॒ – ग॒ ग॒	म रे – सा	नि॒ सा सा नि॒
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	य ऽ ब से	ऽ तु ऽ म	रे ऽ जा रे
×	२	०	३

अंतरा

म म नि॒ प
त र स त
३

सां – – –	– सां पनि –	सां – – सां	म म नि प
तो ऽ ऽ ऽ	ऽ रे काऽ ऽ	र ऽ ऽ न	त र स त
×	२	०	३

सां – – –	– सां पनि –	सां – सां नि	नि सां – रें
तो ऽ ऽ ऽ	ऽ रे काऽ ऽ	र ऽ न स	ग री ऽ र
×	२	०	३

नि सां – –	– –नि पनि –	प प प प	नि निप मप –म
ति ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	याँ ऽ क हाँ	जा ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

गम –ग मप –	ग ग ग ग	म रे – सा	निसा रेम रे म पनि
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	य ऽ ब से	ऽ तु ऽ म	रे ऽ ऽऽ जाऽ रेऽ
×	२	०	३

राग - कौसी कानडा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

ये मोरी बात मानो न मानो
भागमें है जो वह ही पाएगा ।
जो कियो करम वैसे सब होत
धन और नाम वैसे ही पाएगा ॥

स्थाई

सामगध मनिधसां	निसां,– नि प
येऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽ ऽ ऽ मोरी
२	३

म – म	पमम,ग –	–म धनि	प – म	साग,– मप,ग	म रे –सा
बा ऽ त	माऽऽऽ ऽ	ऽनो नऽ	मा ऽ नो	भाऽऽ ऽऽग	ऽमें ऽ है
×	२	३	×	२	३

सा – –	ध निसांरेंरें	सां निपमग	मध–नि प म
जो ऽ ऽ	वो हीऽऽऽ	ऽ पाऽऽऽ	ऽऽऽऽ ए गा
×	२	३	×

अंतरा

सां निप,–	मग,म ध
जो ऽऽऽ	ऽऽकि यो
२	३

सां सां सां	नि सां	– सां सां	धनिसांनिसरिं सांगंमं,रें सां	धनिसां मधनि	गम,प म
क र म	वै से	ऽ स ब	होऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽ त	धऽऽ नऽऽ	औऽऽ र
×	२	३	×	२	३

गुम,रे – सा	सामगुधु मनिुधुसां	निुसां,– निुपमगु	मधु–निु प म	
नाSS S म	वैSSS सेSSS	ही S पाSSS	S S S ए गा	
×	२	३	×	

राग - सुहा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आओ रे रंगीला मेरो घर आज
आओ रे रंगीला, मनबसिया पिहरुवा मोरा, रसिक बलमा ।
आयो मौसम सुहावन
अंग अंग उनमाद भरियो रसिया ॥

स्थाई

म	म म पनि प
आ	वो रे ऽऽ रं
	३

सां — — —	— — पनि —	प — — म	म म पनि प
गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽ ऽ	ला ऽ ऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३
सां — निप —	पनि निसां सांरें रेंगं	सां — निप म	म म पनि प
गी — ला ऽ	मेऽ रोऽ घऽ रऽ	आ ऽ जऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३
सां — निप —	प म प म	प — ग गग	म रे — सा
गी ऽ ला ऽ	म न ब सि	या ऽ पि हर	वा मो ऽ रा
×	२	०	३
— सां नि सां	— नि सां रें गं	सां — निप म	म म पनि प
र सि क	ऽ ब ल ऽ ऽ	मा ऽ ऽऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३

अंतरा

म	– पनि – नि	
मौ	ऽ सम ऽ सु	
	३	

सां – – –	सां सां रें सां –	निप – म म	– पनि – नि
हा ऽ ऽ ऽ	व न आऽ ऽ	ऽऽ ऽ यो मौ	ऽ सम ऽ सु
×	२	०	३

सां – सां सां	म – प नि	– सां गं गं	मं रें – सां
हा ऽ व न	अं ऽ ग अं	ऽ ग उ न	ऽ मा ऽ द
×	२	०	३

– नि नि सांरें	– – नि सारेंसां	सांनि प – म	म म पनि प
ऽ भ रि योऽ	ऽ ऽ र सिऽऽ	याऽ ऽ ऽ आ	वो रे ऽऽ रं
×	२	०	३

राग - अडाणा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आवो रिझावो
सब मिलिया मंगल गावो ।
बनरा मोरा घर आया
ब्याहनका दिन आज
धन धन मंगल गावो ॥

स्थाई

— — ध॒ नि॒ सांरें	रेंसा सां,सां नि॒नि॒, नि॒नि॒	पम पम प सां
आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ,ऽ ऽऽ, ऽऽ	ऽऽ ऽऽ वो रि
२	०	३

सां — ध॒ नि॒	प — मप नि॒प	ग॒ ग॒ म रे सा	ग॒ ग॒ म प
झा ऽ ऽ ऽ	वो ऽ सऽ बऽ	मि लिऽ या ऽ	मं ऽ ग ल
×	२	०	३

नि॒नि॒ पम पनि॒ सांरें	रें सां ध॒ नि॒ सांरें
गाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	वो ऽ आऽ ऽऽ
×	२

अंतरा

— — — म	प ध॒ ध॒ नि॒
ब	न रा ऽ मो
०	३

सां – – नि़	धनि़ – नि़ सारें	रें – सां प नि़	सारें रें सां सारें
रा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ घ रऽ	आ ऽ या ब्याऽ	ऽऽ ह ऽ नऽ
×	२	०	३

नि़सां – प नि़	म प ग़ म	रे – सा ^म^ग़	– म – प
काऽ ऽ दि न	आ ज ध न	ध ऽ न मं	ऽ ग ऽ ल
×	२	०	३

नि़नि़ पम पनि़ सांरें	रें सां ध़ नि़ सांरें
गाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	बो ऽ आऽ ऽऽ
×	२

राग - सोहनी, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

ओ नंदललन बेगि आ मिलता जायो
दीज्यो दरस करत पुकार गोविंदा गोपाला ।
दिन रैन हर साँस तेरो नाम
भूल गयो जगत गोविंदा गोपाला ॥

स्थाई

— रे॒ं सां रे॒ं	नि सां (नि)ध सां	सां सांनि म॑ म॑ म॑
ओ नं द	ल ल न बे	गि आऽ मिल ता
२	०	३

ध — ध —	— रे॒ं सां रे॒ं	नि सां (नि)ध —	म॑ — ग — रे॒
जा ऽ यो ऽ	ऽ ओ नं द	ल ल न ऽ	दी ऽज्यो ऽ द
×	२	०	३

सा सा — ग	ग म॑ध — ध	सां — सां ध	नि सांरे॒ं — नि
र स ऽ क	र तऽ ऽ पु	का ऽ र गो	विं दाऽ ऽ गो
×	२	०	३

सां नि ध —	— रे॒ं सां रे॒ं	नि सां ध
पा ला ऽ ऽ	ऽ ओ नं द	ल ल न
×	२	०

अंतरा

— — सां सांनि	म॑ — ध सां	सांनि म॑ — ध
दि न ऽ	रै ऽ न ह	र ऽ साँ ऽ स
२	०	३

रें — सारें नि	सां ध मं गं	—गं रें सां सां	सां सां ध रें
ते ऽ रोऽ ना	ऽ म भू ऽ	ल ग यो ज	ग त गो विं
×	२	०	३

सां रें नि सां	निध रें सां रें	नि सां ध
दा ऽ गो पा	लाऽ ओ नं द	ल ल न
×	२	०

राग - बसंत, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

पिहरवा लादे चुनरिया
ऐसो लादे कि जैसे रंग बसंती ।
जाज्यो रे पिया रंगरेजुवा घर
चुनरी लादे कि जैसे रंग बसंती ॥

स्थाई

		– – – सां	नि ध़ प –
		पि	ह र वा ऽ
		०	३
प – – – मं	गमं– ग मं ध़	सां नि,ध़पप मं प	प – ग मं
ला ऽ ऽ ऽऽ	ऽऽऽ दे चु न	री ऽयाऽऽ ऽ ऐ	सो ऽ ला दे
×	२	०	३
ग – सा म	म नि ध़ सां	निध़पमं गमंध़नि सां सां	नि ध़ प –
की ऽ जै से	रं ग ब सं	तीऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ पि	ह र वा ऽ
×	२	०	३

अंतरा

		– – – मं	ध़ नि सां मं ध़
		जा	ज्योऽ ऽ रे पि
		०	३
सां – सां सां	सां रें़सां रें़,रें़सां निसां–	– ध़ प प	प प ग मं
या ऽ रं ग	रे जुऽ वाऽऽ ऽऽऽ	ऽ घ र चु	न री ला दे
×	२	०	३

ग – सा म	म नि ध़ सां	निध़पमं गमंध़नि सां सां	नि ध़ प –
की ऽ जै से	रं ग ब सं	तीऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ पि	ह र वा ऽ
×	२	०	३

राग - परज, ताल - रूपक, लय - मध्य.

साई आज आयो तोरे मंदर मैं तो
कीजो कृपा मोपे दरस दीज्यो ।
बिपत परी मोपे महाकठिन, आन
बंधाओ धीर तुम मोरे गुसैयाँ ॥

स्थाई

—म ध
साई
३

सां — सां	ध नि	प ध	म प पम	गम ग	—म ग
आ ऽ ज	आ यो	तो रे	मं द रऽ	मैंऽ तो	ऽकी ऽ
×	२	३	×	२	३
रेंसा— — सा	ग मप	म ध	म धनि,सां सां	सां रेंसांनिधमम	गम ध
जोऽ ऽ कृ	पा ऽऽ	मो पे	द रऽ ऽ स	दी ज्योऽऽऽऽऽ	ऽसा ई
×	२	३	×	२	३

अंतरा

म म	धनि, सां सां
बि प	तऽ ऽ प
२	३

सां — —	नि नि	सां म	गं रें सां	सां —	—नि म
री ऽ ऽ	मो पे	म हा	क ठि न	आ ऽ	ऽन बं
×	२	३	×	२	३

नि — ध़ प	प पमं	गम ग	मं ध़ नि	सां रें सांनिध़मंमं	गमं ध़
धा ऽ ओऽ	धी रऽ	तुऽ म	मो रे गु	सै याँऽऽऽऽऽ	ऽसा ई
×	२	३	×	२	३

राग - मालकंस (ख्याल), ताल - एकताल, लय - विलंबित

अंबवा मोर लागे, सब बन आज
नयो रस, नयो फूल, उमंगे चहुँ ओर ।
भँवर मन आनंद, करत गूंजगान
मदभरे फिरत बन चहुँ ओर ॥

स्थाई

— सा	म,धमम,ग —म, धनिध,ग
अं	बवाऽऽऽ ऽमो ऽऽऽ र
३	४

म —,गम—	म —	मधमम,ग गसा	^म^गगम ग	निसा सासा	म,मधमम गम^नि^ध
ला	गे ऽ	सऽबऽऽ ऽऽ	बनऽआ	ऽ ऽ ज न	यो,रऽसऽ ऽन यो
×	०	२	०	३	४

निसां,— धध	म,—मध धनि,—	सांनिनिध,—ध म	—मध, मम ग	निसा सासा	म,धमम,ग
फूऽऽ लऽ	ऽ उऽ मंऽऽ	गेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽचऽहुँऽ ओ	ऽ ऽ र अं	बवाऽऽऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

— गग	मनिध,— —धनि,सांनिध
भँव	रऽऽ ऽमऽ नऽऽ
३	४

		सां सां सां	
सां सां	सां निसां,सां	नि नि निसां	— —निसां , गंगंसां
आ ऽ	नं ऽऽ द	क र तऽ	ऽ ऽगुंऽ ऽ ज ऽ
×	०	२	०

निध–;– निध–;–	म,मधमग सागम,ध
गाSSS SSSS	नमSदS SSभरे
३	४

निसां–;– धध	–म –मध,धनि–	सांनिनिध,ध म
फि SS रत	S ब S न S	SSSSS S
×	०	२

–मधमम मग–;–	निसा सासा	म, धमम,ग
चSहुँS ओSS	SS र अं	बवाSSS
०	३	४

राग - मालकंस, ताल - रुपक, लय - मध्य

मोहे दीज्यो दरस आद महादेव
आंगनमाँ भस्म, हाथमें त्रिशूल, मोरे जगदीश ।
बन गयो जोगी तोरे दरसन को
छांड दियो जगत, नित तेरो नाम, मोरे जगदीश ॥

स्थाई

ग म	ध नि
मो हे	दी ज्यो
२	३

	नि नि				म
सां सां सां	ध ध	—म ग	नि साग— सा	सा ग	मधम ग
द र स	आ द	ऽम हा	दे ऽऽऽ व	आं ग	नऽऽ मा
×	२	३	×	२	३

		नि		नि नि	
मध— — म	ग म	ध निध	नि सां सां	ध ध	—ग ग
भ ऽ ऽ स्म	हा थ	में ऽऽ	त्रि शू ल	मो रे	ऽज ग
×	२	३	×	२	३

		सां
नि साग— सा	ग म	ध नि
दी ऽऽऽ श	मो हे	दी ज्यो
×	२	३

अंतरा

	नि
सां सांनिधध	मग, म ध
ब नऽऽऽ	ऽऽग यो
२	३

नि़सां– – सां	नि़ नि़	सां सां	नि़ सांगु़– सां	सा गु़	–म धु़मगु़–
जोऽऽ ऽ गी	तो रे	द र	स नऽऽ को	छां ड	ऽदि योऽऽऽ
×	२	३	×	२	३

				नि़ नि़	
मधु़– धु़ म	गु़ म	धु़ नि़धु़	नि़सां– – सां	धु़ धु़	–गु़ गु़
जऽ ग त	नि त	ते रोऽ	नाऽऽ ऽ म	मो रे	ऽज ग
×	२	३	×	२	३

नि़ सागु़– सा
दी ऽऽऽ श
×

राग - मालकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

आ रंगीले आ रे घर
हमसंग मिलकर गाओ सूरनको ।
पिया लय सूर न लगे पार
हमसंग मिलकर गाओ सूरनको ॥

स्थाई

		– म म ग॒म ध॒नि॒	सांनि॒ ध॒म ग॒सा नि॒सा
		आऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ रंऽ गीऽ लेऽ
		०	३
नि॒ध॒ – – –	नि॒ध॒ – ग॒ म	ग॒ म ग॒ म	म ध॒ ग॒ म
आ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ घ र	ह म सं ग	मि ल क र
×	२	०	३
सां – – ध॒नि॒	सांनि॒ ध॒ध॒ मग॒ सानि॒	सा म म ग॒म ध॒नि॒	
गा ऽ ऽ ओऽ	ऽ ऽ सूऽ रऽ नऽ	को आऽ ऽऽ ऽऽ	
×	२	०	

अंतरा

		ग॒ म ध॒ नि॒	सां – – –
		पि या ल य	सू ऽ ऽ ऽ
		०	३
सां ध॒ नि॒ ध॒	सां – – सां	साग॒ ग॒म ग॒ सा	ग॒ म ध॒ नि॒
र न ल गे	पा ऽ ऽ र	हऽ मऽ सं ग	मि ल क र
×	२	०	३

सां	–	–	धनि	सांनि	धध	मग	सानि	सा	मम	गम	धनि
गा	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽऽ	सूऽ	रऽ	नऽ	को	आऽ	ऽऽ	ऽऽ
×				२				०			

राग - चंद्रकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कैसे घर आऊँ रे बलमवा
बहत पवन अत जोर, चहुँ ओर
गरज करत, बादल बरसे बूंद ।
मुरवा पपीहा कोयल करे शोर
नयो ऋतुगंध करत बेचैन
तब निकसी मिलन, बादल बरसे बूंद ॥

स्थाई

— — — धमम—	ग ग मध ध	नि सां — ध	मग ग मध म
कैऽऽ	ऽ से घऽ र	आ ऊँ ऽ रे	ऽऽ ब लऽ म
	२	०	३

म — — ध	ध म नि नि	ध सां — सां	नि सांगं सां नि
वा ऽ ऽ ब	ह त प व	न अ ऽ त	जो ऽऽ र च
×	२	०	३

सांनि गंसां ध —	ध म म म	मध मम ग ग	मम ध नि ध
हूँ ऽ ऽऽ ओ ऽ	र ग र ज	कऽ रऽ त बा	दल ब र से
×	२	०	३

ग म —म सागग—	ग ग मध ध
बूं ऽ ऽद कैऽऽ	ऽ से घऽ र
×	२

अंतरा

— — — ध॒	ध॒ —ग॒ म ग॒	मध॒ — ध॒ ग॒म	म मम ध॒ नि
मु	र ऽवा ऽ प	पीऽ ऽ हा कोऽ	ऽ यल क रे
×	२	०	३

सां — सां नि	सां — सांगं॒ सांसां	ध॒ — ध॒ ध॒	नि नि सांगं॒ मंगं॒
शो ऽ र न	यो ऽ ऋऽ तु ऽ	गं ऽ ध क	र त बेऽ ऽऽ
×	२	०	३

गं॒ — सां गं॒	सां नि ध॒ म	मध॒ मम ग॒ ग॒	मम ध॒ नि ध॒
चै ऽ न त	ब नि क सी	मिऽ लऽ न बा	दल ब र से
×	२	०	३

ग॒ म —म साग॒ग॒—	ग॒ ग॒ मध॒ ध॒
बूं ऽ ऽद कैऽऽ	ऽ से घऽ र
×	२

राग - जोग कंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

मंदर तेरो रे आयो
गुरुराज ग्यान दीज्यो आज ।
कछु नाही जानत ग्यान
निरगुन हम ऐसो, गुरुराज द्वार तेरो आयो ॥

स्थाई

— प धनि निध	धप पम म म
मं ऽऽ दऽ	रऽ तेऽ रो रे
०	३

म — — —	मप मम ग —	म प धनि निध	धप पम म म
आ ऽ ऽ ऽ	योऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ मं ऽऽ दऽ	रऽ तेऽ रो रे
×	२	०	३

म — म —	म मग सा साग	ग म म ध ध	ध नि सां प
आ ऽ यो ऽ	गु रु राऽ	ऽ ज ग्याऽ ऽ	न दी ज्यो आ
×	२	०	३

पम गम ध धप	मप धनि,ध ध पम	— प धनि निध	धप
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ आऽऽ ज ऽऽ	मं ऽऽ दऽ	रऽ
×	२	०	३

अंतरा

— — — ग	म निध — नि
क	छु ना ऽ ही
०	३

सां — — —	नि ध ध नि सांगं	गं गं सां सांगं	सांसां निध — ध
जा ऽ ऽ ऽ	न त ग्याऽ ऽऽ	न ऽ ऽ निऽ	र ऽ गुऽ ऽ न
×	२	०	३

म म ग म	म ^मग सा साग	ग म म ध ध	ध नि सां प
ह म ऐ सो	गु रु ऽ राऽ	ऽ ज द्राऽ ऽ	र ते रो आ
×	२	०	३

पम गम ध धप	मप धनि,ध ध पम	— प धनि निध	धप
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ आऽऽ यो ऽऽ	ऽ मं ऽऽ दऽ	रऽ
×	२	०	३

राग - मधुकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

नैन अलसानी भयो मा
सगरी रैन तोरे कारन जागी हूँ तो ।
तोसे न करूं बात मैं
बतादे कहाँ जागे सगरी रैन ॥

स्थाई

– – – ^सा^नि़	– सा ग॒ म॑
नै	ऽ न अ ल
०	३

प – – –	म॑ – ग॒ –	नि़ साग॒ सा ^सा^नि़	– सा ग॒ म॑
सा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ भ ऽ	यो माऽ ऽ नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३
प – – –	म॑ – – –	ग॒ म॑ प नि॒	– प म॑ प
सा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	स ग री रै	ऽ न तो रे
×	२	०	३
सां – नि॒ नि॒	प – म॑ –	ग॒ सा – ^सा^नि़	– सा ग॒ म॑
का ऽ र न	जा ऽ गी ऽ	हूँ तो ऽ नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३

अंतरा

– – – ग॒	म॑ प नि॒ प
तो	से न क रूं
०	३

सां — — —	नि॒प — सांनि॒ —	सां — — सां	नि॒ प म॑ प
बा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ तऽ ऽ	मैं ऽ ऽ ब	ता दे क हाँ
×	२	०	३

सां — — नि॒	— प म॑ प	गु॒ — सा ^{सा}नि़	— सा गु॒ म॑
जा ऽ ऽ गे	ऽ स ग री	रै ऽ न नै	ऽ न अ ल
×	२	०	३

राग - मधुकंस, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत

गुनीजन आयो मंदरवा आज
गायक तंतकार सब मिल
ताल, सूरन की करत बरसात ।
लय सूर गुनी भेद दिखावत
गान तंत अलग अंग सब
सुध राग रूप आनंद देत मन ॥

स्थाई

— — प सां	— नि॒ प म॑	प ग॒ म॑ नि॒
गु नी	ऽ ज न आ	ये मं द र
२	०	३

प — — म॑	प ग॒म॑ प सां	— नि॒ प म॑	प ग॒ म॑ नि॒
वा ऽ ऽ आ	ऽ जऽ गु नी	ऽ ज न आ	ये मं द र
×	२	०	३

प — — —	— म॑ प ग॒	— नि॒ — सा	सा (म॑)ग॒ ग॒ म॑
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ आ ऽ ज	ऽ गा ऽ य	क तं ऽ त
×	२	०	३

प — म॑ प	नि॒ सां सां म॑	— प सां नि॒	प म॑ नि॒ प
का ऽ र स	ब मि ल ता	ऽ ल सू र	न की क र
×	२	०	३

म॑ प म॑ ग॒	नि॒ सा प सां
त ब र सा	ऽ त गु नी
×	२

अंतरा

— — म॑ प	ग॒ ऽ ग॒ म॑	म॑ प नि॒सां सां
ल य	सू ऽ र गु	नी भे दऽ दि
२	०	३

सां — — सां	— सां म॑ प	ग॒ — ग॒ म॑	म॑ प नि॒सां सां
खा ऽ ऽ ब	ऽ त ल य	सू ऽ र गु	नी भे दऽ दि
×	२	०	३

		सां सां	
सां — नि॒प —	म॑ पनि॒ प प	नि॒ — नि॒ सां	— सां नि॒ सांगं॒
खा ऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽऽ ब त	गा ऽ न तं	ऽ त अ लऽ
×	२	०	३

सां सां — नि॒	प म॑ प नि॒	सां नि॒ पम॑ नि॒	— प म॑ प
ग अं ऽ ग	स ब सु ध	रा ऽ गऽ रू	ऽ प आ नं
×	२	०	३

नि॒प ग॒ — सा	नि़ सा प सां
दऽ दे ऽ त	म न गु नी
	२

राग - जयजयवंती, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

रिझाऊ कैसे तोहे आज
सुंदर मुख तेरो काहे मलीन भयो आज ।
मोसे ना समझत सैंया
कौनसी बात भई जो, तोरा मुख मलीन भयो आज ॥

स्थाई

– प़
रि
४

रे –	रे ग	– म	ग रे	ग॒ रे	–,सा प़
झा ऽ	ऊं कै	ऽ से	तो हे	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

रे –	रे ग	– म	ध ग	म ग	रे रे
झा ऽ	ऊं कै	ऽ से	सुं ऽ	ऽ द	ऽ र
×	०	२	०	३	४

रे ग	– म	प –	सां –	– ध	प –
मु ख	ऽ ते	रो ऽ	का ऽ	ऽ हे	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

म –प	–ध पमम–	ग रे	म ग	– रे	–सा सा
म ऽली	ऽ ऽ नऽऽऽ	ऽ ऽ	भ यो	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग म	नि॒ ध
मो से	ना ऽ
३	४

नि सां	– सां	– सां	नि॒ध धप	ग म	नि॒ ध
स म	ऽ झ	ऽ त	सैं ऽ या ऽ	मो से	ना ऽ
×	०	२	०	३	४

नि सां	– सां	– सां	रें ध	नि॒ प	– –
स म	ऽ झ	ऽ त	सैं ऽ	ऽ या	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

प रें	– रें	– रें	रें –,गंमं	गं॒ रें	सां –
कौ ऽ	ऽ न	ऽ सी	बा ऽऽऽ	ऽ त	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

रे ग	– म	प –	सां सां	– ध	प –
भ ई	ऽ जो	ऽ ऽ	तो रा	ऽ मु	ख ऽ
×	०	२	०	३	४

म –प	ध म	ग रे	म –ग	– रे	–सा सा
म ऽली	ऽ न	ऽ ऽ	भ ऽयो	ऽ आ	ऽज रि
×	०	२	०	३	४

राग - बिहारी, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

कारे बादरवा गरजत आये
पिया जो घर ना आये, काहे बरसाओ।
अरज करूं तोसे अब ना बरसाओ
आवेंगे जब पिया मोरा, तब बरसाओ ॥

स्थाई

सां	धनि प –ग प
का	रे ऽ बा ऽद र
	३

म – – –	– मनि –ध नि प	धनि, सां –प म	ग सा –ग ग
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ गर ऽज त	आऽ ऽ ऽये पि	या जो ऽघ र
×	२	०	३
म – म प	– प ध प,धनि सां	धसांरेंगं रेंसांधसां निधप– सां	
ना ऽ आ ये	ऽ काहे ऽबऽ र	साऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽओऽ का	
×	२	०	

अंतरा

सां	सां धसांनिध प ग प
अ	र जऽऽऽ ऽक रूं
	३

धनि,सां – सां ध	सां सारें–सारें गंरें सां	धनिधसां निध,प प सा	ग म प प
तोऽऽ ऽ से अ	ब नाऽऽऽ ऽब र	साऽऽऽ ऽऽऽ ओ आ	वें गे ज ब
×	२	०	३

ग मनि॒ध नि॒पध –प	– पध प,धनि सां	धसांरेंगं रेंसांधसां नि॒धप– सां
पि याऽऽ ऽमोऽ ऽरा	ऽ तब ऽबऽ र	साऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽओऽ का
×	२	०



नवनिर्मित राग और जोड राग

राग - हमीर-केदार (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण ।
वादी - मध्यम ।
संवादी - षड्ज ।
गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - मंप धपम, गम निध, प ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा रे ग म प , ध मं प म , ग म निध सां ।
सां नि ध प मं प म , ग म रे सा ।

(२) सा म ग प मं प ग म ध , सां ।
सां नि ध प मं प सां म , ग म प, ग म रे सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा , सारेगम , रे सा । सारेगम प – – – मं प म गमप ग म रे सा ।

(२) सा म ग प मं ध म , ग म प ग म रे सा । सा रे ग म निध निध प , मं मं प धम , ग प मं ध प , प ग म रे , ग मप , ग म रे सा । रे ग म ध ध सां – – – – सां , रेंसांसांनि ध नि पध प , सांम ग मरे , ग मप , पग मरे सा ।

(३) धपप,ममपधपप सां – – – सां , सारें सां । सां निध निध प , धपप ग मरे , ग मप पग मरे सा ।

(४) धपप गम– मध– , धनि – निसां – – – धनिसारें गंमंरें,सां , रेंसांसां नि ध प , मंपधनि सां नि ध प मं म , ग म निध प , ग म रे सा ।

(५) सामगप मंधप , ग मं^नि^ध , नि ध सां – – – , सरिंसांसां नि ध , नि मं ,
ध ग , म रे , ग मं^नि^ध सां – – – सां , सरिंगंमं रें सां , रेंसांसां नि ध प ,
सां मं , ग मं^नि^ध प , ग म रे सा ।

ताना

(१) सा रे ग म प प , म म प ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(२) सा म ग प मं ध प प , ग म प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(३) प ध प प म म प ध प प , ध नि नि ध प प , ग म रे सा – ऩि सा ।

(४) म म प ध प प , सां रें सां नि ध प मं प , ग म ग ध प प , ग म रे सा ऩि
सा ।

(५) ग म ग ध प प , ध नि ध रें सां सां , सां नि ध प मं प , म म प ध प प ,
ग म रे सा ऩि सा ।

(६) सा म ग प मं ध मं प , ग म ध नि सां रें सां नि ध प मं प , प सां सां सां
ध प , प ध ध ध प प , ग म ग ध प प , ग म रे सा ऩि सा ।

(७) ध प प ग म रे ग म ध प प म म रे सा ऩि सा , ध प प गम रे ग – ग म
– म ध – धनि – निसां , सां नि नि ध प प , ध नि नि ध प प म म , ग म
ग ध प प ग म रे सा ऩि सा ।

(८) म म प ध प प सां रें सां सां , ध नि सां रें गं मं रें सां नि सां , सां रें सां नि
ध प मं प , म म प ध प प सां – नि ध प प , ग मं रे सा ऩि सा ।

राग - हमीर-केदार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

पियाबिन कैसे कैसे रहूँ आज
घर पर जिया डर लागे
उन बिन कैसे कटाऊँ ये रतिया ।
आजा रे सैंया परत नाहीं चैन
धरकत जिया मोरा
तुमबिन कासे करूँगी मैं बतिया ॥

स्थाई

	– ग म –ध निसां	निध– – प धपपम	– म प प
	पिया ऽबि न ऽ	कैऽऽ ऽ से कैऽऽऽ	ऽ से र हूँ
	२	०	३
सां – निध निध	– मं ध –नि रेंसांसां	निध– – प धपपम	– म प प
आ ऽ ऽऽ जऽ	ऽ पिया ऽबि नऽऽ	कैऽऽ ऽ से कैऽऽऽ	ऽ से र हूँ
×	२	०	३
सां – – ध प	– पधपप –म म	– म म –पध पप–	म गम रे सा
आ ऽ ऽ जऽ	घऽरऽ ऽप र	ऽ जिया ऽऽऽ रऽऽ	ला ऽऽ गे ऽ
×	२	०	३
– सासा –म ग	ग प – प प	ध ग – म नि ध –	– धनि ध निसां
उ न ऽबि न	कैऽ ऽ से क	टाऽ ऽ ऊँऽ ऽ	येऽ ऽ र ति
×	२	०	३
रेंसांसांनि – धनिधपप मं	– ग म		
याऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽऽ	पिया		
×	२		

अंतरा

— धपपम — प —प	सां — सां ध
आऽऽऽ ऽजा ऽरे	सैं ऽ या प
०	३

नि सां रें गंमंरें	सां — धप— —	— मम —पध पप—	म गम रे सा
र त ना हींऽऽ	चै ऽ नऽऽ ऽ	धर ऽकऽ त ऽ	जि याऽ मो रा
×	२	०	३

— सासा —म ग	ग प — प प	धग — मध —	— धनि ध निसां
तु म ऽबि न	काऽ ऽ से क	रूँऽ ऽ गीऽ ऽ	ऽ मैंऽ ऽ बति
×	२	०	३

रेंसांसांनि — धनिधपप मं	— मं ध
याऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽऽ ऽ	पिया
×	०

राग - सावनी-केदार (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - संपूर्ण ।
वादी - षड्ज ।
संवादी - मध्यम ।
गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - म ग प मं ध प सां प ध म प ग म प ध मं म ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा म ग ग प मप मप ग म ध प मं म , म प सां ।

सां ध निमं प , सां प ध म प ग मप मप ग सा सा म सा रे सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा म सारे सा , सा ध़ प़ सा सारे सा , सा साप़ ध़म म प़ प़सा सारे सा ।

(२) सा म ग प , पधपप म , मप मप ग सा , म ग प मं ध प , प ध म म मप ग रेसा ।

(३) सा म ग प मं ध प प म ग प पध प , प धम मप ग मप मप ग रेसा , म ग प मं ध निमं प प पध प , मं मं मं मं प धम म प ग गरे सा ।

(४) मगम प पसां , सां निध निमं धम मप ग मध पम मप ग मप मप ग रेसा ।

(५) सा म ग प मं ध म , मप प सां , सां सारिं सां , सां रेंसांसां नि ध प , प पसां म , म मप ग मप मप ग सा ।

(६) पधपप ममपध पप सां , सां सारिं सां , मरें सां रेंसांसां नि ध प , प पसां सां निध निमं धम म मप ग मप मप ग सा ।

(७) रेंसांनिधपप ममपधपप सां , सां सांम मप , गरेसा , सां निध निमंप पपसां धपप म

म मप ग रेसा ।

ताना

(१) सा म ग प म म रे सा नि़ सा , सा म ग प मं ध प प मपमप ग रे सा ।

(२) म म प ध प प म प म प ग रे सा , सा म ग प मं ध प प नि ध प प म प

ग रे सा ।

(३) सा म म म , म प प प , प सां सां सां , सां रें रें रें , सां नि ध प , प सां

सां सां धप , पधधधपप मपपपमम रेसा ।

(४) पप सांसां मंमं रेंरें सां , रें रें सां नि ध प , प नि सां रें सां सां ध प ,

पधधधप , मपमप गरेसा ।

(५) पपधपपममरेसा , पधपप मपमप गरेसा , सरिं सां सां धप पधपप मपमप गरेसा ,

मंमंरेंसां सरिंसांनिधप , पनिसारिं सां सां ध प मप मप गरेसा ।

राग - सावनी-केदार, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ये तेरो रूप कैसे निहारूँ
सब लोग बैठे कैसे देखूं नैन ।
जानोगी तुम मोरा मनवा
छिप कर इक पल देखो मोरे नैन ॥

स्थाई

			– गम,ग –म प
			येऽऽ ऽते रो
			३
सां – प सांनि	ध नि धप प	प पसां,म – मप,ग	– ग,–ग –,मप मप–
रू ऽ प कैऽ	ऽ से ऽऽ नि	हा ऽऽऽ ऽ रूँऽऽ	ऽ सऽब ऽ लो ऽगऽ
×	२	०	३
ग रेसा– सा ग	– म प सांनि–	नि ध प म	मप,ग गम,ग –म प
बै ऽऽऽ ठे कै	ऽ से दे खूँऽऽ	नै ऽ ऽ ऽ	नऽऽ येऽऽ ऽते रो
×	२	०	३

अंतरा

			– धपम,– –प प
			जाऽऽऽ ऽनो गी
			३
सां – सां सां	सां सांगं,– रेंसां,सां सां	सां–सां धपप,म – मप,ग	
तु ऽ म मो	रा ऽऽऽ ऽऽम न	वाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	
×	२	०	

	– ग –ग –मंप मप–
	छिऽप ऽकऽ रऽऽ
	३

ग ग सा सा	– ग म –प सां	नि ध प म	मप,ग गम,ग –म प
इ क प ल	ऽ देखो ऽमो रे	नै ऽ ऽ ऽ	नऽऽ येऽऽ ऽते री
x	२	०	३

राग - हमीर-नंद (जोड-राग).

इस राग में दोनों मध्यम और सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण ।
वादी - धैवत ।
संवादी - गंधार ।
गानसमय - सायंकाल और रात्रि ।

मुख्य अंग - ग म ^नि^ध ^नि^ध प , ग मध प रे सा , ग ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे ग म ^नि^ध ^नि^ध प , प धनि पध मंप ग म ^नि^ध सां । सां नि ध प मं प ग म ^नि^ध , प रे सा , ग ।

स्वर - विस्तार

(१) सा , सारेगम रे सा । सारेगम प , प ग मध प रे सा ग , ग मरे सा ।

(२) सारेगम प , मं मं प , ग म रे , ग म ^नि^ध ^नि^ध प , प धनि ध , पमं , मं पध प , पग , मरे , ग मप ग म रे सा ।

(३) ग म ^नि^ध ^नि^ध , नि प , ध मं , प , ग म रे , ग , म ध ध , प , पधनिध , पमं , प ग मध प रे सा , ग ।

(४) धपप गमपधनि , प , धपप गमरेग मध – निनिध – धनि धप , पध पध पमं , मंप मंप ग , ग मध , प , प ग मरे सा ।

(५) गमपध नि पधमंप ग म ध सां , रेंसांसां नि ध ध नि , धप प ग म ^नि^ध ^नि^ध , रे रे , ^नि^ध ^नि^ध , प , धपपमं , प पग मरे , ग मध प रे सा ग ।

(६) सांनिधपमंपगम ^नि^ध सां , ध नि सां रें गंमं रें सां , सां रेंनि , धप , पधपध नि , प , ध , मं प , ग , ग मध प ग मरे सा ।

ताना

(१) प ध प प गमरेसानि़सा , ग म ध ध प प रे रे सा ।

(२) ग म प ध नि , प ध मं प , ग म ग ध प प , ग म रे रे सा , ग ।

(३) सारे ग म प , ग म ग ध प प , ध नि नि , प ध ध , मं प प , ग म ग ध प
प , रे रे सा ।

(४) ग म प ध नि , प ध मं प ग म ध नि सां , रें सां नि ध प प , प सां नि रें
नि प , ध प मं प , ग म ग ध प प ग म रे सा ।

(५) सा रे ग म प , ग म प ध नि , प ध मं प , ग म नि ध सां , ध नि सां रें गं
मं रें रें सां , रें रें नि नि प प , ध ध पप , ग म – म प – प ध – ध नि –
पधमंप – ग म ग ध प प – ग म रे सा नि़ सा ।

(६) ग म म , म ध ध , ध नि नि , नि सां सां , ध नि नि , प ध ध , मं प प ,
ग म ग म – म प म प – प ध प ध – धनि ध नि – नि ध प प , ग म ध
नि रें सां , नि ध प प ग म , रे ग म ध प प , रे रे सा ।

राग - हमीर-नंद, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

गोरी तोरे मुखपे शाम थिटोना
सोहत अत सुंदर, करूँ तोसे अरज
घूँघट तोरा हटाओ ना ।
साज सिंगार और न करो तुम
सबसे सुंदर सोहत है ये शाम थिटोना ॥

स्थाई

	— ग,—म —ध निसां—	नि धनि प ग	मनिधनि प —रे —सा
	गोऽरी ऽतो रे ऽ	मु खऽ पे शा	ऽऽऽऽ ऽ ऽम ऽथि
	२	०	३

ग — प गम	रे ग,—म —ध निसां—	नि धनि प मं	धनि,धनि प —रे —सा
टो ऽ ना ऽऽ	ऽ गोऽरी ऽतो रे ऽ	मु खऽ पे शा	ऽऽऽऽ ऽ ऽम ऽथि
×	२	०	३

ग — म —	प प — प	गम रे —ग म	प धनि— —प प
टो ऽ ना ऽ	गो री ऽ सो	हऽ त अ त	सुं ऽऽऽ ऽद र
×	२	०	३

— ग म —ध निसां—	नि धनि प ग	म प —प धनि—	सांनि— धप— —प
करूँ ऽतो से ऽ	अ रऽ ज घूं	घ ट ऽतो रा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽह
×	२	०	३

पधनिध पमं— प गम	रे ग,—म —ध निसां—
टाऽऽऽ ऽ ऽ ओ नाऽ	ऽ गो री ऽतो रेऽऽ
×	२ ०

अंतरा

			– धपपग –मध – ध
			साऽऽऽ ऽजऽ ऽसिं
			३

सां – सां ध	नि सां रें सां	निध नि – धप	प गम रे ग
गा ऽ र औ	र न क रो	तुऽ ऽ ऽ ऽऽ	म सऽ ब से
×	२	०	३
म प प ध	नि धप रेंनि –	धप पधनिध पमं– प	– रे – सा
सुं द र सो	ह तऽ हैऽ ऽ	ऽऽ येऽऽऽ ऽऽऽ शा	ऽ म ऽ धि
×	२	०	३
ग – प गम	रे ग,–म –ध निसां–		
टो ऽ ना ऽऽ	ऽ गोऽरी ऽतो रेऽऽ		
×	२		

राग - हमीर-नंद, ताल - एकताल, लय - द्रुत.

सजन आवो रे आवो
तोरे बिन आज मोहे डरवा लागे, लागे रे ।
कारी घटा छाई आज
बरसो ना करत अरज, पिहरुवा ॥

स्थाई

— प	ग म
स	ज न
३	४

ध —	ध नि	सां —	ध नि प	— ध	ग म
आ वो	रे आ	वो ऽ	आऽ वो	ऽ स	ज न
×	०	२	०	३	४

ध —	ध नि	सां —	नि ध	नि प	— प
आ वो	रे आ	वो ऽ	तो रे	ऽ बि	ऽ न
×	०	२	०	३	४

ग म	प धनि.	ध प	ग मध	प रे	— सा
आ ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ज	मो हेऽ	ऽ डर	ऽ वा
×	०	२	०	३	४

ग —	— म	— —	प गम	रे ग	म सां
ला ऽ	ऽ गे	ऽ ऽ	ला गेऽ	रे स	जन ऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

निध पप	ग म	$^{नि}$ध –	नि सां	– सां	– सां
काऽ ऽऽ	री घ	टा ऽ	छा ई	ऽ आ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४

सां सां	– सां	रें गं रें	नि –	–प प	ध –
ब र	ऽ सो	ऽऽ ऽ	ना ऽ	ऽऽ क	र ऽ
×	०	२	०	३	४

नि धप	– प	ध पर्म	प ग	– ग	म प
त ऽऽ	ऽ अ	र ऽऽ	ज ऽ	ऽ पि	ह रु
×	०	२	०	३	४

धनि ध	प –	पग –	ग मध	प रे	– सा
वाऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽऽ ऽ	मो हेऽ	ऽ डर	वा
×	०	२	०	३	४

ग –	– म	– –	प गम	रे ग	म सां
ला ऽ	ऽ गे	ऽ ऽ	ला गेऽ	रे स	जन ऽ
×	०	२	०	३	४

राग - गोरख-बागेश्री (जोड-राग).

यह राग गोरख कल्याण और बागेश्री इन दो रागों के मिश्रण से बना हुआ है। इसमें निषाद कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। यह राग गाते समय तानपुरा पंचम स्वर के बदले मध्यम स्वरमें मिलाना उचित होगा।

जाति - षाडव - षाडव।

वादी - मध्यम।

संवादी - षड्ज।

गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - म प, म प ध रे सा।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे म प ध म ध नि सां :

सां नि ध म, म प ध रे म सारे सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा नि़ नि़ ध़, सा रेसासा नि़ नि़ ध़ ध़ म़ ध़ नि़ नि़ ध़ सा।

(२) सा सारे रे सा नि़ ध़ सा, सारे मरे म सारे सा।

(३) सा रे म, रे प रे म, रे म सा रे, मरेसासा नि़ नि़ ध़ नि़ सा।

(४) सा म, म प, रे म रे म पमम रे, सा नि़ ध़ सा, सा रे म, म रे, सा, साम रेपम, मप, मप ध पमम रे, रेम पम मरे म सा रे सा।

(५) सा रे म मरे रे ^प^म प, रे म, म ध पमम रे म, म रे रे म, म प ध, रे, म म रे सा रे म सा रे सा।

(६) रे म म ध, ध ^प^म, ध म, ध प, ध, प धनि ध, पमम रे म, म प प ध, नि ध प रे, म सारे सा।

(७) ममरे सारे म , धधप मप ध , ध प नि ध , म धपमप मपध म , पमम रे म सा रे , ऩि ऩि ध़ सा ।

(८) सा म प ध , नि ध पमम रे म म ध सांनि सांनि ध सां , सां नि नि ध प ध पधसांनि ध म , म प , प ध निधप रे रे सा ।

ताना

(१) सा रे सा रे म रे सा सा ऩि ध़ सा , रे सा ऩि ध़ सा रे म म रे म रे रे सा ।

(२) म म रे म रे रे सा रे सा सा , सा रे सा रे म म रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(३) सा रे सा रे म म , रे म रे म ध ध , ध प म प म प , ध ध म म रे म रे प म म रे म रे रे सा , सा म म प प ध ध प म म रे प म म रे म रे रे सा , सा रे – रे म – म प – प ध – ध प म म रे , म रे सा सा ऩि ध़ सा ।

(४) म ध नि सां , ध नि ध सां नि ध प म , प ध नि ध प म , रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(५) सारे – रेम , सारे – रेम – म ध , सारे – रे म – म ध – ध नि , सारे – रेम – मध – धनि – निसां , सांनिध सां नि ध प म , प ध नि ध प म , रे म रे प म म रे म रे रे सा ।

(६) सा रे म प , रे म प ध , म ध नि नि , ध नि सां सां , नि सां रें रें सां नि , ध सां नि ध प म , म ध म ध नि सां ध सां नि ध प म , रे प म म रे म रे रे सा ।

(७) म म रे म , ध ध म ध , नि नि ध नि , सां सां नि सां , रें रें सां रें , मं मं रें मं रें रें सां सां , रें रें सां सां नि नि ध ध , सां नि ध प म म , म ध नि सां नि ध प म , रे म रे रे सा ।

राग - गोरख-बागेश्री, ताल - झुमरा (ख्याल),
लय - विलंबित.

दिन रैन जपत तेरो नाम
नाहीं चैन तोरे बिन घनश्याम पिया रे ।
आवो रे आवो, तुम घननील
दरस बिन तरस, रहूँ मैं तो आज पिया रे ॥

स्थाई

म, सारे –
दि न ऽ ऽ

म –म –	रेम–,मध– – निनिध,पध– –सारेंसांसां–	नि –ध –,निसांनि–
रै ऽन ऽ	जऽऽपऽऽ ऽ तऽऽऽऽऽ ऽतेऽरोऽऽ	ना ऽऽ ऽऽऽऽऽ
×	२	०

ध पममरे,–म सारे–,सा –मरे,सासानिध
म ऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽनाऽऽऽहींऽ
३

सा –सा –	रे म ध निसां –पध,पसां–	सांनिनिध,– पम–,म –म
चै ऽ न ऽ	तोरे ऽ बि न ऽघऽनऽऽ	श्याऽऽऽऽ ऽऽऽम ऽपि
×	२	०

रे, प म – मरे–,–म सारे–,सा –म,रे
याऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ ऽ ऽ रे ऽदिन
३

अंतरा

धपमम,रेम –ध,निध	
आऽऽऽऽऽ ऽवोरेऽ	

सां –सां –	नि निसां सां –सां,सांनि	सरिंमेंरें,सांसांनि– –ध –
आ ऽवो ऽ	तु म ऽ ऽ ऽ घ न ऽ	नीऽऽऽऽऽऽऽ ऽल ऽ
×	२	०

धप–,– पध ध –सारें,सांसां–
दऽऽऽ रऽ स ऽबिऽनऽऽ
३

निध पम,म म	– म नि ध सां नि,निसां– –	धपमम,रे –म –म
त र ऽऽस ऽ	ऽ र हूँ मैंतोऽऽ ऽ	आऽऽऽऽ ऽज ऽपि
×	२	०

रेम,पममरे –म सारे—,सा म, सा रे
याऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽऽऽरे दिनऽऽ
३

राग - गोरख-वागेश्री, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

सजत सज घर आयो बना
बनीके घर आज ब्याहन आयो ।
सब घर आनंद बरसत आज
मंगल सूर चहूँ ओर बाजन लागे ॥

स्थाई

म	सारे –म – ध	निसां पध पसां नि
स	जऽ ऽत ऽ स	जऽ घऽ ऽऽ र
	०	३

ध – – मप	म पध,प मरे,– रेम	सारे – म ध	ध धनि सां सां
आ ऽ ऽ योऽ	ऽ बऽऽ नाऽऽ बऽ	नीऽ ऽ के घ	र आऽ ऽ ज
×	२	०	३

प ध सारें सांसां	निनि,ध –,मम रे म
ब्या ऽ हऽ न ऽ	आऽऽ ऽयोऽ ऽ स
×	२

अंतरा

म	म ध – नि	सां – सां सां	नि नि सां रेंसां
स	ब ध ऽ र	आ ऽ नं द	ब र स तऽ
	२	०	३

सांनि,नि ध ध म	– सारे – रे	म म ध ध	धनि सां सां पध
आऽऽ ऽ ज मं	ऽ गऽ ऽ ल	सू र च हूँ	ओऽ ऽ र बाऽ
×	२	०	३

— सारिं सांसां ऩिऩि॒ध	— मम, रे — म	सारे —म — ध	ऩिसां पध पसां ऩि	
ऽ जऽ न ऽ लाऽऽ	ऽ गेऽऽ ऽ स	जऽ ऽत ऽ स	ज ऽ घऽ ऽऽ र	
×	२	०	३	

राग - मारु-बसंत (जोड-राग).

यह राग मारुबिहाग और बसंत इन दो रागों का मिश्रण है । इसमें दोनों मध्यम, धैवत कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - संपूर्ण ।
वादी - पंचम ।
संवादी - षड्ज ।
गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - धुप धुमंप मंग , मं ग , मं ग रे सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा ग मं प नि सां । **या** सा ग मं धु नि सां ।

सां नि धु प मं ग , मं ग रे सा , म म ग

स्वर - विस्तार

(१) सा रे नि़ सा ग , ग रे सा , सा साग मं ग , मं ग रे रे सा ।

(२) सा सारे सानि़ सा , साग म म ग , मं ग रे सा ।

(३) सा ग मं , सा मं मं ग , मं ग रे सा , म म ग , ग मं ग रे , सारे सा ।

(४) सा ग मं मं ग , सा म म ग , मं मं ग प , प मंग मं ग , मं ग रे सा ।

(५) सा ग मं मं ग , प , प धु प , धु मं प मंग मंग मं ग रे सा ।

(६) ग मं नि धु प , धु–धुपमंप मं मं ग , ग मं धु गमं ग मं ग रे सा ।

(७) ग मं प नि नि धु प , धुपमंप मंग मं ग , ग मं नि धु प , धु मं प ग म म ग , नि धु मं ग , मं ग रे सा ।

(८) ग म प नि , नि सां , सां नि धु प मं , पनि सां , सां रें नि सां निधु प , पधुपप , मंग मं ग , ग मं नि मं ग , म धु गमं ग , मं ग रे सा ।

(९) सांनिधपमंप गमपनि सां , सां , सारें सां , नि सां गंरें सां , सां नि ध प , पधपप मं गमं ग , गमंपनि सारें सां , सां नि ध प मंग मं ग , नि ध मं ग , मं ग रे सा।

(१०) सा म ग ग निधप , धप धमंप मंग मंग , गमंपनिसां गं , गं रें सां , रेंनि सां ध प , मंग मंग साम मनि निगं रेंसां, सां नि ध प मं ग , मं ग रे सा।

तानां

(१) ग ग रे रे सा सा , मं मं ग ग रे रे सा सा , सा ग सा ग मं मं ग मं ग ग रे रे सा।

(२) सा ग सा ग मं मं ग ग रे रे सा सा , प ध प मं ग मं ग मं प ध प मं , ग मं ग ग रे रे सा।

(३) मं मं ग ग रे रे सा सा , नि नि ध ध प प , ध ध प मं ग मं ग ग रे रे सा।

(४) सा ग सा ग मं मं – ग मं ग मं प मं – ग मं ग ग रे रे सा , ग मं ग मं प मं – ग मं ग मं ध प – ग ध प ध मं प – ग मं ग , मं मं ग ग रे रे सा।

(५) प ध प मं ग मं प नि नि ध प मं ध प मं प ग मं ग प मं ध प ध मं प ग मं ग , नि ध प मं ग , ध प मं प गमं ग ग रे रे सा।

(६) सा ग मं प ग मं प नि सां , सां नि ध प मं ग मं ग रे सा नि सा , मं ग रे सा ऩि सा सां नि ध प मं प मं ग रे सा ऩि सा।

(७) सा म म म , म नि नि नि , नि गं गं गं , रें सां सां रें सां नि ध प प ध प मं ग मं प नि सां नि ध प प ध प मं ग मं ग ग रे रे सा।

(८) सा ग मं प ग मं प नि पनिसांगं , गं रें सां नि ध प , मं प नि सां सांनि , नि ध प मं ग , मं नि नि ध मं ग , मं ग रे सा ऩि सा।

(९) प ध प मं ग मं ग ग रे रे सा , प ध प मं ग मं प नि नि ध प मं ग मं – ग ग रे रे सा , प ध प मं ग मं प नि सां नि नि ध प मं ग मं ग ग रे रे सा , प ध प मं ग मं प नि सां गं गं रें सां नि सां नि ध प मं प सां नि ध प मं प ग मं ग ग रे रे सा।

राग - मारुबसंत, ताल - झुमरा, लय - विलंबित.

रसिया मदऋत आई है आज
नयो रस गंध, करत जिया मोरा बेचैन ।
भौरा जाओ जाओ, कहियो संदेसा
उनबिन परत नाहीं चैन ॥

स्थाई

| साम गमम,ग रेसा–,–सां निधुपप |
| रसि याऽऽऽ ऽऽऽऽम दऋऽत |
३

| प –म गम–,ग–म | गगरे,– सा सा,सागरे –निसा– |
| आ ऽई है ऽ ऽ | आऽऽऽ ज न योऽऽ ऽरसऽ |
× २

| ग –ग – | ग –मनि,धु प –प | धु– धुप,मप –मग म |
| गं ऽध ऽ | क ऽऽरऽ त ऽजि | याऽऽऽऽऽ ऽमोऽ रा |
० ३ ×

ध
| मम ग सागमधु गम–,गम | गगरे– –सा – |
| ऽऽ ऽ बेऽऽऽ ऽऽऽऽऽ | चैऽऽ ऽन ऽ |
२ ०

| साम,म मप–,ग रेसा–,–सां निधुपप |
| रसिया ऽऽऽ ऽऽऽम दऋऽत |
३

अंतरा

—गमं	—धनिनि	
भौरा	ऽजाऽओ	

सां	—सां	—	निनि	सरिंसां—,नि	सांगरें—,रें	सां	
जा	ऽओ	ऽ	कहि	याऽऽऽऽ	ऽऽऽऽसं	दे	
×			२				

सां	—निध	प,—मं	गमं—,ग	सागमंध	गमं—,ग	—,—मं
सा	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	उनबिऽ	ऽऽऽन	ऽऽप
०			३			

गगरे—,—	—सा	—	सागमम	ग,—नि	निधमंमं	ग,—
रऽऽऽऽ	ऽत	ऽ	नाहीऽऽ	ऽऽऽ	चैऽऽऽ	ऽऽ
×			२			

गगरे—,—	—सा	—	सामं	गमंमं,ग	रेसा—,—सां	निधपप
नऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽ	रसि	याऽऽऽ	ऽऽऽऽम	दऋऽत
०			३			

राग - मारुबसंत, ताल - एकताल, लय - द्रुत

रंग रंग नयो रस रंग आयो, आयो आज
छायो सुरंग बगिया, बन
अत सुगंध मंद मंद, पवनसंग आयो ।
तन मन भरियो आनंद
अंग अंग उमंगे जोबन
सब मिलकर आओ गाओ, गीत बसंत आज ॥

स्थाई

ग –	मंग गरे	सा सा	सारे ग रे	सा म	म नि
रं ऽ	गऽ रंऽ	ऽ ग	नऽ योऽ	र स	रं ग
×	०	२	०	३	४

नि ध॒	प –	प –	प प	म ग म	– ग
आ ऽ	ऽ ऽ	यो ऽ	आ यो	ऽ आऽ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४

ग म	नि नि	ध॒ प	पध॒ पम	ग म	ग ग
छा यो	सु रं	ऽ ग	बऽ गिऽ	या ऽ	ब न
×	०	२	०	३	४

साग गम	मध॒ ग	म ग	मग –	रेसा रे	– सा
अऽ तऽ	सुऽ गं	ऽ ध	मंऽ ऽ	दऽ मं	ऽ द
×	०	२	०	३	४

ग म	ध॒ नि	सां सां	सांनि निध॒	पम ध॒नि	निध॒ पम
प व	न सं	ऽ ग	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ योऽ
×	०	२	०	३	४

अंतरा

ग म	धु नि	सां सां	सां —	सां रें	सां सां
त न	म न	भ रि	यो ऽ	आ नं	ऽ द
×	०	२	०	३	४

पनि —	नि सांगं	— गं	गं मं	गं सां	रें सां
अंऽ ऽ	ग अंऽ	ऽ ग	उ मं	गे जो	ब न
×	०	२	०	३	४

धु सां	नि धु	प प	प —	मंग मं	— ग
स ब	मि ल	क र	आ ऽ	ओऽ गा	ऽ ओ
×	०	२	०	३	४

साग गम	मधु धनि	सां सां	सांनि निधु	पम धनि	निधु पम
गीऽ तऽ	बऽ संऽ	ऽ त	आऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ	ऽऽ जऽ
×	०	२	०	३	४

राग - पट सावनी (जोड-राग).

यह राग पटदीप और सावनी इन दो रागों के मिश्रण से बना हुआ है । इसमें सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - संपूर्ण ।
वादी - पंचम ।
संवादी - षड्ज ।
गानसमय - रात्रि ।

मुख्य अंग - म प नि सां ध प म, मप ग ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा ग म प नि सां ध प म प नि सां ।
सां नि ध प , म प म , म प ग रे सा ।

(२) सा ग म प नि सां ।
सां नि सां ध प , म प नि ध प , म मप ग रेसा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा ग रे सा , सा नि़ ध़ प़ , प़ नि़ सा , साग , गम , मपग मप ग रेसा ।

(२) ग रेसा प म मप ग , ग मप मप ग रेसा , ध प म , मप ग , मपमप गसा , धपमप , निधप , मप , गम , मप , पग , मप ग रेसा ।

(३) गमपनि , धप , ध प म , मपमप नि ध प , पनि पध मप म , मप ग , ग मध प म मप ग गमपमप ग रेसा ।

(४) धप मप नि , प नि नि सां नि ध प , ध म ध प नि , नि सारेंसां नि धप , प धप ध पम प नि नि , ध प , प ध म , म प ग , म प ग रेसा ।

(५) गमपनि सां , पनि नि सारेंसां ^नि^ध प , धपमप मप–नि , नि , सां , रेंसांसांनि नि सांनिसां ध , प , ध म , ध प , नि प , ध म , प ग , ग मप , मप ग रेसा ।

(६) सागमप गमपनि सांगं रेंसां , प नि सां गं , रें सां , रेंसांसां – धपप म , म प ग , गमगम , मपमप, पनिनिसां ध , प , म धप निध प म मप ग मप मप ग रेसा ।

ताना

(१) सा ग म प म प ग रे सा , गम गम मप मप गमप मप गरेसा ।

(२) सागमप धपमप गमपमप गरेसा , धपमप निधप मप गमपमप गरेसा ।

(३) साग गम मप पनि निसां धप मप गमप मप गरे सा , साप मप गमप मप गरेसा , साध पध मप गमप मप गरेसा , साप मप , साध पध मप , मप निसां धप मप गमप मप गरेसा ।

(४) धप धप मप निनि धध पप , धप मप गमप मप गरेसा , धप मप निसां धप , मप , ग म प म प ग रे सा ।

(५) गम गम मप मप पनि पनि निसां निसां , निसां निसां पध पध मप मप , मपप , पधध , मपप , गमप मप गरेसा ।

(६) प नि सां गं सां रें नि सां ध प म प नि सां , रें सां नि सां ध प , प नि नि सां सां गं गं रें सां सां , ध प म प , ग म प , म प ग रे सा ।

राग - पटसावनी ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

ना बरसावो कारे बदरुवा
मंदरवा में ना आयो सैंया ।
उन बिन घायल आज मन मोरा
तब बरसावो घर आयो सैंया ॥

स्थाई

	— पनि—,सारिं सांध —प
	नाSSSS S ब S र
	३

प — प प ध	पध,— निध— पम,प सां	सां धपप,म मप,— गम
सा S वो काS	रेSS SSS SSब द	रू वाSSS SSS SS
×	०	२

	— पनि—,सारिं सांध —प
	नाSSSS S ब S र
	३

प — प —	ग ग ग —मप मप	ग रेसा— सा —	— सा ग म
सा S वो S	S कारे SबS दS	रू SSS वा S	S मं द र
×	२	०	३

प सां सांप— —	ग पम— म पनि—	सारिं— निसां— ध पम—	— पनि—,सारिं
वा में नाSS S	आ SSS यो सैंSS	SSS S S S या SSS	S नाSSSS
×	२	०	३

अंतरा

| – गम –प नि |
| उन ऽवि न |
३

सां – सांसां– – | – प नि –नि सांनि,सां | निध– पम– पनि,ध ध | प गम –प सां |
धा ऽ यलऽ ऽ | ऽ आज ऽम न ऽ ऽ | मोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ रा | ऽ तव ऽब र |
× २ ० ३

सां – धपप,म मप– | ग साग –म प | पनि– सरिं– निसां– ध |
सा ऽ वोऽऽऽ ऽऽऽ | ऽ घ र ऽआ ये | सैंऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ या |
× २ ०

मप– पनि–,सरिं सांध –प |
ऽ ऽ नाऽऽऽऽ ऽब ऽर |
३

राग - नायकी - अडाना (जोड-राग).

यह राग नायकी कानडा और अडाना इन दो रागों का मिश्रण है। इसमें गंधार, धैवत और निषाद ये स्वर कोमल और बाकी स्वर शुद्ध लगते हैं।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण।
वादी - षड्ज।
संवादी - पंचम।
गानसमय - रात्रि।

मुख्य अंग - म प ध़ ध़ नि़ प , ग़ ग़ म , प म रे सा रे , सा।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे ग़ ग़ म नि़ प , म प ध़ ध़ नि़ सां।

सां ध़ ध़ नि़ प , म प ग़ म प म रे सा रे , सा।

स्वर - विस्तार

(१) सा रे नि़ सा , रे ग़ ग़ म रे सा , रे नि़ सा ध़ ध़ नि़ सा।

(२) सा रे ग़ ग़ , मरे सा , ग़ ग़ , ग़म ग़मपम रेसारे — , सा।

(३) ग़ ग़ म नि़ प , नि़ म , प ग़ ग़ , म प ध़ ध़ नि़ प नि़ म प ग़ ग़ , ग़ म ग़मपम रेसा।

(४) नि़ऽनि़पमप नि़पप ग़ ग़ मनि़ प , नि़म प , पध़ ध़ नि़ प , पसां पनि़ प नि़म प ग़ ग़ म रे सा।

(५) ग़ ग़ मनि़ प , म प ध़ ध़ नि़ सां , सां ध़ ध़ नि़ प मपमप मनि़पनि़ पसांनि़सां पनि़ प नि़पप ग़ ग़ मपम रे सा रे — सा।

(६) सा रे ग़ ग़ म नि़ प , नि़पप ग़ ग़ म प ध़ ध़ नि़ सां , ध़नि़सारें , रें सां ,
रेंरेंसांनि़ सां नि़प नि़ प , म पनि़सां गं गं मंरेंसां , सां ध़ ध़ नि़ प , नि़प प ग़
मपम रे सा रे – सा ।

ताना

(१) रे रे सा नि़ सा रे ग़ म रे सा नि़ सा , रे रे सा नि़ सा रे ग़ म प प ग़ म रे सा
नि़ सा ।

(२) ग़ म ग़ म म प म प ग़ म ग़ म प म रे सा रे रे सा , म प म प मनि़ पनि़ म
प म प ग़ म ग़ म प म रे सा रे रे सा ।

(३) ग़ म ग़ म प म रे सा रे सा सा , म प ध़ ध़ नि़ नि़ प म प प म ग़ म म रे
सा नि़ सा , ग़ म प म रे सा नि़ सा , ध़ नि़ सां नि़ ध़ नि़ प प नि़ नि़ प म ग़
म रे सा नि़ सा ।

(४) सा रे ग़ ग़ म प म प मनि़पनि़ पसांनि़सां ध़नि़पप मप पध़ धनि़ पप नि़पमप
ग़मपमरेसा रेरेसा ।

(५) सा रे ग़ म प , म प नि़ प सां , ध़ नि़ सां रें रेंसांनि़सां नि़नि़पम मपमप
मपध़नि़सां सां नि़ प म ग़ म प म रे सा रे रे सा ।

(६) म प म प प प , म प म नि़ नि़ नि़ , प नि़ प सां सां सां नि़रेंरेंरें सांनि़ सां नि़
ध़ नि़ प प , म म म प प प ध़ ध़ ध़ नि़ नि़ नि़ पपमप ग़ म ग़ म प म
रे सा रे रे सा ।

राग - नायकी-अडाणा, ताल - रूपक, लय - मध्य.

रे कैसे जानूँ तोरा मनुवा
सजनवा काहे ना, हम संग करत बतिया ।
चाहे सो बोलो आज मन धोलियो
सजनवा कछु ना राखो आज मनमाँ बतिया ॥

स्थाई

— नि़पप,ग़	म प सां
रेऽऽऽ	ऽकै से
१	२

सां — सां	नि़ सारिंरिं,सां	— —सां
जा ऽ नूँ	तो राऽऽऽ	ऽ म ऽ
×	१	२

सांनि़,ध़ ध़नि़ प	—म प,नि़प	ग़ —ग़ म
नु ऽ ऽ ऽऽ वा	ऽस जनुऽ	वा ऽकाऽ
×	१	२

पमरेसा रे साम	पम प	— प नि़
ऽऽहेऽ ना ऽह	ऽम सं	ऽग क
×	१	२

नि़ सां —नि़	सारिं,सां ध़नि़	पम पस
र त ऽब	तिऽऽ याऽ	ऽरे कैसे
×	१	२

अंतरा

निपप,ग	मध–	–नि प
चाऽऽऽ	ऽऽऽ	हे सो
१		२

सां – सां	नि सां	–रें गंमं,रें
बो ऽ लो	आ ज	ऽम नऽऽ
×	१	२

सां –सां धनि,प	– म प,निप	ग –,गम
थो ऽलि योऽऽ	ऽ स जनऽ	वा ऽकऽ
×	१	२

पमरेसा रे साम	प म प	पनि नि
ऽऽछुऽ ना ऽरा	ऽखो आ	जम न
×	१	२

सां –नि सरिं,सां	सरिं,सां निध,नि	पम पसां
माँ ऽ ब तिऽऽ	याऽऽ ऽऽऽ	ऽरे कैसे
×	१	२

राग - प्रतीक्षा.

श्री. हृदयनाथ मंगेशकरजी ने स्वरबद्ध किये हुओ 'मालवून टाक दीप' इस मराठी भावगीत से प्रेरणा लेकर इस राग का जन्म हुआ है । इस रागमें धैवत कोमल और बाकी सभी स्वर शुद्ध लगते हैं ।

जाति - ओडव - ओडव ।
वादी - धैवत ।
संवादी - गंधार ।
गानसमय - प्रातःकाल ।

मुख्य अंग - प , ध़ सां प ध़ ग प , रे ग रेसासा ध़ सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

(१) सा रे ग प ध़ सां । सां प ध़ ग प रे ग , रे सा सा ध़ सा ।

(२) सा रे ग प , रे प ग , ग प ध़ , ध़ सां ।
सां प ध़ , ग प , रे ग , रे सा सा ध़ सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा , ध़ ध़ सा , सा सारे रेसासा ध़ ध़ सा ।
सा रे ग , प रे ग , गऽरे सा ध़ , ध़ रे सा ।

(२) सा रे ग प , प ध़ , ध़ प ग , रे ग प रे प ग , ग रे सा सा ध़ सा ।

(३) रे ग प रे प ग , ग ध़ ध़ प , प ध़ सांप ध़ ध़ प ग प प ग रे ग ग रे सा सा ध़
ध़ सा ।

(४) ग प ध़ सां , रेंसांसां ध़ प , पध़पध़ सां , प ध़ प ध़ ग ध़ प , ध़ प ग प रे
ग , ग रे सा ध़ रे सा ।

(५) धपपगप–पध–धसां , सां सारें , रेंसांसां ध ध सां , सां रें गं रेंसांसां ध ध प , प ध सां प ध , ग प , रे ग , ध प ग , ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(६) सारेगप रेगरेप गपध सां , प ध सां रें रें , सां रें गंरें सां रें , गंपं गं , रें सां , रें सां – प ध सां ध प , ध प ग , रे ग प रे प ग , ग रे सा सा ध़ सा ।

ताना

(१) सा रे सा रे ग रे सा सा ध़ , ध़ सा सा रे रे ग ग रे सा सा ध़ , प ध़ प ध़ सा ।

(२) ग रे सा रे ग प रे ग रे प ग , ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(३) सा रे ग प ध ध प प ग , ध ध प प ग प रे ग , रे ग प ध प प ग प रे ग , ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(४) प ध प प , ध ध प प ग , ग प प ध ध सां , प ध प ध सां सां , ध ध प प धपप गप ग ध प प ग प रे ग , ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(५) ग प प ध ध सां , सां रें गं रें सां सां , रें सां सां ध ध प प ग ग रे रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(६) प ध ध , ध सां सां , सां रें रें , रें गं गं , गं रें सां सां ध ध प प , प सां सां , प ध ध प प ग , ग प ग ध प प ग प रे ग , ग रे सा सा ध़ ध़ सा ।

(७) सा रे ग प , ग प ध सां , ध सां रें गं , रें गं पं रें गं रें पं गं , रें सां सां ध प ध सां , प ध प सां ध ध प प ग , रे ग प रे ग रे प ग रे सा सा ध़ सा ।

राग - प्रतीक्षा, ताल - झपताल, लय - मध्य.

रंग लाल नभ छायो है
बीत गई सारी रैन, सूरज निकसत
पिया तुम क्यों न आये ।
भयो निठुर काहे पियारे
तरसाय रही सारी रैन
पिया तुम क्यों न आये ॥

स्थाई

– – सांसां
रं ग
३

सांप,ध़ –	ध़ – पध़	पग,–रेग –	पप, प,ध़रें रेंसां
लाऽऽ ऽ	ल ऽ नभ	छाऽऽऽ ऽ	योऽ है ऽ रंग
×	२	०	३

सांप,ध़ –	ध़ – पध़	पग,–रेग –	प – प
लाऽऽ ऽ	ल ऽ नभ	छाऽऽऽ ऽ	यो ऽ है
×	२	०	३

ध़ –	ध़ ध़ प	प ध़	प पग ग
बी ऽ	त ग ई	सा री	रै ऽऽ न
×	२	०	३

गप रे	ग – रेसासा,ध़	सा सा	सा –सा सा रे
सूर ऽ	ज ऽ ऽऽऽऽ	नि क	स ऽत पिया
×	२	०	३

गप– –	प ^सां^ध़ ध़सां	सां सांपध़,रेंसांरें	गंरें,गं रेंसांसां,ध़ –सांसां
तु ऽ ऽ	म क्यों ऽऽ	न आऽऽऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽये रंग
×	२	०	३

अंतरा

–ग प ध़ सांसां
भ योनि तु र
३

सां ऽ	सां – प ध़	सरिंरिं,सां –ध़	प – सांसां
का ऽ	हे ऽ पिया	रेऽऽऽ ऽऽ	ऽ त र
×	२	०	३

सांप,ध़ –	ध़ ध़ प	प ध़	प पग,ग सा रे
साऽऽ ऽ	य र ही	सा री	रै ऽऽन पिया
×	२	०	३

गप– –	प ध़ ध़सां	सां सांपध़,रेंसांरें	गंरें,गं रेंसांसां,ध़ –सांसां
तु ऽ ऽ	म क्यों ऽऽ	न आऽऽऽऽऽ	ऽऽऽ ऽऽऽये रंग
×	२	०	३

राग - प्रतीक्षा, ताल - त्रिताल, लय - द्रुत.

कैसे कैसे आऊँ, आऊँ रे (पिया रे)
गरजत घन अत जोर ।
चहुँ ओर नीर बरसन लागे
उनमत समीर करत शोर ॥

स्थाई

- - - सां	सां प ध॒सां ध॒
कै	से कै ऽऽ से
०	३

ध॒ - - -	प - प ध॒	पग प ध॒ सां	सां प ध॒सां ध॒
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ आ ऊँ	रेऽ ऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

ध॒ - - -	प - प ग रे	ग - - ध॒	प ग - ग
आ ऽ ऽ ऽ	ऊँ ऽ पि याऽ	रे ऽ ऽ ग	र ज ऽ त
×	२	०	३

प प ध॒सां सां	पध॒सां ध॒सांरें सांरेंगं रेंगं,-	रेंसांसां ध॒ - सां	सां प ध॒सां ध॒
घ न अऽ त	जोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ	रऽऽ ऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

अंतरा

- - - सां	सां प ध॒ - ध॒
च	हुँ ओऽ ऽ र
०	३

सां – सां प	ध़ सांरें – रें	रें सां ध़ध़ प सां	प ध़ प ग
मी ऽ र ब	र सऽ ऽ न	लाऽ ऽऽ गे उ	न म त स
×	२	०	३

प रे ग ग	ग पध़सां, ध़सांरें सांरेंगं	रेंगं– रेंसांसां ध़ सां	सां प ध़सां ध़
मी र क र	त शोऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ रऽऽ ऽ कै	से कै ऽऽ से
×	२	०	३

राग - आराधना.

श्री. श्रीनिवास खळेरचित 'या चिमण्यानो परत फिरा रे' (फिल्म - जिव्हाळा) इस मराठी भावगीत के कुछ खास स्वरसमूहों से प्रेरणा लेकर इस राग का निर्माण किया गया है । इस राग का स्वरूप गंभीर है । इस रागमें रिषभ और धैवत कोमल तथा मध्यम तीव्र है ।

जाति - षाडव - षाडव ।
वादी - गंधार ।
संवादी - निषाद ।
गानसमय - सायंकाल ।

मुख्य अंग - ग मे धु , नि धु मे ग , ग रे सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

नि रे ग मे धु नि सां । सां नि धु मे ग , ग रे सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा नि रे ग , ग रे सा , नि रे ग , ग गमे ग , ग रे सा ।

(२) नि रे ग नि ग , ग गमे ग , धु मे ग , ग रे सा ।

(३) नि रे ग मे धु मे ग , धु मे ग रे सा , नि रे ग मे, धु ऽ धु मे ग मे धु मे ग , ग रे सा ।

(४) ग मे धु नि , मेधुमेनिधु मे ग , नि धु मे ग , धु मे ग , ग रे सा ।

(५) ग मे धु नि नि निधु धुमे मेग गमेधुनि मेधमेनि धु मे ग , धु मे ग , ग रे सा ।

(६) निरेगमेधुनि नि धु मे ग , मे धुनि सां , सां धुनि रें नि धु मे ग , नि धु मे ग , धु मे ग रे सा ।

(७) गमेधुनिरेंगं रें सां , सां सांनि धुनि रें नि धु मे ग , ग मेध मे धुनि धु मे ग , धु म ग , ग रे सा ।

ताना

(१) नि़ रे॒ ग म॑ रे॒ ग रे॒ म॑ ग , म॑ म॑ ग ग रे॒ रे॒ सा ।

(२) म॑ म॑ ग म॑ ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग ग , ग ग रे॒ रे॒ सा ।

(३) नि़ रे॒ ग म॑ रे॒ ग रे॒ म॑ ग , ग म॑ ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , ग म॑ ध॒ नि म॑ ध॒ म॑ नि ध॒ ध॒
म॑ म॑ ग , नि नि ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , ग ग रे॒ रे॒ सा ।

(४) नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ नि म॑ ध॒ म॑ नि ध॒ , नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ ग म॑ ध॒ म॑ ग , ग रे॒
नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि – नि ध॒ म॑ ग , ध॒ म॑ ग , ग ग रे॒ रे॒ सा ।

(५) नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि नि ध॒ म॑ ग , म॑ ध॒ नि सां , रें॒ नि ध॒ नि ध॒ म॑ ग म॑ ध॒ नि
नि ध॒ म॑ ग , म॑ ध॒ ग म॑ ग , ग ग रे॒ रे॒ सा ।

(६) नि़ रे॒ ग म॑ ध॒ नि रें॒ गं , गं गं रें॒ रें॒ सां , रें॒ रें॒ नि नि ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , नि नि ध॒
ध॒ म॑ म॑ ग , ध॒ ध॒ म॑ म॑ ग , ग ग रे॒ रे॒ सा ।

राग - आराधना, ताल - त्रिताल, लय - मध्य.

आज कैसे पाऊँ, कैसे पाऊँ तोरे दरसन
शिव शिव शंकर, जपत तेरो नाम ।
बन गयो जोगी तोरे दरसन
छांड दियो जगत नित तेरो नाम ॥

स्थाई

– सासा –मं –ग			
आज ऽकै ऽसे			
३			

ग – ग –	– – मं मं	धृ,धृमं गमधृ,– मग,– रेसा–	सा सासा –मं –ग
पा ऽ ऊँ ऽ	ऽ ऽ कै से	पाऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऊँ आज ऽकै ऽसे
×	२	०	३
ग – ग –	– गमं –धृ नि	मंधृमनि धृ मं,–धृ गमं,–	ग सासा –मं –मं
पा ऽ ऊँ ऽ	ऽ तोरे ऽद र	सऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	न शिव ऽशि ऽव
×	२	०	३
मं – ग ग	– गमं धृनि नि	रें,–नि धृनि,–धृ मंधृ,–मं गमं,–	ग सासा – –
शं ऽ क र	ऽ जप तते रो	ना ऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ	म आज – –
×	२	०	३

अंतरा

– गग –मं धृ			
बन ऽग यो			
३			

नि – नि –	– सांनि –मं धृ	धृनि सां नि –	– धृ धृमं धृ
जो ऽ गी ऽ	ऽ तो रे ऽद र	सऽ ऽ न ऽ	ऽ छां ऽदि यो
×	२	०	३

ग मंधृ,मं ग –	– ग मं –धृ नि	रें,–नि धृनि,–धृ मंधृ,–मं गमं,–	ग सासा
ज गऽऽ त ऽ	ऽ नित ऽते रो	ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	म आज
×	२	०	३

राग - त्रिवेणी (तोडी अंग).

इस रागमें दोनों धैवत और रिषभ, गंधार तथा निषाद ये स्वर कोमल लगते हैं । यह राग बिलासखानी तोडी, कोमल-रिषभ-आसावरी और अहिर भैरव इन तीन रागों का मिश्रण है ।

जाति - संपूर्ण - संपूर्ण ।
वादी - षड्ज ।
संवादी - पंचम ।
गानसमय - प्रातःकाल ।

मुख्य अंग - म ध प नि ध म ग रे सा ।

आरोह - अवरोह - स्वरूप

सा रे नि सा रे ग , रे म प ध नि ध म प ध नि सां ।

सां नि ध प म ध प नि ध म ग रे सा ।

स्वर - विस्तार

(१) सा रे नि ध नि रे सा , सा रे नि सा रे ग , ग रे नि ध निरे सा ।

(२) सा रे नि सा रे ग , रे ग म पमम ग , ग रे नि ग रे सा , रेसासा नि ध प , ध नि सा गरे सा ।

(३) सा रे ग म पमम ग रे म प , निध निध पम पम ग ग रे रे म प धम ग रे , नि ग रे सा ।

(४) सा रे ग म रे म प , साधपध मपगम पमम ग रे म प , ध नि ध म ग रे सा ।

(५) रे म प ध नि ध , निधमपधनि ध निधध म पमम ग मगग रे म प , ध म ग रे नि सा ।

(६) सा रे म प ध नि ध नि ध म ग रे म प म ध प नि ध , म ग रे ग रे नि ग रे सा ।

(७) रे म प म प ध नि , नि ध म ग रे म प , म प ध नि सां , नि ध प म ,
म ध प नि ध म पमम ग , रे म प ध नि ध म ग रे सा ।

(८) धपमप मपधनि सां , रें , रेंसांसां नि ध नि रें सां रें सां नि ध प म , म ध प नि
ध सां नि ध म ग रे , रे म ध म ग रे , ग रे सासा नि ग रे सा ।

(९) सारेमप ध मपधनि , सां , धनिसारें गं , गं रें नि सां रें नि सां रें गं , गं रें नि ध
प पधनिसां सां नि ध प म , म ध प नि ध म ग रे , ग रे नि ध नि रे सा ।

ताना

(१) सा नि ध नि ध नि सा रे ग ग रे रे सा , रे रे सा नि सा रे सा रे ग ग रे रे
सा , सा रे सा रे ग म रे ग रे रे सा ।

(२) रे रे सा नि सा रे रे ग ग म प म ग ग रे रे सा , सा रे रे म म प प ध म म ग
ग रे रे सा , सा रे सा रे ग ग रे म पप म प ध नि ध ध म म ग ग रे रे सा ।

(३) सा रे सा रे ग ग सा रे म म सा ध प ध म प ग म म प ध नि ध ध नि नि
ध ध म म ग ग रे रे सा ।

(४) रे म प ध म प ध नि ध ध , सा रे रे म म प प ध ध नि ध ध , म ध प नि
ध ध म म ग ग रे रे सा ।

(५) रे रे सा नि सा रे सा रे ग म , सा रे म म रे म प प म प ध नि ध ध म ध
प नि ध सां नि नि ध ध म म ग ग रे रे ग ग म म , रे रे ग ग रे रे सा ।

(६) सा रे रे म म प प ध , म प प ध ध नि नि सां सां नि ध प म म , रें रें सां नि
नि ध ध प प म म , म प म ध प नि ध सां नि नि ध ध म म ग ग रे रे सा ।

(७) सा रे सा रे ग ग रे रे सा , म प म प ध नि ध ध म म , सां रें सां रें गं गं रें
रें सां , रें रें सां सां नि नि ध ध प प म म , म प प , प ध ध , ध नि नि ,
नि सां सां सां नि ध प म म , म प प प , प ध ध ध , ध नि नि नि ध ध म
म ग ग रे रे सा ।

राग - त्रिवेणी, ताल - झपताल, लय - मध्य.

निंदिया न आयो शाम मोहे
मंदर बैठी अकेली तोरी राधा ।
आवो बेगी प्रीतम मनमोहन
अरज करूं तोसे
तोरे बिन अकुलाय तोरी राधा ॥

स्थाई

सा सा	सा,रेग रेसा रेनि
नि दि	याऽऽ नआ ऽयो
०	३

सा सा	रेम,– प,पध निधधम	मगगरे रेसा,सा	सा,रेग रे सा रेनि
शा ऽ	मऽऽ मोहेऽ तोऽरेऽ	बिऽनऽ निंऽदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३

सा –	रेम– पमम,ग रेसा	सा –	सां – सां
शा ऽ	मऽऽ मोऽऽऽ ऽहे	मं ऽ	द ऽ र
×	२	०	३

सां,सांनि धध	निनि सां,सारें रेंसां,निसां	निसां,– –	निध– पम,– म
बै ऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽऽ ठीऽअऽ	केऽऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ली
×	२	०	३

मधपनि धसां,नि	–ध मग रे	सा सासा	सा,रेग रेसा रेनि
तोऽऽऽ ऽऽरी	ऽरा ऽऽ ऽ	धा निंदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३

अंतरा

			— धु धुम,प —ध
			ऽआ बोऽबे ऽगी
			३

निसां— —	सां — सां	सांनिनिध प,धप	म,पमम गुरे सासा
प्रीऽऽ ऽ	त ऽ म	मऽनऽ मोहऽ	नआऽऽ रज करूं
×	२	०	३

साधुपधु मप,गु	म — पधध	निसां— सां	रेंसां निनिध—,— पम,म
तोऽऽऽ ऽऽऽ	से ऽ तोरे	बिऽऽ न	अकु लाऽऽऽऽ ऽऽय
×	२	०	३

मधपनि धसां,नि	—धु मगु रे	सा सासा	सा,रेग रे सा रेनि
तोऽऽऽ ऽऽरी	ऽरा ऽऽ ऽ	धा निंदि	याऽऽ नआ ऽयो
×	२	०	३



उपशास्त्रीय संगीत

राग - पंचम से गारा, ताल - दादरा, लय - मध्य.

सैंया ना जारे सैंया ना जारे
तोरे नैन फेरावो
सुनले मैं करत पुकार ।
छांड कैसे जात, याद करो आन
भूल कैसे गयो रे ॥

स्थाई

– – –	– साग ग प
	सैंऽ याऽ
×	o

नि,निध पधनिध –	ग रेग प	सां,सांनि धनिसांनि –ध	पग गप धसां
नाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ	जा रेसैं या	ना ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽऽ	जा रेतो रे ऽ
×	o	×	o

सांनिनिध – प	मप,– मग,– म	प – –	प – –
नैऽऽऽ ऽ ऽ	नऽऽ ऽऽऽ फे	रा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	o	×	o

प नि नि	– नि –	नि नि –	सां नि सां
सु न ले	ऽ मैं ऽ	क र ऽ	त ऽ पु
×	o	×	o

ध नि प ध	सांनि रेसां निसां	सांनिनिध नि धप	– साग ग प
काऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ	रऽऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ सैंऽ याऽ
×	o	×	o

अंतरा

– – –	ग गप धनि,सां
	छां डकै सेऽऽ
×	०

सां – निध,–	नि धप प	– प नि	नि नि –
जा ऽ ऽऽऽ	ऽ ऽऽ त	ऽ या द	क रो ऽ
×	०	×	०

सांरेंसांसां नि धप,–	धसांनिनि –ध –	ग –ग ग	प – प
आऽऽऽ ऽ ऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽन ऽ	भू ऽल कै	से ऽ ग
×	०	×	०

धनि सांनि सां	सांनिनिध पग प	नि,निध पधनिध –	प गप प
योऽ ऽ ऽ ऽ	रेऽऽऽ ऽसैं या	नाऽऽ ऽऽऽऽ ऽ	जा रेसैं या
×	०	×	०

राग - पंचम से गारा, ताल - दादरा, लय - मध्य.

कहे गये वो आऊँ मैं, अब तक ना आये
मैं तो बैठी हूँ अकेली ।
ऋतु बरखा आई है आज
कर बैठी सुंदर साज
तुम्हरे मिलन लागी आस
तोरे बिन सैंया, बैठी हूँ अकेली ॥
धिर आये बदरुवा, धरकत मोरा कलेजवा
मोहे डरवा लागे आज घरवा
तोरे बिन सैंया, बैठी हूँ अकेली ॥

स्थाई

नि नि नि	सां – सां	निध,– सांनि,– निध,प	– – –
क हे ग	ये ऽ वो	आऽऽ ऊँऽऽ मैंऽऽ	ऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

पनि –नि नि	सां – –	सांनि ध –	सांनि,– धप,– –
अब त क	ना ऽ ऽ	आऽ ऽ ऽ	येऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०

म प धसां,नि	ध [प] ग म	प – –	प – –
मैं तो बैऽऽ	ठी हूँ अ	के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा - १

प नि नि	नि सां –	नि सारें,– सां	नि धप,– प
ऋ तु ब	र खा ऽ	आ ईऽऽ है	आ ऽऽऽ ज
×	०	×	०

नि नि नि	– सां –	धनि,– पध,– निरें,सां	सांनिनिध – प
क र बै	ऽ ठी ऽ	सुंऽऽ दऽऽ रऽऽ	साऽऽऽ ऽ ज
×	०	×	०

नि नि नि	– सां सांनि	ध सांनि– निध,प	– पग म
क र बै	ऽ ठी सुंऽ	द रऽऽ साऽऽ	ऽ जतु म्ह
×	०	×	०

प – मं	प – प	मं प सांध धप	मंप,– पग,– म
रे ऽ मि	ल ऽ न	लाऽ ऽऽ गीऽ	आऽऽ ऽऽऽ स
×	०	×	०

ध ध ध	ध ध निरें,सां	सांनि,नि – प	प ग म
तो रे बि	न सैं ऽऽऽ	याऽ ऽ ऽ बै	ठी हूँ अ
×	०	×	०

प – –	प – –
के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०

अंतरा - २

प नि नि	— सां —	नि ध सांनि—	निध,प — —
घि र आ	ऽ ये ऽ	ब द रुऽऽ	वाऽऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

प नि नि	नि निसां ग	ग प प ध सारें,सां	सांनि,नि ध प
थ र क	त मो रा ऽ	कऽ लेऽ जुऽऽ	वाऽ ऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

पनि —नि नि	नि सां —नि	निध सांनि निध,प	— —ग म
थ र ऽक त	मो रा ऽक	ले जु वाऽऽ	ऽ ऽमो हे
×	०	×	०

प —प मं	प — प	मं प सारें,सां ध प	मंप —ग म
ड ऽर वा	ला ऽ गे	आऽ ऽऽऽ जऽ	घऽ ऽर वा
×	०	×	०

ध ध ध	ध ध निरें,सां	सांनि,नि — प	प ग म
तो रे बि	न सै ऽऽऽ	याऽऽ ऽ बै	ठी हूँ अ
×	०	×	०

प — —	प — —
के ऽ ऽ	ली ऽ ऽ
×	०

राग - मांजखमाज, ताल - दादरा, लय - मध्य.

(मध्यम ग्राम).

दूर जाऊं नैया, संग मोरा दैया
गंगामैया ले चल किनारा ।
एक मन सुखिया, एक मन दुखिया
नयो देस जाऊं मैं तो, छांड मोरी मैया ॥
बीच मझधार डोले मोरी नैया
साथ बहत पवन पुरवैया
फिर जब आऊं मैं तो, भूल न जावो मैया ॥
भव के तरैया, दुख के हरैया
ऐसी पार लगा दे, मोरी संसार नैया ॥

स्थाई

प़ नि़ रे –रे	ग ग –	ग म ग –म	रे गम,ग रे
दू रजा ऽऊं	नै या ऽ	सं गमो ऽरा	दै याऽऽ ऽ
×	०	×	०

प़ नि़ रे –रे	ग ग –	नि़ रे ग मप	म –ग रे
दू रजा ऽऊं	नै या ऽ	सं गमो राऽ	दै ऽया ऽ
×	०	×	०

नि़ –सा –	रे –ग –	पममग –रेसा –सा	सा –गरे सानि़–
गं ऽगा ऽ	नै ऽया ऽ	लेऽऽऽ ऽचल कि	ना ऽराऽ ऽऽऽ
×	०	×	०

अंतरा - १

प़प़ –सा सा	रे ग – रे –	म ग –सा सा	सासा –सा –
एक ऽम न	सुखि ऽया ऽ	एक ऽम न	दुखि ऽया ऽ
×	०	×	०

गग –ग –ग	ग म –ग रे	नि़ रे ग मंप	म –ग रेग
नयो ऽदे ऽस	जाऊं ऽमैं तो	छां ऽमो रीऽ	मै ऽया ऽऽ
×	०	×	०

अंतरा - २

प़ नि़रे ग	रे – –ग	म ग –सा सा	सा –सा –
बी चम झ	था ऽ ऽर	डोले ऽमो री	मै ऽया ऽ
×	०	×	०

ग –ग –ग	मप,– प –ध	नि़ध –म ग	ग – ग –
सा ऽथ ऽब	हऽऽ त ऽप	व न पु र	वै ऽया ऽ
×	०	×	०

गग –ग –ग	ग म –ग रे	प,–प रे म ग	रे गम,ग रे
फिर ऽज ऽब	आऊं ऽमैं तो	भूऽल नजा वो	मै याऽऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा - ३

गग –ग मरे	प –प –	मम –प –थ	निथ प म ग
भव ऽके ऽत	रै ऽया ऽ	दुख ऽके ऽह	रै ऽ ऽया ऽ
×	०	×	०

ग –ग –	ग –म ग	रे ग रे	निरे रे ग मप
ऐ ऽसी ऽ	पा ऽ र ल	गा दे ऽ	मोऽ रीऽ ऽऽ
×	०	×	०

म –म –ध	म –ग –	नि –सा –	रे –ग –
सं ऽसा ऽ र	नै ऽया ऽ	गं ऽ गा ऽ	मै ऽया ऽ
×	०	×	०

राग - मांज खमाज (मध्यम ग्राम), ताल - दादरा (झुला).

आवो सब सखियन झूलन बंधावो
झूलन सजावो, झूलन बंधावो ।
कारे बदरू आवन, नील नभ छावन
झर आयो सावन, झूलन बंधावो ॥१॥
सखी री सजावो मोहे, बिंदिया लगावो
गोरे गोरे हाथोंमें मेहेंदी रचावो
कारे कारे बालोंमें गजरा बंधावो ॥२॥
बन गयो झूलन, राधा लागी गावन
सखी आयो प्रीतम, झूलन झुलावो ॥३॥

स्थाई

– प़ नि़	– रे रे	रे ग –	ग पमम ग	रे म ग	– सा सा
आ वो	स ब	स खी	य नऽऽ ऽ	ऽ झू ल	ऽ न बं
×	०	×	०	×	०

सा – –	सा – –
धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

– ग ग	ग – –	म – –	ग रे सानि़ साग	रे म ग	– सा सा
झू ल	न ऽ स	जा ऽ ऽ	वोऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ झू ल	ऽ न बं
×	०	×	०	×	०

सा – –	सा – –
धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

अंतरा १

— प़ नि़	रे ग म	ग — —	ग ग —	— म ग	— रेग नि़
का रे	ब द रू	आ ऽ ऽ	व न ऽ	ऽ नी ल	ऽ नऽ भ
×	०	×	०	×	०

सा गरे —	रे रे —
छा ऽऽ ऽ	व न ऽ
×	०

— ध़ नि़	रे रे —	रेग — —	मधप म गरे	— म ग	— सा सा
झ र	आ यो ऽ	साऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ व नऽ	झू ल	ऽ न बे
×	०	×	०	×	०

सा — —	सा — —
था ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०

अंतरा २

म ग —	रे ग नि़	सा ग रे	रे रे —
स खी ऽ	री ऽ स	जा वो ऽ	मो हे ऽ
×	०	×	०

म ग —	रे ग नि़	सा ग रे	रे रे —
बिं दि ऽ	या ऽ ल	गा वो ऽ	मो हे ऽ
×	०	×	०

नि़ नि़ —	सा नि़ —	सारे गरे सा	रेम ग रे
गो रे ऽ	गो रे ऽ	हाऽ ऽऽ ऽ	थोऽ में ऽ
×	०	×	०

— ग़ रे	ग़ सा सा	सा — —	सा — —
ऽ मे हैं	ऽ दी र	चा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

— ग ग	— ग ग	ग रे पम ग	ग रे —
का रे	का रे	बाऽ ऽऽ लो	में ऽ ऽ
×	०	×	०

— म ग	— सा सा	सा — —	सा — —
ग ज	ऽ रा बं	धा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

अंतरा २.३

— ग़ रे	— म म	पं — —	पं पं —
ब न	ऽ ग यो	झू ऽ ऽ	ल न ऽ
×	०	×	०

— म म	— पं पं	मपं धंपं धं	म ग रे
रा धा	ऽ ला गी	गाऽ ऽऽ ऽ	व न ऽ
×	०	×	०

— ग ग	— ग म	— मध प	ग़ रे ग
स खी	ऽ आ यो	ऽ प्रीऽ ऽ	त म ऽ
×	०	×	०

म ग —	— सा सा	सा — —	सा — —
झू ल ऽ	ऽ न झु	ला ऽ ऽ	वो ऽ ऽ
×	०	×	०

राग - मिश्र मांड, ताल - दादरा, लय - द्रुत.

न मानू न मानू रसिया तोरा ।
काहे रे बनावत, बन नाही जाऊं मैं तो
न बोलो बुलावो, रसिया मोरा ॥
मैं तो जागी सारी नैन
तोरे संग छैला
न छेडो निंदिया, रसिया मोरा ॥

स्थाई

– – नि	
न	
०	

सां – –	धप – प	पनि , ध –	गप – नि
मा ऽ ऽ	नूऽ ऽ न	माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न
×	०	×	०
सां नि सां	नि ध नि	प प मं –	पनि ध नि
मा ऽ ऽ	नू ऽ ऽ	माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न
×	०	×	०
रेंसां सां –	धप प ध	सांनि,नि ध –	ध – –
माऽ ऽ ऽ	नूऽ ऽ न	माऽऽ ऽ ऽ	नू ऽ ऽ
×	०	×	०
ग ग –	प – –	पध सां –नि	निध ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	तोऽ ऽ ऽऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

अंतरा - १

ग – ग	प – प	धनि,नि ध –	सां – सां
का ऽ हे	रे ऽ ब	नाऽऽ ऽ ऽ	व ऽ त
×	०	×	०

सां –रेंगं रें	सां –सां रें	निसां – ध नि	प निध नि
ब ऽनऽ ऽ	ना ऽही ऽ	जाऽ ऽऊं ऽ	मैं तोऽ न
×	०	×	०

सां – –	ध प –	ग प धसां	निनि ध –
बो ऽ ऽ	लो ऽ ऽ	बु ला ऽऽ	ऽऽ वो ऽ
×	०	×	०

ग ग –	प – –	पध निसां रें	सांनि ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ ऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

अंतरा - २

ग – ग	प – प	धनि –प ध	धनि सां सां
मैं ऽ तो	जा ऽ गी	साऽ ऽरी ऽ	रैंऽ ऽ न
×	०	×	०

नि – सां	ध – प	मं प मं	पनि ध नि
तो ऽ रे	सं ऽ ग	छै ऽ ऽ	लाऽ ऽ न
×	०	×	०

सां – –	धप – –	गप पध धसां	निनि ध –
छे ऽ ऽ	डोऽ ऽ ऽ	निंऽ दिऽ याऽ	ऽऽ ऽ ऽ
×	०	×	०

ग ग –	प – –	पध निसां रें	सांनि ध नि
र सि ऽ	या ऽ ऽ	मोऽ ऽऽ ऽ	राऽ ऽ न
×	०	×	०

राग - मिश्र भैरवी, ताल - दादरा, लय - मध्य.

आजा रे सैंया आजा रे आ, रे नींद नाही आ
तोरे बिन सारी रैन, जिया मोरा बेचैन
तोरे कारन सारी रैन, नींद नाही आ ।
आवो रे बेगी आवो, सूरत दिखा जा रे
तोरे मिलन लागी आस, नींद नाही आ ॥

स्थाई

ग ग –म	प निधध,प मग–	ग मप,म –ग	ग रेसा –ध
आ जा ऽ रे	सैं याऽऽऽ ऽऽऽ	आ जाऽऽ ऽरे	आ ऽऽ ऽरे
×	०	×	०

ध मग– मध–	म रेग– रे	सा – –	रेग– सारे– ग
नीं ऽऽऽ ऽऽऽ	द नाऽऽ ही	आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०

ग प – प	धसां,– – सां	नि सरिं,सां –नि	प,–म गम,– ग
तोऽ ऽ रे	बिऽऽ ऽ न	सा रीऽऽ ऽऽ	रैऽऽ ऽ ऽ न
×	०	×	०

प प ध	सां सां –	नि सरिं,सां –नि	प,–म गम,– ग
जि या ऽ	मो रा ऽ	बे ऽऽऽ ऽऽ	चैऽऽ ऽऽऽ न
×	०	×	०

ध – –	नि,निध पध,–	निसां रें रें नि	ध प –
तो ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽऽऽ	काऽ ऽऽ ऽ	र न ऽ
×	०	×	०



नि सां –	प,–म गम,– ग	ध – मं	रे ग रे
सा री ऽ	रैऽऽ ऽऽऽ न	नीं ऽ द	ना ऽ ही
×	०	×	०

सा – –	रेग– सारे– ग	ग ग –म
आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ	आ जा ऽरे
×	०	×

अंतरा

ध ध –नि	मं ध –	मं धनि सां	सां – सां
आ ऽ ऽऽ	वो रे ऽ	बे गीऽ ऽ	आ ऽ दो
×	०	×	०

सां नि नि –	सां – सां	रेंरेंसांनि धप,निसां रेंगं,–रें	रेंसां,सां –ध –
सू र ऽ	त ऽ दि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽ	जाऽऽ ऽरे ऽ
×	०	×	०

प धनि प	प धसां सां	नि सारें,सां –,नि	प–म गम,– ग
तो रेऽ ऽ	मि लऽ न	ला गीऽऽ ऽ ऽ	आऽ ऽ ऽ स
×	०	×	०

ध – मं	रे ग रे	सा – –	रेग– सारे,– ग
नीं ऽ द	ना ऽ ही	आ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ
×	०	×	०.

स्वरलेखन के चिन्हों का परिचय ।

१ - रे ग ध नि इन स्वरों के नीचे '-' ऐसा रेखाचिन्ह हो तो वे स्वर कोमल होते हैं । उदाहरणार्थ - रे॒ ग॒ ध॒ नि॒ । यदि ऐसा चिन्ह न हो तो वे स्वर शुद्ध होते हैं ।

२ - कोमल या शुद्ध मध्यम के लिये कोई भी चिन्ह नहीं होता है । तीव्र मध्यम के ऊपर '।' ऐसा चिन्ह होता है । उदाहरणार्थ 'म॑' ।

३ - मंद्र सप्तक के स्वरों के नीचे ' . ' ऐसा बिन्दुचिन्ह होता है । उदाहरणार्थ - ऩि ध़ प़ म़ ।

४ - तार सप्तक के स्वरों के ऊपर '˙ ' ऐसा बिन्दुचिन्ह होता है । उदाहरणार्थ - सां रें गं मं पं ।

५ - मध्य सप्तक के स्वरों के ऊपर या नीचे कोई भी चिन्ह नहीं होता । उदाहरणार्थ - सा रे ग म प ध नि ।

६ - ‿ ऐसे अर्धचन्द्रचिन्हमें समाविष्ट स्वर एक मात्रा की अवधिवाले होते हैं । उदाहरणार्थ - रेग रेगम रेगम– रेगमप रेगमप – धपमग ।

७ - जिन स्वरों के ऊपर ⌒ इस प्रकार उल्टा अर्धचन्द्राकार चिन्ह हो, वहाँ एक स्वर से दूसरे स्वर तक जाते समय 'मींड' लेकर जाना चाहिये।

८ - स्वरों को आलंकारिक बनाने के लिये तथा रागस्वरूप शुद्ध रखने के लिये जो स्वर होते हैं, वे स्वर स्वरों के ऊपर बायीं ओर दिखाये हुओ हैं । उन्हें 'कण' स्वर भी कहा जाता है । उदाहरणार्थ - ^ग^रे ^ग^रे अथवा ^प^ग ^सां^ध।

९ - स्वरों के आगे अगर ' – ' ऐसा रेखाचिन्ह हो, तो वह चिन्ह उस स्वर को आगे बढाने के लिये होता है । उदाहरणार्थ - म – – – ।

१० - गीत के शब्दों के अक्षरों का मात्राकाल बढाने के लिये 'ऽ' ऐसे दीर्घचिन्ह का प्रयोग किया हुआ है ।
उदाहरणार्थ - 'पि ऽ या ऽ रे ऽ' ।

११ - 'सम' जो कि ताल की पहली मात्रा है, '×' इस चिन्ह से दिखाई हुई है। ताल की 'खाली' (ताल का आधा भाग समाप्त होने के बाद जो दूसरा आधा भाग शुरू होता है, उसे 'खाली' कहते हैं।) '०' इस चिन्ह से सूचित की गई है।

१२ - ताल की जितनी मात्राएं हैं और जिस प्रकार उस के विभाजक या खंड हैं, उस प्रकार 'बंदीश' या 'गीत' लिखे गये हैं।

श्री शंकर अभ्यंकर.



जन्म – १९.५.१९३४.

श्री शंकर अभ्यंकर एक सुविख्यात सितार-वादक के रूपमें संगीतविश्वमें काफी परिचित हैं। उन्होंने सितार-वादन की प्राथमिक शिक्षा पं. शंकररावजी व्यास से प्राप्त की। तत्पश्चात् पं. रविशंकरजी और उस्ताद विलायतखाँ का आदर्श सामने रखकर उन्होंने सितार-वादन की अपनी स्वतंत्र शैली निर्मित की। आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा विविध संगीत-परिषदों के द्वारा भारतभरमें तथा विदेशमें भी उन के सितार-वादन ने रसिकों को आनंद प्रदान किया है।

श्री. शंकर अभ्यंकर शास्त्रीय कंठसंगीतमें भी अपना उतना ही अधिकार रखते हैं। पं. नारायणरावजी व्यास से उन्होंने कंठ-संगीत की शिक्षा संपादन की। पं. कुमारगंधर्वजी से प्रेरित होकर उन्होंने शास्त्रीय संगीत के विविध रागोंमें बडी ही आकर्षक बंदिशों की निर्मिति की है जिन्हे गाकर आज कई कलाकार अपनी मैफिलें सजाते हैं और जो काफी लोकप्रिय हुई हैं। उन्होंने अनेक नये रागों की तथा मिश्र रागों की भी निर्मिति की है। वे बंदिशें 'आराधना' पुस्तक के रूपमें प्रकाशित हुई हैं।

संप्रति श्री. शंकर अभ्यंकर श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी विद्यापीठ के संगीत विभागमें प्राध्यापक हैं।

चित्रकार व्ही. सिन्नरकर